नई दिल्ली

रविवार, 10 अगस्त, 2025

भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 117

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 33
न्यून. 28

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

ऑपरेशन सिंदूर का 'ब्रह्मास्त्र' साबित हुआ 'एस-400'...

पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमानों को हवा में राख बना दिया: वायु सेना प्रमुख

यह जानकारी एयरचीफ मार्शल सिंह ने दिवंगत वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल एल.एम. कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण को संबोधित करते हुए दी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले के बाद 7 मई 2025 की दरमियानी रात की गई ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई के ठीक बाद देश के भीतर से लेकर दुनिया तक बस ये ही सवाल गूंज रहे थे कि कैसे भारतीय सेना और वायुसेना के रणबांकुरों ने सीमा पार मौजूद आतंकवादियों और उनके असल आका पाकिस्तान को धूल चटाई? भारत की इस जवाबी कार्रवाई में पड़ोसी दुश्मन देश को कितना नुकसान हुआ? क्या इस नुकसान का कोई ठोस प्रमाण है?

क्या सेनाओं ने अपनी कार्रवाई में एलओसी-आईबी पार की थी? शनिवार को किसी और ने नहीं बल्कि ऑपरेशन सिंदूर का नेतृत्व करने वाली भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने इन सभी सवालों के विस्तार से जवाब दिए। जिसमें उन्होंने देश के सैन्य पराक्रम से पाकिस्तान के 5 लड़ाकू विमानों को मार गिराने की पुष्टि की। साथ ही उसे पहुंचे गंभीर सैन्य नुकसान समेत अपने संबोधन को मुख्य रूप से भारत की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति के ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत का सतह से हवा में लक्ष्य को नेस्तनाबूद करने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड

1984 से 1985 तक वायु सेना प्रमुख थे एसीएम कात्रे

एयरचीफ मार्शल (एसीएम) कात्रे 4 सितंबर 1984 से लेकर 1 जुलाई 1985 तक वायुसेना के प्रमुख रहे। वह वायुसेनाप्रमुख के रूप में और अपने सेवाकाल में शहीद होने वाले वायुसेना के दूसरे प्रमुख थे। वायुसेना में उनके योगदान के लिए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक, अति विशिष्ट सेवा पदक और बार से सम्मानित किया गया था। आजादी से पहले 3 अगस्त 1944 को एक अधिकारी कैडेट के रूप में एयरचीफ मार्शल कात्रे तत्कालीन रॉयल इंडियन एयरफोर्स में शामिल हुए थे। इसके अगले वर्ष 9 अप्रैल 1945 में उन्हें पायलट शाखा में एक आपातकालीन कमीशन प्रदान किया गया।

एस-400 को कोई जोड़ नहीं

वायुसेनाप्रमुख ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत का एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम गेम चेंजर साबित हुआ। जिसकी मदद से हमने बिना सीमा लांघे 300 किलोमीटर की लंबी दूरी से ही अपने सटीक निशाने और अचूक वार के जरिए पाकिस्तान के कुल करीब 5 लड़ाकू विमानों को मार गिराया। इसके अलावा हमने दुश्मन के 6 रडार, एक बड़ा निगरानी विमान, 2 कमांड और कंट्रोल सेंटर (मुरीद-चकला), 2 सतह से हवा में मार करने वाले मिसाइल सिस्टम (लाहौर-ओकारा), 3 हैंगर (सुक्कुर में यूएवी हैंगर, जैकोबाबाद एफ-16 का हैंगर और भुलारी में अवॉक्स का हैंगर) को भी बुरी तरह से क्षति पहुंचाई। यह सतह से हवा में लक्ष्य भेदने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। वायुसेना ने विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर हवाई क्षेत्र में ये कार्रवाई करने का निर्णय लिया।

9 आतंकी कैंपों में छिपे 100 आतंकी मारे

गौरतलब है कि भारत की इस कार्रवाई में सेना और वायुसेना ने संयुक्त रूप से पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद कुल 9 आतंकी कैंपों में छिपे बैठे 100 से अधिक आतंकवादियों को पलक झपकते ही मौत की नींद सुला दिया था। जिससे बौखलाए पाकिस्तान ने 7 से लेकर 10 मई तक देश की पश्चिमी सीमा पर ड्रोन और मिसाइलों से कई वार किए। लेकिन उसे कोई कामयाबी नहीं मिली और सीमा के चप्पे-चप्पे पर तैनात सैन्य बलों ने हर पाकिस्तानी वार का तुरंत काम तमाम कर दिया। साथ ही पाकिस्तान में घुसकर न केवल आतंकी अड्डे तबाह किए गए। बल्कि उसके कई महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों को भी व्यापक रूप से क्षति पहुंचाई गई। ये सब देख पाकिस्तान के नापाक हौसले टूट गए और उसने 10 मई को भारत से संघर्षविराम करने की गुहार लगाई। जिसे भारत ने स्वीकार कर लिया।

बालाकोट से सीखा ये जरूरी सबक

उन्होंने कहा, 2019 में पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर किए गए प्राणघातक आतंकी हमले के जवाब में की गई बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान हमने नुकसान का कोई खास सबूत एकत्रित नहीं किया था। लेकिन इस बार ऐसी गलती नहीं दोहराई गई। हमने जरूरी प्रमाण अपने पास रखें हैं। एयरचीफ मार्शल सिंह ने अपने वक्तव्य में इसकी पुष्टि के लिए कुछ तस्वीरों के जरिए पाकिस्तान को हुए नुकसान का तुलनात्मक अध्ययन भी सबके सामने रखा। उन्होंने कहा कि हमने जो लक्ष्य तय किए थे। उन्हें हासिल किया और उसके बाद अपनी कार्रवाई रोकी।

बौखलाया पाक बोला- जांच करा लो

एजेंसी, नई दिल्ली। बौखलाए पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर लिखा कि हमारे एक भी विमान को नुकसान नहीं हुआ है। अगर दुनिया को सच्चाई दिखाना है तो दोनों देश अपने विमान बेड़े की स्वतंत्र जांच के लिए खोल दें। उन्होंने दावा किया कि पाक को नहीं, बल्कि एलओसी पर भारत को अपेक्षाकृत नुकसान ज्यादा पहुंचा है।

पीएम मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से राखी बंधवाई, दिल को छूने वाली तस्वीरें खिंचवाई, बच्चियों ने कहा

मातृभूमि करती अभिनंदन...

भारत भाल के आप हो 'चंदन' हमारे देश में ऐसा कर्मयोगी, जिसकी मिसाल कहीं नहीं होगी

▶▶ एक बच्ची पीएम के लिए नंदी जी वाली राखी लाई। उसने पीएम को बताकर बांधी

▶▶ एक छोटी बच्ची ने पीकॉक वाली राखी बांधी और पीएम को गले लगकर दुलार किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आए। मासूम बच्चियों में पीएम मोदी को राखी बांधने की होड़ दिखाई दी। पीएम मोदी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी से बहुत ही प्यार से राखी बंधवाई। बच्चियों ने कहा- मातृभूमि करती अभिनंदन, भारत भाल के आप हो चंदन, हमारे देश में ऐसा कर्मयोगी, जिसकी मिसाल कहीं नहीं होगी।

बच्ची बोली-मैं पीएम बनना चाहती हूं

एक बच्ची ने कहा कि मैं पीएम बनाना चाहती हूं। पीएम ने कहा कि भई वाह। बहुत बढ़िया। बच्चियों ने कहा-नई सोच नई राह दिखाई, आशा की नव किरण दिखाई। स्वच्छ भारत, मन की बात, उज्ज्वला का दीप जलाया, हर घर चूल्हा तब जल पाया, अटल पेंशन और जीवन ज्योति-हर नागरिक का भविष्य मोदी, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया से हर युवा को मिला आत्मबल। बेटियों को लौटाया उनका घर, अब न कोई डर, कोई सफर, ऑपरेशन सिंदूर से भारत का शौर्य दिखाया। यह सुनते ही पीएम बोले कि इतनी सारी योजनाओं का नाम आपको याद है। एक बच्ची ने कहा कि आप हमारे वॉरियर व सेवियर दोनों हैं।

खबर संक्षेप

पीएम मोदी बेंगलुरु में आज करेंगे शिलान्यास

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी रविवार को बेंगलुरु में 22 हजार करोड़ की विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। वह बेंगलुरु में करीब 7160 करोड़ की लागत की बैंगलोर मेट्रो येलो लाइन का उद्घाटन करेंगे और 15,610 करोड़ से अधिक की लागत वाली बैंगलोर मेट्रो चरण-तीन परियोजना की आधारशिला रखेंगे। तीन वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाएंगे।

राजनाथ सिंह रेल कोच का भूमिपूजन करेंगे

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को मध्यप्रदेश में रेल कोच निर्माण इकाई का भूमिपूजन करेंगे। वे राजधानी भोपाल के समीप रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) का भोपाल सहित रायसेन, सीहोर और विदिशा आदि जिलों को लाभ होगा।

इंडिगो विमान में आई गड़बड़ी, विलंब से उड़ा

लखनऊ। शनिवार सुबह लखनऊ से देहरादून जा रही इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण रोक दी गई। जब विमान उड़ान भरने के लिए टैक्सी वे से रनवे पर जा रहा था, तभी विमान में हल्का झटका लगा, पायलट ने तकनीकी गड़बड़ी पहचान ली। विमान में क्रू मेंबर सहित 158 यात्री सवार थे। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना देते हुए विमान को रोक दिया।

चुनाव आयोग ने 334 पंजीकृत दलों के नाम काटे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने शनिवार को कहा कि चुनाव प्रणाली को स्वच्छ बनाने के क्रम में उसने पंजीकृत एवं गैर-मान्यताप्राप्त (आरयूपीपी) राजनीतिक दलों की सूची से 334 दलों के नाम हटा दिए है। आयोग ने कहा कि यह कार्रवाई बाकायदा जांच पड़ताल के बाद की गयी है फिर भी ये दले चाहें तो 30 दिन के अंदर अयोग के समक्ष अपील दायर कर सकते हैं।

1.51 लाख करोड़ के साथ अब तक के सर्वाधिक स्तर पर जा पहुंचा रक्षा उत्पादन

सीमा पर मौजूद चुनौतियों के बीच रक्षा उत्पादन में भारत की बड़ी छलांग

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सीमा पर मौजूद चुनौतियों और टैरिफ के संकट के बीच भारत का सरहदी सुरक्षा घेरा पूरी तरह से चाक-चौबंद बना हुआ है। जिसके पीछे की एक बड़ी वजह रक्षा उत्पादन में बीते वित्त वर्ष 2024-25 में हुई अब तक की सर्वाधिक बढ़ोतरी देखने को मिली है। जिसका आधिकारिक आंकड़ा शनिवार को रक्षा मंत्रालय ने जारी ▶▶ शेष पेज 5 पर

रक्षा निर्यात 23 हजार करोड़ के पार

रक्षा उत्पादन के साथ ही निर्यात के लिए भी बीता हुआ वित्त वर्ष काफी बेहतर साबित हुआ है। यह 2024-25 में 23 हजार 622 करोड़ रुपए पर जा पहुंचा। 2023-24 में ये आंकड़ा 21 हजार 83 करोड़ रुपए पर था। इस लिहाज से देखें तो ये वृद्धि 2 हजार 539 करोड़ यानी 12.04 फीसदी रही। मंत्रालय ने कहा कि इस उपलब्धि के पीछे कहीं न कहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान के जरिए रक्षा मैन्युफैक्चरिंग को दिया गया बढ़ावा शामिल है। आयात पर निर्भरता घटाकर रक्षा औद्योगिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण व इसकी मजबूती से न केवल देश की जरूरतों को पूरा किया गया। बल्कि दुनिया के बाकी देशों के लिए निर्यात का मार्ग भी प्रशस्त हुआ। जिसके काफी सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे हैं। नीतिगत सहयोग, निजी उद्योगों की भागीदारी और निर्यात क्षमताओं के विस्तार से ही भारत के रक्षा उत्पादन में यह वृद्धि संभव हुई है।

रेलवे ने फेस्टिव सीजन में एक्सपेरिमेंटल बेस पर शुरू की स्कीम

आने और जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20% डिस्काउंट

जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट कराना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने दिवाली और अन्य फेस्टिवल में घर जाने वालों के लिए एक एक्सपेरिमेंटल बेस पर एक स्कीम शुरू की है। इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है तो रिटर्न टिकट पर 20% का डिस्काउंट मिलेगा। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़

और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला एक्सपेरिमेंटल बेस पर लिया है। अगर आप अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाते हैं, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट करना होगा। जैसे- अहमदाबाद-बरौनी (19484) से जाते हैं तो रिटर्न इसी ▶▶ शेष पेज 5 पर

बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी

इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

जैतपुर में भारी बारिश के बीच गिरी दीवार

आठ की मौत, एक घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिले के जैतपुर में शनिवार सुबह भारी बारिश के बीच मोहन बाबा मंदिर के पास दीवार गिरने से आठ लोगों की मौत हो गई। सात की मौत के बाद एक घायल हाशिबुल का एम्स ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा था। उसने भी दम तोड़ दिया है। दिल्ली अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक शनिवार

सुबह नौ बजकर 16 मिनट पर घटना के बारे में सूचना मिली। पुलिस दल के साथ दमकल की तीन गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गई। पुलिस ने बताया कि पीसीआर ▶▶ शेष पेज 5 पर

हादसे पर बिधूड़ी ने व्यक्त की संवेदना

दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने जैतपुर के हरीनगर इलाके में एक दीवार गिरने से आठ लोगों की मृत्यु होने पर संवेदना व्यक्त की है। बिधूड़ी ने मौके पर जाकर मृतकों के परिजनों से भेंट की और उन्हें सांत्वना दी। सांसद बिधूड़ी ने कहा कि ये लोग एक प्राइवेट प्लॉट पर झुग्गियां बनाकर रह रहे थे और एक समाधि की दीवार गिरने से उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने प्रशासन से हर संभव सहायता देने का अनुरोध किया है।

सीवर में डूबने से ढाई साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र थाना इलाके में शनिवार को एक ढाई साल के बच्चे की सीवर में दुर्घटनावश डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिये मोर्चरी भिजवा दिया है।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह लगभग 11:15 बजे गांव खेड़ा खुर्द, फिरनी रोड पर एक बच्चे के सीवर में गिरने की सूचना एनआईए थाने को प्राप्त हुई। त्वरित प्रतिक्रिया दिखाते हुए पुलिस दल मौके पर पहुंचा और आवश्यक कार्रवाई के लिए डीएफएस, डीडीएमए और अन्य एजेंसियों को बुलाया गया। दमकल विभाग, चाइल्ड हेल्पलाइन और एमसीडी के कर्मचारी भी उपकरणों के साथ मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया गया। पता चला कि बच्चे की उम्र लगभग 2 वर्ष 6 महीने थी। भारी बारिश में खेलते समय सुबह लगभग 10:30 बजे वह गलती से सीवर में गिर गया। उसके माता-पिता ने पीसीआर को कॉल किया। विभिन्न एजेंसियों के संयुक्त बचाव अभियान और स्थानीय निवासियों के निरंतर सहयोग से बच्चे को सीवर से मृत निकाला गया।

आर्थिक तंगी के चलते होता था पत्नी से झगड़ा

शख्स ने पत्नी और दो बेटियों को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के करावल नगर में शनिवार सुबह करीब सवा सात बजे पुलिस को एक महिला और उसकी दो बेटियों की मृत्यु के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। पुलिस मौके पर पहुंची तो लगभग 28 वर्षीय एक महिला और उसकी लगभग 7 और 5 वर्ष की दो बेटियां अपने कमरे में मृत पड़ी मिलीं। तीनों के शवों को मोर्चरी भिजवाया गया। करावल नगर थाना में हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू की गई और कुछ ही घंटों बाद आरोपी शख्स गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पत्नी और बेटियों की गला दबाकर हत्या की बात स्वीकारी है। पत्नी से विवाद के चलते हत्याएं की गई।

डीसीपी आशीष मिश्रा के अनुसार ट्रिपल मर्डर की वारदात भगत सिंह कालोनी में सामने आई।

■ करावल नगर इलाके की घटना

मृतका का नाम जयश्री (28), बेटी अंशिका (7) और नीतू (5) है। जयश्री का पति प्रदीप आजादपुर मंडी में सब्जी बेचने का काम करता था। जयश्री के भाई चंद्रभान ने बताया कि उनका जीजा प्रदीप जुआ खेलता था और अपनी पत्नी को मारता पीटता था। इसके चलते उस पर कर्ज हो गया था। परिवार आर्थिक तंगी से जुझ रहा था। इसी के चलते उसका पत्नी से झगड़ा होता था। जांच के दौरान यह पता चला कि मृतका का पति लापता है। स्पेशल स्टाफ सहित कई टीमों ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और मानव खुफिया स्त्रोतों के माध्यम से साक्ष्य और सुराग एकत्र किए। टीम ने मुकुंद विहार क्षेत्र से आरोपी का सफलतापूर्वक पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसकी पहचान करावल नगर निवासी स्वर्गीय पप्पू के पुत्र प्रदीप कश्यप (29) के रूप में हुई। कड़ी पूछताछ के बाद उसने अपना अपराध कबूल कर लिया और बताया कि उसके और पत्नी के बीच लगातार विवाद चल रहा था। मामले की आगे की जांच जारी है।

नंद नगरी में व्यक्ति की गोली मारकर हत्या, एक पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी इलाके में एक व्यक्ति की पुराने विवाद को लेकर गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात शुक्रवार और शनिवार की दरम्यानी रात अंजाम दी गई। हत्या के आरोप में 20 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार युवक के पास से एक देसी पिस्तौल भी बरामद की गई है।डीसीपी आशीष मिश्रा के अनुसार गोलीबारी की घटना की सूचना मिलने पर नंद नगरी थाने की टीम मौके पर पहुंची। पाया कि कपिल (28) नामक व्यक्ति को गोली लगी है। कपिल को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिश्रा ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। क्राइम व फॉरेंसिक टीमों ने भी घटनास्थल की जांच की और नमूने एकत्रित किए। जांच के दौरान संदिग्ध की पहचान 20 वर्षीय शिवम यादव के रूप में की गई। कुछ ही घंटों बाद उसे पकड़ लिया गया। उसके कब्जे से अपराध का हथियार, एक देसी पिस्तौल, बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने एक पुराने विवाद में कपिल को गोली मारने की बात स्वीकारी है। मामले में आगे की जांच की जा रही है।

गर्भवती महिला और उसके बेटे की हत्या में पैरोल जंपर दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने गर्भवती महिला और उसके दो साल के बेटे की हत्या करने वाला पैरोल जंपर गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम अशोक बताया गया है। इसे मामले में आजीवन कारावास की सजा मिल चुकी थी। आरोपी करीब पांच सालों से फरार चल रहा था। 2020 में मां की मृत्यु के कारण इसे पैरोल मिली थी। हत्या का यह मामला 2007 में सामने आया था।

डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसर अशोक सिकंदराबाद, बुलंदशहर का रहने वाला है। उसे वर्ष 2020 में मां की मृत्यु के आधार पर दो सप्ताह की पैरोल पर रिहा किया गया था। लेकिन आरोपी ने आत्मसमर्पण नहीं किया और फरार हो गया था। डीसीपी के अनुसार अशोक का बालेश्वर रानी नाम की एक महिला के साथ विवाहेत्तर संबंध था। 2007 में अशोक ने रानी को बालेश्वर के साथ संबंध खत्म करने की चेतावनी दी थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। एक जून 2007 को अशोक अपनी बहन सुमन (बालेश्वर की पत्नी) और अपने गांव के तीन साथियों बादल, अमित और जोगेंद्र के साथ रानी के घर पहुंचा, जहां बालेश्वर भी मौजूद था। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बालेश्वर और रानी की बेटी सरिता जो उस समय गर्भवती थी और उसके दो साल के बेटे अभिषेक पर गोलियां चला दी। बालेश्वर गोली लगने से बाल-बाल बच गया था, जबकि सरिता और उसके बेटे की मौके पर ही मौत हो गई थी। अशोक वर्तमान में सिकंदराबाद इलाके में रह रहा था। पकड़े जाने से बचने के लिए वह मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करता था। लगभग एक महीने तक उसके संभावित ठिकानों पर खुफिया निगरानी रखी गई तब कहीं जाकर वह पकड़ में आया। फरारी के समय वह गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में भी रहा था। कुछ समय पहले ही वह सिकंदराबाद लौटा था।

अस्पताल में आग से एक व्यक्ति की मौत, 10 घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

■ आनंद विहार इलाके की घटना

पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार में एक निजी अस्पताल में शनिवार दोपहर आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा के अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की सूचना दोपहर 12 बजकर 12 मिनट पर मिली, जिसके बाद आठ दमकल वाहनों को मौके पर भेजा गया था। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है।

पुलिस के अनुसार आग की घटना कॉसमॉस अस्पताल में सामने आई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग की टीमों ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों में से सात को आनंद विहार अस्पताल में ही भर्ती कराया गया है, जबकि तीन अन्य को मामूली चोटें आई हैं। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। कई मरीजों को शीशा तोड़कर बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान अमित के तौर पर हुई। वह अस्पताल में सफाई कर्मचारी था। आग लगने की घटना के बाद उसने खुद को अस्पताल की दूसरी मंजिल के शौचालय में बंद कर लिया था। दम घुटने से उसकी मौत हो गई। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच में जुटी है।

अंतरराज्यीय अवैध हथियारों के सिंडिकेट का भंडाफोड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण पूर्वी जिला की एसटीएफ टीम ने अवैध हथियारों के सिंडिकेट का एक सक्रिय सदस्य गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 10 सेमी-ऑटोमैटिक .32 बोर के पिस्टल, 20 कारतूस और 7 अतिरिक्त मैगजीन बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी ने मध्य प्रदेश के धार से हथियार प्राप्त किए थे। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि उसने पिछले दो वर्षों में दिल्ली-एनसीआर में 150 से अधिक पिस्टल की आपूर्ति की है। आरोपी अमित कुमार (29) यूपी के मिर्जापुर का रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार आगामी स्वतंत्रता दिवस समारोह और त्योहारी सीजन के मद्देनजर, एसटीएफ द्वारा मध्य प्रदेश के उन हथियार आपूर्तिकर्ताओं पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी, जो पूर्व में दिल्ली एनसीआर में हथियार भेजने में संलिप्त पाए गए थे। एसटीएफ की टीम ने एक महीने के प्रयासों के बाद पता लगाया कि अमित अपने एक संपर्क को अवैध हथियारों की खेप पहुंचाने के लिए रात 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच कोस मीनार गोल चक्कर, जसोला के पास आएगा। इसके बाद टीम ने उक्त स्थान पर जाल बिछाया और रात करीब पौने नौ बजे अमित कुमार को एक बैग के साथ आते देखा। परिणामस्वरूप, उसे टीम के सदस्यों द्वारा पकड़ लिया गया। इस संबंध में सरिता विहार थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर सिंडिकेट के शेष सदस्यों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

■ भारी मात्रा में अवैध हथियारों की खेप के साथ एक गिरफ्तार

15 हजार का पिस्टल 30 से 40 हजार में बेचता था

पूछताछ में अमित ने बताया कि वह गत दो सालों से अवैध हथियारों की सप्लाई कर रहा है। अब तक डेढ़ सौ के लगभगत हथियार दिल्ली एनसीआर में सप्लाई कर चुका है। उसने बताया कि सेमी-ऑटोमैटिक पिस्तौल 12 से 15 हजार रुपये में प्राप्त करता था और आगे अपराधियों को 30-40 हजार रुपये में बेचता था। गिरफ्तार आरोपी ने आगे बताया कि वह स्नातक तक पढ़ा है और यूपी के भदोही जिले में एक निजी बैंक में रिकवरी एजेंट के रूप में काम कर चुका है। उसके गांव के ही एक शख्स ने उसे जल्दी पैसा कमाने के लिए हथियारों की तस्करी में लिप्त होने के लिए लुभाया था। शुरू में उसने उक्त व्यक्ति के डिलीवर एजेंट के रूप में काम किया, लेकिन कुछ समय बाद उसने अपना खुद का नेटवर्क विकसित किया और अपने दम पर हथियारों की आपूर्ति शुरू कर दी।

दिल्ली विश्वविद्यालय को मिला एनएसीसी ए++ ग्रेड

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक उत्कृष्टता की अपनी यात्रा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एनएसीसी ए++ ग्रेड प्राप्त किया है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएसीसी) द्वारा 8 अगस्त, 2025 को घोषित संस्थागत मूल्यांकन एवं प्रत्यायन साइकिल 2 में दिल्ली विश्वविद्यालय को सर्वोच्च ग्रेड ए++ ग्रेड प्रदान किया है।
विश्वविद्यालय ने 3.55 का संचयी ग्रेड पॉइंट औसत (सीजीपीए) प्राप्त किया है। यह ग्रेड 2029 तक पाँच वर्षों के लिए वैध है।
डीयू की इस उपलब्धि के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि पिछले साइकिल 2018 में, विश्वविद्यालय को 3.28 के सीजीपीए के साथ **A+** ग्रेड प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि डीयू के ग्रेड में यह उल्लेखनीय सुधार गुणवत्ता संवर्धन, शिक्षण एवं अनुसंधान में नवाचार और सुदृढ़ संस्थागत प्रशासन के प्रति विश्वविद्यालय की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि एनएसीसी ए++ ग्रेड प्राप्त करना विश्वविद्यालय के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण है और हमारे पूरे विश्वविद्यालय और इससे जुड़े सभी व्यक्तियों के लिए अत्यंत गौरव की बात है। यह मान्यता हमारे संकाय, छात्रों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और सभी हितधारकों के अटूट समर्पण, प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयास का परिणाम है। यह उपलब्धि एक उत्प्रेरक का काम करेगी, जो हमें और भी ऊँचे मानक स्थापित करने और शिक्षण, अनुसंधान एवं समाज सेवा में उत्कृष्टता के क्षितिज का निरंतर विस्तार करने के लिए प्रेरित करेगी। इस उपलब्धि के लिए डीयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, पूर्व छात्रों और सभी हितधारकों को बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षा, अनुसंधान और सामुदायिक सहभागिता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के अपने मिशन में दृढ़ है, और भारत के प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक के रूप में अपनी स्थिति की मजबूत पुष्टि करता है।

■ इस उपलब्धि के लिए डीयू कुलपति प्रो . योगेश सिंह ने दी सभी हितधारकों को बधाई

वसंत कुंज में मेट्रो निर्माण स्थल पर दीवार गिरी, कोई घायल नहीं

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ में मेट्रो निर्माण स्थल पर दीवार गिरने का मामला सामने आया। पुलिस ने बताया कि शनिवार दोपहर 1:30 बजे इस संबंध में सूचना पुलिस को मिली। कॉल मिलने पर पुलिस के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पाया कि जे. कुमार इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा प्रबंधित दीवार मुख्य सड़क के किनारे गिर गई थी। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चला है कि भारी बारिश के कारण सीवेज लाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके परिणामस्वरूप मसूदपुर फ्लाईओवर के पास निर्माणाधीन मेट्रो लाइन की दीवार 10 से 15 मीटर तक धंस गई। इसमें किसी के घायल होने या जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। यातायात पुलिस द्वारा बीट कर्मचारियों के साथ समन्वय करके यातायात को डायवर्ट कर प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया गया।

कादीपुर वार्ड में निगम उपायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के सिविल लाइन जोन के उपायुक्त अंशुल सिरोही ने कादीपुर वार्ड का औचक निरीक्षण कर निगम की सफाई व्यवस्था की हकीकत देखी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को हुआ यह दौरा पूरी तरह गोपनीय रखा गया था, जिसकी जानकारी केवल स्थानीय निगम पार्षद मुनेश देवी और उनके प्रतिनिधि राहुल शर्मा को थी। निरीक्षण के दौरान राहुल शर्मा ने उपायुक्त को नंगली पूना, पुश्ता रोड, कादीपुर गांव, कादीपुर डंपिंग साइट और इब्राहिमपुर में फैले कूड़े के ढेर दिखाए। उन्होंने कूड़ा निस्तारण करने वाली कंपनी डीएमएसडब्ल्यूएल के अधिकारियों पर सहयोग न करने का आरोप लगाया। इसके अलावा, नरेला जोन की प्राइवेट गाड़ियों द्वारा कादीपुर वार्ड में कूड़ा फेंके जाने की शिकायत भी साक्ष्यों सहित दर्ज कराई।

डीसी अंशुल सिरोही ने मौके पर ही डीएमएसडब्ल्यूएल अधिकारियों को फोन पर निर्देश दिए कि कूड़े की समस्या का तत्काल समाधान किया जाए। साथ ही, सैनेट्री सुप्रिटेंडेंट और अन्य सफाई अधिकारियों को तलब कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के कड़े आदेश दिए। निरीक्षण के दौरान डीसी ने कादीपुर स्थित नगर निगम स्कूल का भी दौरा किया और अध्यापकों से मिलकर स्कूल की समस्याओं को सुना। निरीक्षण समाप्त होते ही वार्ड के सभी निगम अधिकारी और कर्मचारी सड़कों पर सफाई कार्य में जुट गए।

स्थानीय निवासियों ने डीसी के इस औचक निरीक्षण का स्वागत किया और उम्मीद जताई कि ऐसे दौरों से लापरवाह अधिकारियों पर लगाम लगेगी और कूड़े की समस्या का स्थायी समाधान होगा।

■ कूड़े के ढेर और लापरवाह सफाई व्यवस्था पर नाराजगी

डीडीए ने खोली सिरी फोर्ट स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स के लिए स्थाई सदस्यता, 12 अगस्त से 11 सितंबर तक करें आवेदन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

खेल प्रेमियों के पास अब दिल्ली के प्रतिष्ठित खेल स्थल, सिरी फोर्ट स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का स्थायी सदस्य बनने का एक दुर्लभ अवसर है। क्योंकि दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने फिटनेस और खेल समुदाय की ओर से की जा रही लगातार भारी मांग को देखते हुए, लंबे समय बाद कॉम्प्लेक्स के लिए नई मेंबरशिप खोल दी है। सिरी फोर्ट कॉम्प्लेक्स अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करता है, जिनमें टेनिस, तैराकी, स्क्वैश, जिम, गोल्फ ड्राइविंग रेंज, शूटिंग रेंज, योग, इनडोर बहुउद्देशीय स्टेडियम और कई अन्य सुविधाएं शामिल हैं। इस बारे में डीडीए द्वारा दी गई जानकारी अनुसार स्थायी सदस्यता लेने की सुविधा 12 अगस्त से 11 सितंबर, 2025 तक खुली है और

आवेदन ऑनलाइन जमा करने होंगे। सदस्यता लेने वालों में सरकारी, गैर-सरकारी, आवधिक सदस्य और सहयोगी सदस्य श्रेणियों में कुल 800 मेंबरशिप उपलब्ध हैं। डीडीए के अनुसार इनमें से 250 मेंबरशिप सरकारी कर्मचारियों के लिए, 250 गैर-सरकारी आवेदकों के लिए, और 150-150 मेंबरशिप मौजूदा आवधिक सदस्यों और सिरी फोर्ट के सहयोगी सदस्यों के लिए आरक्षित हैं। यदि आवेदकों की संख्या किसी भी श्रेणी में उपलब्ध मेंबरशिप से अधिक है, तो सरकारी और गैर-सरकारी श्रेणियों के लिए कम्प्यूटरीकृत लॉटरी के माध्यम से चयन किया जाएगा। सहयोगी सदस्यों के लिए, चयन वरिष्ठता के आधार पर होगा और आवधिक सदस्यों के मामले में, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आवेदक ने पहले कितनी बार आवधिक सदस्यता धारण की है। डीडीए का कहना है कि सभी आवेदकों के लिए सुगम पहुँच, पारदर्शिता और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए, आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा। आवेदन प्रक्रिया और शर्तों के बारे में विस्तृत जानकारी डीडीए की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। डीडीए का दावा है कि खेल परिसर कई खेल गतिविधियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करता है, जैसे टेनिस कोर्ट (सिंथेटिक और क्ले), ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल, बच्चों का पूल, स्क्वैश कोर्ट, टेबल टेनिस, बिलियर्ड्स, स्नूकर, जिम, गोल्फ ड्राइविंग रेंज, पिच एंड पुट कोर्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन (इनडोर और आउटडोर), स्केटिंग, एयर राइफल-पिस्टल शूटिंग रेंज, योग, एरोबिक्स और इनडोर बहुउद्देशीय स्टेडियम शामिल है। हाल ही में यहां पिकल बॉल कोर्ट शुरू किए गए हैं और एक प्राकृतिक चिकित्सा स्वास्थ्य केंद्र भी प्रचलित है। इसके अलावा, इसमें एक कैफ़े भी है और अगले महीने एक बढ़िया रेस्टोरेंट भी खुलने वाला है। डीडीए की माने तो वर्तमान में 18 खेल परिसरों, 4 मिनी खेल परिसरों और 3 गोल्फ कोर्स का प्रबंधन करता है, जो जनता के लिए उच्च गुणवत्ता वाली खेल सुविधाएं प्रदान करने की इसकी प्रतिबद्धता को पूरा करता है।

सुपरवाइजर व पुलिस पर हत्या का आरोप

निगम सफाईकर्मी की पुलिस कस्टडी में मौत सफाई कर्मचारी आयोग ने दिए जांच के आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी दिल्ली के वार्ड संख्या-221 (पुराना वार्ड 246, अशोक नगर) में कार्यरत सफाईकर्मी ऋषिपाल की पुलिस कस्टडी में संदिग्ध मौत के मामले में दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष संजय गहलोत ने इसे "जघन्य अपराध" करार देते हुए दिल्ली नगर निगम व पुलिस के उच्च अधिकारियों को तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम

मृतक कर्मचारी का फाइल फोटो।

आयुक्त से पीड़ित परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी, एक करोड़ रुपये मुआवजा और दोषी सुपरवाइजर को बर्खास्त करने की सिफारिश की है। साथ ही, पुलिस अधिकारियों से दोषी पुलिसकर्मियों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की मांग की है।

आयोग के अध्यक्ष ने बताया कि मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि ऋषिपाल की हत्या उसके सुपरवाइजर और पुलिसकर्मियों द्वारा की गई। दिल्ली सफाई कर्मचारी आयोग के अनुसार, करीब 5–6 महीने पहले दिल्ली नगर निगम मुख्यालय से ऋषिपाल के स्थायीकरण के आदेश जारी हो चुके थे, लेकिन शाहदरा उत्तरी ज़ोन में रिक्त पद न होने के कारण उसकी नियुक्ति लंबित थी। इस देरी से परेशान ऋषिपाल की हाल में उसके सुपरवाइजर अशोक चौटाला से कहासुनी हुई, जिसके बाद कथित रूप से चौटाला ने उसकी पिटाई करवाई और उसे ज्योति नगर थाने में बंद करा दिया।

मृतक के भाई अजीत ने आरोप लगाया कि थाने से उसे फोन कर बुलाया गया और कहा गया कि "तेरा भाई पड़ा है, उसे ले जा।" जब वह थाने पहुंचा तो ऋषिपाल ने अंतिम सांसों में बताया कि कांस्टेबल नितिन, एएसआई लोकेन्द्र और सुपरवाइजर अशोक चौटाला ने मिलकर उसकी बेरहमी से पिटाई की। जीटीबी अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे पहले से ही मृत घोषित कर दिया।

एक बार फिर यात्रियों से भरी मेट्रो की झोली, एक दिन में 81 लाख 87 हजार से अधिक ने की यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

रक्षा बंधन का पर्व बेशक दिल्ली वालों के लिए बारिश के रूप मुसीबत वाला साबित हुआ हो। लेकिन दिल्ली मेट्रो के लिए यह पर्व मेट्रो की झोली भरने वाला साबित हुआ है। रक्षाबंधन पर्व की पूर्व संध्या पर शुक्रवार को दिल्ली मेट्रो में यात्रा करने का एक नया रिकॉर्ड बना है। एक दिन में 81 लाख 87 हजार 674 लोगों ने मेट्रो में यात्रा करते हुए नया रिकॉर्ड दर्ज किया। जबकि खबर लिखे जाने तक रक्षाबंधन वाले दिन शनिवार को यात्रियों का आंकड़ा नहीं मिल पाया। इस बारे में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के प्रधान कार्यकारी निदेशक अनुज दयाल ने बताया कि शुक्रवार 8 अगस्त 2025 को एक दिन में अब तक सबसे अधिक 81 लाख 87 हजार 674 लोगों द्वारा यात्रा करने का नया रिकॉर्ड बनाया है। एक दिन पहले यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखकर डीएमआरसी ने रक्षाबंधन के लिए अतिरिक्त व्यवस्था की। दयाल के अनुसार इससे पूर्व दिल्ली 12 अगस्त 2024 से पहले एक दिन में अपनी सबसे ज़्यादा यात्रा का रिकॉर्ड 13 फरवरी 2024 को 71 लाख 9 हजार 938 दर्ज किया था। वहीं एक महीने के भीतर यानी 12 अगस्त से 12 सितंबर 2024 के बीच मेट्रो ने 17 बार अपने ही रिकॉर्ड को तोड़कर एक अनूठी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने बताया कि पिछले चार यात्री यात्राओं में 9 सितंबर 2024 को 77,16,910 यात्री, 10 सितंबर 2024 को 75,71,124 यात्री, 11 सितंबर 2024 को 75,50,620 यात्रा और 12 सितंबर2024 को 73,25,403 यात्रियों को ढोने का रिकॉर्ड दर्ज किया था। दयाल ने बताया कि डीएमआरसी ने अपने 29 इंटरचेंज स्टेशनों के माध्यम से मेट्रो नेटवर्क व इंटरकनेक्टिविटी ने भी निर्बाध कनेक्टिविटी को बढ़ाया है। जिससे लोग दिल्ली-एनसीआर के किसी भी कोने तक सबसे सुविधाजनक तरीके से पहुंच सकते हैं। इसके अलावा, डीएमआरसी ने टिकट बुकिंग की सुविधा के लिए डीएमआरसी सारथी ऐप, वन दिल्ली ऐप, व्हाट्सएप, पेटीएम, अमेज़न पे सहित कई चैनल शुरू किए हैं। ग्राहकों को टिकट काउंटरों पर कतार में लगने से बचने के लिए स्टेशनों पर पहुँचने से पहले ही टिकट खरीदने के लिए इन चैनलों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

जाम में फंसकर रह गई राजधानी

सावन के अंतिम दिन हुई मूसलाधार बारिश ने रोकी सड़क से हवाई यात्रा तक की गति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा बंधन के दिन सुबह ही दिल्ली में शुरू हुई मूसलाधार बारिश के चलते दिल्ली में सड़क से लेकर हवाई यात्रा की गति पर ब्रेक लग गया। दिल्ली का जलभराव से मुक्ति दिलाने का दम भरने वाली रेखा गुप्ता सरकार एक बार फिर बैकफुट पर नजर आई। बारिश के चलते कई अंडरपास को यातायात के लिए बंद करने पड़े। जबकि दीवार आदि गिरने की घटना में जानमाल के नुकसान की भी खबर है। जगह जगह लबालब सड़कों, फ्लाईओवर, अंडरपास सहित गालियां, नाले नालियां आदि लबालब होने से एक तरह से दिल्ली जाम से कराह उठी। जिसकी वजह से लोगों को मिनटों के सफर में घंटों लग गए। वहीं दूसरी तरफ हवाई यात्रा के बारे में जानकारी देने वाले फ्लाइट राडार के आंकड़ों के अनुसार सुबह हुई मूसलाधार बारिश व खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर लगभग 100 से अधिक उड़ानें बाधित हुई, देरी से चलीं। बताया गया कि बारिश के चलते इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) पर आने वाली 13 उड़ानों में देरी हुई। जबकि करीब 90 से अधिक उड़ान में देरी दर्ज की गई। कई विमान कंपनियों ने बारिश से यात्रा बाधित होने की जानकारी अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दी।

सुबह साढ़े 8 से पहले 80 मिमी बरसा पानी, पारा 7 डिग्री लुढ़का

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली क्षेत्र के लिए पहले ऑरेंज व बाद में भारी बारिश वाला रेड अलर्ट जारी किया था। आईएमडी के अनुसार सुबह साढ़े आठ बजे से पहले सफदरजंग वेधशाला ने करीब 80 मिमी पानी बरसना दर्ज किया। जबकि इसी दौरान सबसे ज्यादा राजघाट में 100 मिमी, बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा लोधी रोड 80.7 मिमी, रिज एरिया 74.2 मिमी, पूसा 69 मिमी, मयूर विहार 45 मिमी, पालम 31.8 मिमी, आयानगर 30.6 मिमी और नजफगढ़ 15.5 मिमी बारिश दर्ज हुई। जबकि सुबह साढ़े बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच सफदरजंग में 26 मिमी, पालम में 22.7 मिमी, लोधी रोड 22.1 मिमी, रिज एरिया 40.4 मिमी, आया नगर 27.6 मिमी, राजघाट में 20.6 मिमी, पूसा 32.6 मिमी, नजफगढ़ 22 मिमी और मयूर विहार में 49.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारी बारिश से एकाएक तापमान में भी भारी कमी दर्ज हुई है। आईएमडी के अनुसार अधिकतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 7.8 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान गिरकर 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 3.2 डिग्री कम व इस सीजन का सबसे कम न्यूनतम तापमान है। आने वाले दिनों के लिए आईएमडी ने अनुमान जताया है कि हल्की बारिश देखने को मिल सकती है।

कई जगह हुआ 2-3 फुट पानी खड़ा

भारी बारिश की वजह से कई जगह 2- 3 फुट तक पानी भर गया। इनमें पंजाबी बाग ट्रांसपोर्ट सेंटर, बुराड़ी गांव तकिया चौक, प्रधान एंकलेव बुराड़ी, विकास मार्ग, जहांगीरपुरी - राजस्थानी उद्योग नगर के बीच मेन रोड, करोल बाग, आईटीआई क्षेत्र, मंगोलपुरी, गोकुलपुरी, सुल्तानपुरी, मादीपुर व विशाल एन्क्लेव रोड, पटपडगंज, त्रिलोकपुरी, बीडी मार्ग नर्मदा अपार्टमेंट के सामने, लोधी गार्डन से लेकर जखीरा रेलवे स्टेशन अंडरपास, शास्त्री नगर, आनंद पर्वत, आईटीओ, इंडिया गेट, अजमेरी गेट, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, सीलमपुर, कृष्णा नगर, लक्ष्मी नगर, गांधी नगर, कनॉट पलेस, सुप्रीम कोर्ट का गेट नंबर चार, प्रगति मैदान टनल, पंचकुइयां मार्ग, कनॉट प्लेस, मथुरा रोड, अलीपुर, भारेगढ़ गांव, नरेला, बख्तावरपुर मेन रोड, इब्रहिमपुर, कादीपुर, कुशक, समयपुर, बादली, रोहिणी के कई क्षेत्र, रिठाला, बुधविहार, होलंबी, नजफगढ़, किराड़ी सहित अधिकांश क्षेत्रों में पानी भर गया।

जलभराव के चलते करने पड़े कई अंडरपास बंद

भारी बारिश के चलते प्रशासन ने जखीरा, ओखला, भैरो मार्ग अंडरपास और पुल प्रहलादपुर अंडरपास को यातायात के लिए बंद कर दिया। जिससे लोगों की परेशानी और अधिक बढ़ गई। एहतियात के लिए पुलिस ने अशोक विहार, शालीमार बाग, पीतमपुरा, आदर्श नगर (उत्तर पश्चिमी दिल्ली) से पटेल नगर, करोल बाग और मोती नगर (पश्चिमी दिल्ली) की ओर जाने वाले यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों से जाने की सलाह दी है।

जलभराव रोकने में नाकाम रेखा सरकार के दावों का रियलिटी चेक करने यादव खुद उतरे मैदान में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

एक बार फिर बारिश से पानी पानी हुई दिल्ली में रेखा गुप्ता सरकार द्वारा किए गए दावों की वास्तविकता देखने के लिए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव खुद मैदान में उतरे। इस बारे में यादव ने कहा कि सीएम बनते ही मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व उनके मंत्रियों ने बढ़ चढ़कर दावे किए कि इस बार बारिश में दिल्ली में जलभराव नहीं होगा। लेकिन सत्ता संभालने के करीब पांच महीने बाद भी सीएम रेखा गुप्ता दिल्ली को जलभराव से बचाने में बुरी तरह नाकाम साबित हो रही है। रक्षा बंधन के दिन बारिश से दिल्ली बेहाल हो गई। यादव ने कहा कि ऐसे में हमने सीएम रेखा के जलभराव नहीं होगा वाले दावों की सच्चाई जानने के लिए खुद सड़क पर उतरकर देखा तो पाया कि अब भी पूरी दिल्ली पानी पानी है। उन्होंने कहा कि रेखा सरकार के खोखले दावों का रियलिटी चेक ख़ुद करोल बाग में सड़कों पर उतरकर किया। लबालब जलमग्न सड़कों पर जाकर जनता की तकलीफों को खुद महसूस करके बताया कि भाजपा नेता दिल्ली में सुधार की बजाय बंटाधार करने के लिए ही सत्ता में आए है। उन्होंने कहा कि इस दौरान 1 अगस्त से 30 अगस्त 2025 तक स्वच्छता अभियान के तहत दिल्ली को बदलने का दावा करने वाली रेखा गुप्ता के एक एक झूठ की पोल दिल्ली वालों के सामने पूरी तरह खुल चुकी है। रेखा गुप्ता ने 9 जुलाई, 2025 को भारी बारिश के बाद दावा किया था कि राजधानी में अब कोई जलभराव नहीं होगा। परंतु हमने आज वास्तविकता को सबके सामने लाकर दिल्ली की बदहाल हालत को स्वयं उजागर किया कि कैसे पूरी दिल्ली जलभराव के कारण डूब गई है। सीएम के मुंह से लगातार दिल्ली सुन रहे हैं कि टूटी हुई सड़कों की मरम्मत की जा रही है, बारिश के पानी की नालियों और सीवरों की सफाई की जा रही है। लेकिन भाजपा सरकार द्वारा गाद निकालने, नालां नालियों को साफ करने, सड़क मरम्मत अभियान में खर्च करोड़ों रुपये भ्रष्टाचार की भेट चढ़ रहे है जिसके कारण शनिवार को राजधानी बारिश के बाद पूरी तरह डूब गई। यादव ने कहा कि भाजपा अध्यक्ष झुग्गियों में रक्षा बंधन का त्यौहार मनाने तो गए। लेकिन गरीबों के विस्थापन के लिए कोई घोषणा नही की। भारी बारिश के बाद झुग्गी कैंप में भाजपा अध्यक्ष ने उनकी पीड़ा और परेशानियों को अगर खुद महसूस किया तो झुग्गीवालों को नरकीय जीवन से मुक्ति दिलाने के लिए सरकार पर दवाब बनाकर उनके लिए वहीं मकान बनाने की योजना जल्द लाने के लिए काम करें।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर चेतावनी के निशान के करीब पहुंचा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में यमुना का जलस्तर पुराने रेलवे पुल पर सुबह नौ बजे 204.40 मीटर के स्तर पर पहुंच गया जो 204.50 मीटर के चेतावनी स्तर के करीब है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और सभी संबंधित एजेंसियों को बाढ़ जैसी स्थिति से निपटने के लिए एहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। केंद्रीय बाढ़ निगरानी कक्ष के एक अधिकारी ने कहा, "जलस्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बैराज से हर घंटे बड़ी मात्रा में पानी छोड़ा जाना है।" उन्होंने कहा कि जलस्तर में वृद्धि संभवतः हरियाणा और उत्तराखंड के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में बारिश के कारण हुई है। पुराना रेलवे पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरे पर नजर रखने के लिए एक महत्वपूर्ण निगरानी बिंदु के रूप में काम करता है। बाढ़ नियंत्रण विभाग के अनुसार, वजीराबाद से लगभग 30,800 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है और हथिनीकुंड बैराज से लगभग 25,000 क्यूसेक पानी हर घंटे प्राप्त हो रहा है। शहर के लिए चेतावनी का निशान 204.5 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.3 मीटर है और जलस्तर 206 मीटर पर पहुंचने के बाद निचले इलाकों से निकासी शुरू कर दी जाती है। बैराज से छोड़े गए पानी को दिल्ली पहुंचने में आमतौर पर 48 से 50 घंटे लगते हैं।

घंटो जाम में फंसी रहीं बहने, ऑटो टैक्सी वालों की चांदी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भाई की रक्षा के लिए बांधी जाने वाली राखी के बीच भारी बारिश ने मानों बंधन लगा दिया, जिससे पर्व का रंग फिका फिका सा लगा। शनिवार सुबह सुबह शुरू हुई झमाझम बारिश की वजह से दिल्ली में जगह जगह लगे लंबे जाम में बहनें घंटों फंसी रही जिससे भाइयों को घंटो इंतजार करना पड़ा। सबसे ज्यादा परेशानी का सामना दो पहिया वाहन वालों को उठानी पड़ी। जिसके चलते ऑटो टैक्सी वालों ने चांदी काटी और मनमाना किराया वसूलने की शिकायतें सामने आई। वहीं मेट्रो की एक बार फिर बल्ले बल्ले हो गई क्योंकि भारी बारिश व ऑटो टैक्सी के मनमाने किराए के चलते लोगों ने मेट्रो से यात्रा करना ज्यादा बेहतर समझा। सुबह के समय बहनें भाइयों के घर जाने की तैयारी शुरू करती उससे पहले ही करीब छह बजे एकाएक आसमान पर काले काले बादलों ने जमावड़ा जमा लिया और देखते ही देखते मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। समय बढ़ता रहा लेकिन बारिश ने कम होने का नाम ही नहीं लिया। बारिश की वजह से बाजारों में दुकानदारों के चेहरे लटक गए। बाजारों सड़कों पर पानी पानी ने दुकानदारों के कारोबार पर भी पानी फेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारी बारिश के बावजूद राखी बांधने निकली बहनों ने मजबूरी में ऑटो व टैक्सी की राह पकड़ी, लेकिन मनमाने किराए ने उनकी परेशानी और बढ़ा दी। कई महिलाओं का आरोप है कि ऑटो टैक्सी वालों ने बारिश व रक्षा बंधन पर्व होने का भरपूर फायदा उठाते हुए मीटर से चलने की बजाए मनमाना किराया वसूला। ऑटो टैक्सी वालों का भी अपना तर्क है कि भारी बारिश के चलते सड़कों पर पानी भरने से जाम लगा है। ऐसे में मिनटों के सफर में घंटो लगेगें जिसमें उनका इंधन ज्यादा जलेगा, उसकी भरपाई कौन करेगा। ऐसे में लोगों ने जहां तक संभव हो सका अपने नजदीकी मेट्रो स्टेशनों की ओर रूख किया। सुनीता नामक महिला ने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी भाई के घर मोटरसाइकिल से जाने का विचार था। लेकिन जब बारिश नहीं रूकी तो ऑटो या टैक्सी से जाने का मन बनाया। लेकिन कैब हो या ऑटो, किराया बहुत महंगा बताया। मजबूरी में जैसे तैसे मेट्रो स्टेशन पहुंचे और फिर भाई के घर के लिए निकले। बता दें कि शुक्रवार को भी दिल्ली जाम में फंसी रही जबकि रक्षा बंधन के दिन भारी बारिश से हुए जलभराव ने दिल्ली में वाहनों की गति पर ब्रेक ही लगा दिया।

सांसदों ने मुख्यमंत्री रेखा को दी रक्षाबंधन की बधाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर दिल्ली के सांसदों ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को शुभकामनाएं दीं और राजधानी के विकास के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा, सांसद मनोज तिवारी, रामवीर सिंह बिधूड़ी, प्रवीण खंडेलवाल, योगेंद्र चंदोलिया, कमलजीत सहरावत और बांसुरी स्वराज उपस्थित रहे। जन प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को शुभकामनाएं देते हुए विधानसभा में फीस विधेयक पारित करने के निर्णय की सराहना की, जिसे उन्होंने जनता हित में एक बड़ा कदम बताया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों को रक्षा बंधन की बधाई देते हुए कहा कि दिल्ली के विकास के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी मिलकर राजधानी को विश्वस्तरीय शहर बनाने के लिए प्रयास करेंगे।कार्यक्रम में सांसदों और मुख्यमंत्री के बीच विकास योजनाओं और जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा हुई, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और स्वच्छता को प्राथमिकता देने पर सहमति बनी।

समाज कल्याण मंत्री ने मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में समाज कल्याण, एससी एसटी कल्याण, सहकारिता एवं चुनाव मंत्री रविन्द्र इंद्राज ने आशा किरण शेल्टर होम में मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों के साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि दिव्यांगों की मुस्कान सरकार के लिए आशीर्वाद और सामाजिक प्रगति का संदेश कहा जा सकता है। रक्षाबंधन स्नेह और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास, देखभाल और पुनर्वास के लिए प्रतिबद्ध है तथा उनकी जीवन गुणवत्ता सुधारने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए गये हैं कि आशा किरण शेल्टर होम में रहने वाले सभी बच्चों को उच्च गुणवत्ता की स्वास्थ्य, शिक्षा, खेल और मनोरंजन की सुविधाएं दी जाएं। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे दिव्यांग बच्चों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग का भाव रखें।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सेवा बस्ती में मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने शनिवार को विनोद नगर नेहरू कैंप सेवा बस्ती में रक्षाबंधन का पर्व बहनों और बच्चों के साथ बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया। बहनों के हाथों से बांधी गई राखियों और बच्चों की मासूम मुस्कानों ने इस मौके को और भी खास बना दिया। कार्यक्रम में मयूर विहार जिला अध्यक्ष विजेंद्र धामा, जिला महामंत्री नीरज शर्मा, मंडल अध्यक्ष तरुण गोयल और आशीष गुप्ता भी मौजूद रहे। सचदेवा ने सभी दिल्लीवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग से जुड़े रहने और अपनत्व के धागे को मजबूत करने का संकल्प है।

प्रिंसिपल होशियार सिंह की 96वीं जयंती उत्साह पूर्वक मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

छोटूराम पॉलिटेक्निक घेवरा के प्रांगण में स्थित यज्ञशाला में प्रिंसिपल होशियार सिंह स्मारक शिक्षा समिति द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में शिक्षा के मसीहा प्रिंसिपल होशियार सिंह जी की 96वीं जयंती उत्साह पूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर प्रिंसिपल होशियार सिंह स्मारक शिक्षा समिति के महासचिव तथा दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय में प्रधानाचार्य के पद पर आसीन डॉ. कर्मवीर सिंह, प्रिंसिपल साहब की सुपुत्री सुभद्रा एवं सविता, रवि ठाकरान, सतीश डबास सहित कई गणमान्य व्यक्तियों उपस्थित रहे। इस अवसर पर कन्या गुरुकुल नरेला से आए आचार्य रामपाल, कन्या गुरुकुल नरेला के मंत्री सोमबीर आर्य तथा ब्रह्मचारिणी छात्राओं द्वारा यज्ञ का आयोजन किया। यज्ञ के पश्चात समिति द्वारा कन्या गुरुकुल नरेला की उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली दो छात्राओं को 'प्रिंसिपल होशियार सिंह छात्रवृत्ति' प्रदान की गई।

प्रिंसिपल होशियार सिंह कंझावला और घेवरा गांव के बीच छोटूराम पॉलिटेक्निक की स्थापना की और साथ ही पॉलिटेक्निक की नर्सरी के तौर पर दीनबंधु पब्लिक स्कूल घेवरा की स्थापना की। प्रिंसिपल साहब अपने जीवन काल में गुरुकुल कुरुक्षेत्र, गुरुकुल झज्जर, गुरुकुल कालवा, गुरुकुल, गुरुकुल टटेसर और कन्या गुरुकुल नरेला की कार्यकारिणी के विभिन्न पदों पर आसीन रहे।

दिल्ली विधानसभा का तीसरा सत्र 19 घंटे 40 मिनट की सार्थक विधायी चर्चाओं के साथ सम्पन्न

शिक्षा शुल्क विनियमन विधेयक और दो जीएसटी संशोधन विधेयक पारित, फांसी घर पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा का तीसरा सत्र शुक्रवार देर रात संपन्न हो गया। सत्र को लेकर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने बताया कि तीसरा सत्र 19 घंटे 40 मिनट की सार्थक विधायी चर्चाओं के साथ सम्पन्न हुआ है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा के मॉनसून सत्र में ऐतिहासिक शिक्षा शुल्क विनियमन विधेयक और दो जीएसटी संशोधन विधेयक पारित हुए है। अध्यक्ष ने दावा किया कि दिल्ली विधानसभा ने पारदर्शिता, जवाबदेही और ऐतिहासिक सच्चाई को कायम रखा है। अध्यक्ष ने पूर्व की आम आदमी पार्टी की सरकार की कार्यशैली पर उंगली उठाते हुए कहा कि बिना ऐतिहासिक साक्ष्य 1 करोड़ 4 लाख 49 हजार 279 रुपए खर्च हुए, जिससे विधानसभा की धरोहर इमारत को क्षति पहुँची व जनता को गुमराह किया गया। सदन में अस्पताल पुनर्निर्माण और जल संकट जैसे तात्कालिक जन मुद्दों पर भी गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का सदन ने संदेश दिया है। अध्यक्ष गुप्ता ने विवरण देते हुए कहा कि आठवीं विधानसभा का तीसरा सत्र 4 अगस्त 2025 से प्रारंभ होकर 8 अगस्त 2025 को पांच बैठक के बाद अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया गया। इस दौरान कुल 19 घंटे 40 मिनट की अवधि में विधायी, वित्तीय और जनकल्याण से जुड़े विषयों पर व्यापक एवं सार्थक चर्चाएं हुईं। इस सत्र के लिए 28 जुलाई 2025 को सदस्यों को समन जारी किया गया था और बैठक 4, 5, 6, 7 और 8 अगस्त को आयोजित हुईं। नियम 280 के अंतर्गत कुल 171 विशेष उल्लेख सूचनाएँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 62 विषय सदन में उठाए गए। ये विषय दिल्ली के नागरिक, प्रशासनिक और नीतिगत मामलों से संबंधित थे जिन्हें संबंधित विभागों को भेजकर 30 दिनों के भीतर उत्तर देने के निर्देश दिए गए हैं। अध्यक्ष गुप्ता ने बताया कि इस सत्र में तीन महत्त्वपूर्ण विधेयक पारित किए गए। जिनमें दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण एवं विनियमन में पारदर्शिता) विधेयक, 2025 को शिक्षा मंत्री आशीष सूद द्वारा प्रस्तुत किया गया जिस पर दो दिन तक चर्चा हुई और 24 सदस्यों ने इसमें भाग लिया। उन्होंने बताया कि जबकि दूसरा दिल्ली माल एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 और तीसरा विधेयक दिल्ली माल एवं सेवा कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2025 पारित हुआ। यह दोनों विधेयक मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री रेखा गुप्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए, जबकि सभी विधेयक ध्वनिमत से पारित हुए। अध्यक्ष ने बताया कि सत्र में नियम 114 के तहत सदन ने अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन मिशन के लिए और 28 जुलाई 2025 को 'निसार' उपग्रह के प्रक्षेपण के लिए बधाई प्रस्ताव पारित किया। साथ ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, सशस्त्र बलों, सुरक्षा एवं खुफिया एजेंसियों को ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव की सफलता पर बधाई दी गई। इन विषयों पर कुल 20 सदस्यों ने चर्चा की।

बिना चेयरमैन के काम कर रहा है डीईआरसी कई अन्य शीर्ष पदों को भी नियुक्ति का इंतजार

एजेंसी . नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) बिना चेयरमैन के काम कर रहा है और अन्य महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। वहीं, बिजली वितरण कंपनियां उच्चतम न्यायालय के आदेश के आधार पर लगभग 27,000 करोड़ रुपये पुराने बकाया वसूलने की तैयारी में हैं। न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) उमेश कुमार इसी वर्ष मार्च में आयोग का चेयरमैन नियुक्त किया गया था जो पिछले महीने सेवानिवृत्त हो गए। डीईआरसी में चेयरमैन और दो सदस्यों की नियुक्ति करने वाली दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया उपलब्ध नहीं हो सकी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उप सचिव, संयुक्त और उप निदेशक (शुल्क प्रभाग), कार्यकारी निदेशक (इंजीनियरिंग) और कार्यकारी निदेशक (विधि प्रभाग) सहित कई अन्य महत्वपूर्ण पद कई महीनों से रिक्त हैं। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि सदस्यों के बीच मतभेद हैं, जिससे आयोग का कामकाज प्रभावित हुआ है। इस बारे में डीईआरसी की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई।

खबर संक्षेप

गुरुग्राम में 4 जगहों से धंसी बसई सड़क

गुरुग्राम। बसई रोड 500 मीटर में चार जगहों पर धंस गई है। इससे वाहनों को दूसरी लेन में डायवर्ट कर दिया गया है। जलभराव ने लोगों की परेशानियांऔर बढ़ा दी है। नगर निगम की पुरानी सीवर लाइन के कारण बसई रोड कई बार धंस चुकी है। एक सप्ताह में चार जगहों मनोहर नगर, फिरोज गांधी कॉलोनी, बसई चौक से पटौदी चौक की ओर दो दिन में जो जगह पर धंस गई। सड़क टूटी होने व पानी भरा होने के कारण वाहन चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

दुपहिया वाहनों के पीछे बैठी बहनों को पुलिस ने हेलमेट पहनाएं

गाजियाबाद। यातायात पुलिस ने रक्षाबंधन के अवसर पर बिना हेलमेट पहले घर से निकलीं बहनों को हेलमेट पहनाकर उनकी सुरक्षा का भरोसा दिया। इस दौरान बहनों ने भी एडीसीपी यातायात समेत अन्य अधिकारियों को रक्षासूत्र बांधकर उनको आगे से बिना हेलमेट घर से न निकलने का भरोसा दिया। इस दौरान जिले भर में 600 बहनों को हेलमेट दिए गए।

इन्वेस्टमेंट के नाम पर 4,20,000 की ठगी मास्टरमाइंड गिरफ्तार

फरीदाबाद। फर्जी वेबसाइट बनाकर इन्वेस्टमेंट के नाम पर 4,20,000 रुपये की ठगी करने के आरोपी मास्टरमाईंड को साइबर थाना बल्लभगढ़ पुलिस ने गिरफ्तार किया है। साइबर थाना बल्लभगढ़ में सेक्टर-75 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी जिसमें आरोप लगाया कि 7 अक्टूबर 2024 को उसके पास कॉल आया जिसने खुद को ब्रोकर बताया और कहा कि शेयर मार्केट में पैसे निवेश करवाता था। शिकायतकर्ता ने ठग के कहेनुसार एंजिल वन एप पर पैसे निवेश कर दिये, जिसमें उसका नुकसान हो गया। फिर ठग ने उसको नुकसान को जल्दी कवर करने के लिए में निवेश करने के लिए कहा गया।

वेल्डिंग के दौरान करंट लगने से युवक की मौत

गुरुग्राम। सेक्टर 40 थाना एरिया में दुकान में वेल्डिंग करने के दौरान करंट लगने से युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। 26 वर्षीय सोहेल खान वेल्डिंग का काम करता था। वह सेक्टर 44 स्थित एक नई दुकान में वेल्डिंग के काम के लिए आया था। काम करने के दौरान शाम को अचानक उसको करंट लग गया।

चोरी करने के मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार

गुरुग्राम। सेक्टर-40 थाना क्षेत्र में मकान का ताला तोड़कर सामान चोरी करने के मामले में सेक्टर-40 क्राइम ब्रांच ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए आरोपियों की पहचान बिहार के जिला दरभंगा निवासी पंकज शाहू, सेक्टर-44 निवासी सागर और उत्तर प्रदेश के जिला रामपुर के रवानी गांव निवासी लियास खान उर्फ इलियास के रूप में हुई है। पीड़ित ने पुलिस को बताया था कि उनके घर का ताला तोड़कर घर में रखे बिजली के तार के साथ ही अन्य सामान चोरी हो गया है।

डॉ. शर्मा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन परिषद के सदस्य बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद भारत के चेयरमैन राहुल द्विवेदी के निर्देश पर राज्य विधान मंडल पेंशनर्स संस्थान के अध्यक्ष डॉ. चंद्र प्रकाश शर्मा को आगामी 3 वर्ष के लिए राज्य सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। शर्मा यूपी विधानसभा के विशेष सचिव रहे हैं तथा वर्तमान में विधानमंडल पेंशनर्स संस्थान के अध्यक्ष हैं। इनको विधायकों के आचरण पर शोध के लिए कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2000 में पी एचडी प्रदान की गई थी। शर्मा कुशल प्रशासनिक अधिकारी के साथ-साथ एक समाजसेवी एवं धार्मिक व्यक्ति हैं। इन्होंने देश के समस्त धार्मिक तीर्थों की यात्राएं भी की हैं।

स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर 4,50,000 की धोखाधड़ी

फरीदाबाद। स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के नाम पर 4,50,000 रूपये की धोखाधड़ी करने में खाता उपलब्ध करवाने वाले आरोपी खाताधारक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एक व्यक्ति ने साइबर थाना बल्लभगढ़ में दी शिकायत में आरोप लगाया की उसके पास 19 अप्रैल 2024 को व्हाट्सएप एक मैसेज आया जिसमे स्टॉक मार्केट में ट्रेडिंग के लिए बताया गया था। 24 अप्रैल को उसके व्हाट्सएप पर ट्रेडिंग सिखने के लिए, एक लाइव क्लास का लिंक आया था।

सेंट कोलंबस स्कूल की छात्राओं ने फरीदाबाद पुलिस अधिकारियों के साथ मनाया रक्षाबंधन का त्योहार

राजेश दुग्गल को कक्षा आठवीं की छात्रा प्रज्ञा सिंह ने तिलक व आरती कर हस्तनिर्मित रक्षासूत्र बांधने के उपरांत मुंह मीठा करवाया व हिंदी कविता सुनाई। राजेश दुग्गल ने छात्रा की प्रतिभा की खुले हृदय से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी में यदि ऐसे संस्कार और संवेदनशीलता बनी रहे, तो हमारा समाज और राष्ट्र एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

सेंट कोलंबस स्कूल की छात्राओं ने 8 अगस्त 2025 को जॉइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस राजेश दुग्गल को राखी बांधकर रक्षा बंधन का त्योहार मनाया। मौके पर विद्यालय की निदेशिका संगीता भाटी व प्राधिकरण के सदस्य की अगुवाई में छात्राओं ने कमिश्नर ऑफिस परिसर में रक्षाबंधन का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया।

राजेश दुग्गल को कक्षा आठवीं की छात्रा प्रज्ञा सिंह ने तिलक व आरती कर हस्तनिर्मित रक्षासूत्र बांधने के उपरांत मुंह मीठा करवाया व हिंदी कविता सुनाई। राजेश दुग्गल ने छात्रा की प्रतिभा की खुले हृदय से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी में यदि ऐसे संस्कार और संवेदनशीलता बनी रहे, तो हमारा समाज और राष्ट्र एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने छात्रा को आशीर्वाद देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर पुलिस विभाग की ओर से रक्षा का वचन देते हुए भेंटस्वरूप छात्रा को उपहार प्रदान किए। उन्होंने हस्त-निर्मित राखी की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

बस स्टैंड में घुसा पानी, राखी बांधने जा रही बहनों को हुई परेशानी

सावन के आखिरी दिन जमकर बारिश, सड़कों पर हुआ जलभराव

यमुना नदी में भी जलस्तर बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शहर के निचले इलाकों में जवाहर कालोनी, पर्वतीय कालोनी, डबुआ कालोनी, एसजीएम नगर सहित अन्य इलाकों में पानी भर गया।देर रात से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। जिस कारण ओल्ड फरीदाबाद रेलवे अंडरपास में पानी भर गया है। ट्रैफिक पुलिस ने इसे बंद कर दिया है। अंडरपास के गेट बंद करने के साथ पुलिस के जवानों की भी तैनाती की गई।

सावन के आखिरी दिन फरीदाबाद में लगातार बारिश हुई। यह बारिश देर रात लगभग 11 बजे से शुरू हुई आज दोपहर करीब 1 बजे तक चलती रही। लगातार हुई बारिश के चलते पूरा शहर पानी में डूब गया। शहर की कालोनियां हो या फिर नेशनल हाईवे पूरी तरह पानी से भर गया। रक्षा बंधन होने के कारण बस स्टैंड और दूसरी जगहों पर भारी भीड़ दिखाई दी। इस दौरान लोग अपने गंतव्य तक पहुंचने के पानी के बीच से गुजरते नजर आए। शहर के निचले इलाकों में जवाहर कालोनी, पर्वतीय कालोनी, डबुआ कालोनी, एसजीएम नगर सहित अन्य इलाकों में पानी भर गया देर रात से ही रुक-रुक कर बारिश हो रही है। जिस कारण ओल्ड फरीदाबाद रेलवे अंडरपास में पानी भर गया है। इस कारण ट्रैफिक पुलिस ने इसे बंद कर दिया है। अंडरपास के गेट बंद करने के साथ पुलिस के जवानों की भी तैनाती वहां पर की गई है। बारिश के चलते जन-जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। आज रक्षाबंधन का त्योहार होने के कारण बारिश में लोगों को आना-जाना पड़ रहा है। लोगों को भी पानी के बीच से निकलने में परेशानियां उठानी पड़ रही है। ऐसे में नेशनल हाईवे नंबर 19 से ओल्ड फरीदाबाद के जाने वाले रेलवे अंडरपास को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

वाहनों को अंडरपास से गुजरने की इजाजत नहीं दी गई

अंडरपास में कई फुट तक पानी भर चुका है। जिसे लेकर यहां से वाहनों के आवागमन को बंद कर दिया गया है। किसी भी वाहन को यहां से गुजरने की इजाजत नहीं दी जा रही है। काफी सारे वाहन चालकों को यहीं आकर पता चल रहा है कि अंडरपास बंद कर दिया गया है। जिसके बाद चाहे गाड़ी हो या बाइक सभी को रोक दिया गया है। अंडरपास के दोनों तरफ गेट को बंद कर दिया गया है। रेलवे अंडरपास पर पुलिस के जवानों की भी तैनाती की गई है। पुलिस के जवान गाड़ी लेकर अंडरपास पर ड्यूटी दे रहे है। अंडरपास में लगा पानी निकासी का सिस्टम पूरी तरह से फेल हो चुका है। जिस कारण अंडरपास में पानी लगातार जमा हो रहा है।

सड़कों पर 2-2 फीट तक पानी

सेक्टर-8 की बाहरी सड़क पर 2-2 फीट तक पानी भरने की समस्या एक बार फिर सामने आई है। यह सडक बाईपास रोड को सीही गांव, सेक्टर-7, सेक्टर-6 होते हुए संत सूरदास मेट्रो स्टेशन से जोड़ती है। शनिवार सुबह से हो रही बारिश के बाद सडक पर और आसपास के घरों में पानी भर गया।

पुलिस रिमांड लेकर की जा रही पूछताछ

अपहरण व हत्या के प्रयास के मुख्य आरोपी सहित तीन गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अपहरण व हत्या के प्रयास के मामले में थाना सेक्टर-31 की टीम ने मुख्य आरोपी सहित तीन को गिरफ्तार किया है।

पुष्पेन्द्र चौरसिया वासी बिलोरा जिला संत कबीर नगर उप्र ने थाना सेक्टर-31 में दी शिकायत में आरोप लगाया कि 4-5 अगस्त की रात को वह उसके दोस्त नीरज व अन्य के साथ ऑर्डर ले जाने के लिये बैठे थे तभी वहां एक गाडी आकर रूकी जिसमें से चार लडके उतरे और उनके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। जिसके बाद एक स्कूटी पर दो लडके और आए और नीरज पर किसी नुकीली चीज से हमला कर दिया और आरोपी गण नीरज का अपहरण कर ले गए।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सेक्टर 31 की टीम ने कार्रवाई करते हुए प्रियांशु, मोहित व पुनीत निवासी ताजपुर पहाडी बदरपुर दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में सामने आया कि प्रियांशु व नीरज दोनों एक साथ ही काम करते है। इनकी किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गई थी। जिसकी रंजिश रखते हुए आरोपी प्रियांशु 4-5 अगस्त की रात को अपने साथियों के साथ पर आये और मारपीट की। जिसके बाद आरोपी नीरज को गाडी में उठा कर ले गये और उसके साथ मारपीट की और फिर उसे रास्ते में फेंक कर चले गये। आरोपियों को माननीय न्यायलय में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। एक आरोपी को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है।

मुठभेड़ के बाद हत्या के प्रयास के आरोपी को दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हत्या के प्रयास के आरोपी व क्राइम ब्रांच की बीती रात मुठभेड़ हो गई। इस घटना में आरोपी भारत उर्फ भालू के पैर में गोली लगने के बाद उसे काबू कर लिया गया। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया जहां वह अब ठीक है।

थाना तिगांव क्षेत्र के अंतर्गत हत्या के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी भारत उर्फ भालू निवासी कचेडा गौतमबुध नगर उत्तर प्रदेश हाल फ्रेंड्स कालोनी बल्लभगढ़ को बीती रात को अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने मुठभेड़ के बाद आईएमटी क्षेत्र फरीदाबाद से काबू किया है।

एसीपी क्राईम-2 वरुण कुमार दहिया ने प्रैस वार्ता के दौरान जानकारी देते हुए बताया कि 8 अगस्त को अपराध शाखा सेंट्रल की टीम गस्त पर थी जिनको गुप्त सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि भारत उर्फ भोलू अपराधिक किस्म का व्यक्ति हैं जिसने कुछ दिनों पहले भी अपने साथियों के साथ मिलकर सुमेर नागर निवासी तिगांव पर जानलेवा हमला किया था और गोलियां चलाई थी, वह मोटर साइकिल पर सवार होकर गांव सोतई आगरा नहर पुल से आईएमटी से होता हुआ मच्छगर गांव की तरफ जाएगा। भारत उर्फ भोलू के ऊपर पहले भी आपराधिक मामले दर्ज है आरोपी भारत मोटरसाइकिल पर सोतई पुल की तरफ से आया जो पुलिस पार्टी को देखकर मोटरसाइकिल से भागने लगा जिसको रोकने का प्रयास किया तो मोटर साईकल अनियंत्रण होकर गिर और आरोपी ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग की। जिस पर एसआई राज सिंह ने चेतावनी दी, जिस पर आरोपी ने पुलिस कर्मचारी की तरफ सीधी गोली चलाई जो बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी। जिस पर पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी को दाहिने पैर में गोली लगी।

दो महीने पहले नारनौल से चोरी हो गई थी

बिना नंबर प्लेट के चोरी की बाइक बरामद कर उसके मालिक को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

ट्रैफिक पुलिस की तरफ से स्वतंत्रता दिवस को लेकर की जा रही वाहनों की चेकिंग के दौरान एक चोरी की मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़ी हुई मिली। ट्रैफिक पुलिस को एसएस प्लाजा की रेड लाइट के पास मोटरसाइकिल मिली थी। ट्रैफिक इंस्पेक्टर मनोज कुमार अपनी टीम के साथ मिलकर वाहनों की जांच कर रहे थे। उसी दौरान सड़क किनारे एक बुलेट मोटरसाइकिल खड़ी हुई थी। उस मोटरसाइकिल की पिछली नंबर प्लेट में पर कोई भी नंबर अंकित नहीं था। मोटरसाइकिल की आगे लगी नंबर प्लेट की जांच की तो वह नंबर गलत पाया गया। इस पर उन्होंने मोटरसाइकिल की चेचिस के आधार पर जांच की तो उसके असली मालिक के बारे में पता चला।

इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने उनसे संपर्क करके पूछताछ की तो पता चला कि दो महीने पहले उनकी मोटरसाइकिल दो महीने पहले नारनौल से चोरी हो गई थी। यातायात निरीक्षक ने मोटरसाइकिल को खेड़की दौला थाने को मोटरसाइकिल सौंप दी।

टास्क देकर ठगी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

इसी तरह निवेश के नाम पर ठगी करने के लिए बैंक खाता उपलब्ध कराने के तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार हुए आरोपियों की पहचान जयपुर के अमित कुमार,सूरज और अनुराग के रूप में हुई है। आरोपी अमित कुमार और सूरज कारीगरी का काम करते थे और आरोपी अनुराग सीएससी सेंटर में काम करता था। पीड़ित की शिकायत पर 13 मई को साइबर अपराध मानेसर थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

साइबर अपराध मानेसर निरीक्षक मनोज कुमार की टीम ने आरोपियों को जयपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में पता चला कि पीड़ित से ठगी गई राशि में से 50 हजार आरोपी अमित के खाते में आए थे। आरोपी ने यह बैंक खाता आरोपी सूरज को दो हजार में बेचा था। सूरज ने यह बैंक खाता आरोपी अनुराग को सात हजार रुपये में बेच दिया था। अनुराग ने यह बैंक खाता अन्य व्यक्ति को 10 हजार में बेच दिया था।

खाता ऑपरेटर गिरफ्तार

फाइल भेजकर पानी का बिल भरवाने के नाम पर 3,49,878 की धोखाधड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

एपीके फाइल भेजकर पानी का बिल भरवाने के नाम पर लाखों रूपये की धोखाधड़ी में खाता उपलब्ध करवाने वाले खाता ऑपरेटर को साईबर थाना सैन्ट्रल की टीम ने गिरफ्तार किया है।

सेक्टर-17 निवासी एक व्यक्ति ने दी शिकायत में आरोप लगाया कि उसके पास एक मैसेज आया जिसमें पिछले छह महिने के पानी के बिल ना भरने के कारण पानी का कनेक्शन काटने बार नोटिस था और इसके साथ ही डीयूएलबी अधिकारी से बात करने के लिए नम्बर भी दिया हुआ था। जब उसने उस नम्बर पर कॉल किया तो उसे कोई जवाब नहीं मिला परंतु कुछ देर बाद उसके पास एक व्हाट्सएप कॉल आया जिसके बाद उसके पास भुगतान करके पानी के बिल को अपडेट करने के लिए एक लिंक भेजा है। जिस लिंक पर उसने अपनी और क्रेडिट कार्ड की सारी जानकारी भर दी और उसके कुछ समय बाद उसके क्रेडिट कार्ड से 3,49,878 रुपए कट गए। जिस शिकायत पर साइबर थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना सैंट्रल की टीम ने कार्रवाई करते हुए लालू कुमार निवासी गांव बेंदमुका, देवघर झारखंड को गिरफ्तार किया है।

आरोपी खातों के ऑपरेट करता था तथा ठगी के पैसो का लेखा जोखा रखता था। पूर्व में गुलटन, पंकज व दीपक खाताधारक को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपी को माननीय अदालत में पेश कर 5 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

साउथ कोरिया की महिला ने लगाया प्रताड़ित करने का आरोप

बिजली-पानी का कनेक्शन काटने व पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गुरुग्राम

यहां गोल्फ कोर्स रोड स्थित ग्लोबल फोयर मॉल में रेस्तरां चलाने वाली दक्षिण कोरिया की रहने वाली महिला ने गोल्फ कोर्स रोड स्थित ग्लोबल फोयर मॉल के प्रबंधन पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि किराए और रखरखाव राशि का भुगतान समय पर करने के बावजूद उसके रेस्तरां का पानी-बिजली कनेक्शन गैरकानूनी रूप से काट दिया गया। यही नहीं महिला का आरोप है कि 24 घंटे से उसे प्रताड़ित किया। इस बारे में उसने सुशांत लोक थाना को भी शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस का कहना है कि मॉल की बिल्डिंग को हुए नुकसान की एवज में मॉल प्रबंधन ने महिला को 9 लाख रुपए का डिमांड नोटिस दिया था। परंतु महिला द्वारा 9 लाख रुपए जमा नहीं करवाए गए थे। मामला सिविल होने के बाद भी गुरुग्राम पुलिस द्वारा दोनों पक्षों की एक मीटिंग करवाई गई थी। दोनों पक्षों के बीच अगली मीटिंग सोमवार को होगी।

मिसो नाम से चला रही थी रेस्तरां

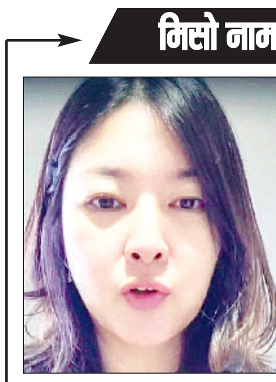

हाई यंग ली के अनुसार भारतीय कानून, लाइसेंस और कर दायित्व का पालन करते हुए ग्लोबल फोयर मॉल में मिसो नाम से रेस्तरां चला रही थी। पिछले तीन साल से उन्हें मॉल प्रबंधन की तरफ से लगातार परेशान किया जा रहा है। रेस्तरां को खाली करने के लिए उसके ऊपर बिजली-पानी कनेक्शन काटकर गैरकानूनी रूप से दबाव बनाया जा रहा है। आरोप लगाया कि इस सिलसिले में पुलिस में शिकायत दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई है। मॉल प्रबंधन के उत्पीड़न के कारण उसे मानसिक और आर्थिक परेशानी हो रही है। जबकि उसके पास नौ साल के लिए रेस्तरां चलाने का समझौता पत्र है।

कोरिया दूतावास ने पुलिस को लिखा पत्र

दक्षिण कोरिया निवासी ह्ययंग ली ने शिकायत पर पुलिस कार्रवाई नहीं होने पर मामले से कोरिया दूतावास को सूचित किया था। शुक्रवार को कोरिया दूतावास से किम हयोन सू ने पुलिस आयुक्त और थाना सुशांत लोक के प्रभारी को पत्र लिखा है। इसमें कहा है कि भारत और कोरिया के बीच आपसी सहयोग और मैत्रीपूर्ण संबंधों की लंबी परंपरा है। ऐसे में उन्हें विश्वास है कि इस मामले की सर्वोच्च प्राथमिकता से जांच होगी।

9 लाख जमा न करने का मामला

मामले में पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार का कहना है कि कोरियन महिला द्वारा 7 अगस्त को एक शिकायत थाना सुशांत लोक में मॉल प्रबंधन के खिलाफ परेशान करने बारे में दी गई थी। जिसके बाद 8 अगस्त को दोनों पक्षों की थाना में मीटिंग की गई थी । जिसमें सामने आया था कि महिला करीब 14 वर्ष से उपरोक्त मॉल में एक रेस्टोरेंट चलाती है। इस रेस्टोरेंट से निकले पानी के कारण मॉल की बिल्डिंग को हुए नुकसान की एवज में मॉल प्रबंधन ने महिला को 9 लाख रुपए का डिमांड नोटिस दिया था। परंतु महिला द्वारा 9 लाख रुपए जमा नहीं करवाए जिससे मॉल प्रबंधन तथा महिला के बीच बिजली पानी को लेकर विवाद हो गया था।

सतत विकास में रचा इतिहास

अमृता विवि ने मनाया पीएचडी स्कॉलर्स के पहले बैच का समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अमृता विश्वविद्यापीठम ने अपने ऐतिहासिक और पूर्ण वित्त पोषित ई फॉर लाइफ पीएचडी प्रोग्राम के पहले स्नातक बैच का जश्न मनाया। सतत विकास को केंद्र में रखकर शुरू किए गए इस अनूठे कार्यक्रम से 9 देशों के 23 शोधार्थियों ने पीएचडी पूरी की, जिनमें से कई आर्थिक रूप से वंचित पृष्ठभूमि से आते हैं।

यह कार्यक्रम 2020 में स्कूल फॉर सस्टेनेबल फ्यूचर्स के तहत कुलाधिपति श्री माता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा) के मार्गदर्शन में शुरू हुआ था। हर साल 45 करोड़ रुपए की वार्षिक निधि से यह 100 शोधार्थियों को ट्यूशन, आवास, जीवन-यापन और शोध के लिए पूर्ण आर्थिक सहायता देता है।

ग्रामीण भारत में रहकर बदले विकास के मायने

ई फॉर लाईफ की सबसे बड़ी खासियत है लिव-इन-लैब्स. मॉडल, जिसमें शोधार्थी एक साल तक भारत के गांवों में रहकर स्थानीय लोगों के साथ काम करते हैं। यह अनुभव केवल शोध नहीं, बल्कि रिश्ते, भरोसा और मानवीय जुड़ाव बनाने की प्रक्रिया है। इन शोधार्थियों ने जलवायु परिवर्तन, जनजातीय कल्याण, सार्वजनिक स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, लैंगिक समानता और सतत कृषि जैसे क्षेत्रों में काम किया। कर्नाटक के बाइसे गांव में जाम्बिया के एक शोधार्थी ने कटहल और सी-बकथॉर्न से टिकाऊ मछली चारा बनाकर स्थानीय आजीविका को बढ़ावा दिया। यूपी में महिलाओं और बच्चों में एनीमिया घटाने के लिए स्वच्छता और पोषण संबंधी नवाचार किए गए। केरल के अलप्पाड में मछुआरों, खासकर महिलाओं, को ब्लॉकचेन और ब्लू इकोनॉमी रणनीतियों से सशक्त किया गया। ईरान के मोजतबा इनायाती ने कहा कि भारत के गांवों में रहकर मैंने जाना कि करुणा.आधारित ज्ञान जीवन बदल सकता है, मेरा भी। शोध केवल समाधान खोजने का नाम नहीं, बल्कि रिश्ते और विश्वास बनाने की प्रक्रिया है। अफ्रीका के हबान्याती एस्टोन जिजी ने कहा कि मैं अपने देश लौटकर किसानों, महिलाओं और युवाओं के साथ यही मॉडल अपनाना चाहता हूं, जो करुणा में निहित है और लंबे समय तक टिकेगा। इस बैच में भारत, ज़ाम्बिया, नाइजीरिया, जिम्बाब्वे, युगांडा, घाना, ईरान, तंजानिया और यूनाइटेड किंगडम के शोधार्थी शामिल हैं। उनका कार्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप है, जिसमें आधुनिक तकनीक, पारंपरिक ज्ञान और मानवीय दृष्टिकोण का संगम है।

ब्रजेश पाठक से लेकर रविकिशन तक यूपी के नेताओं ने मनाया रक्षाबंधन

रक्षाबंधन का पर्व पूरे देश में धूमधाम से मनाया जा रहा है. बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर प्रेम और सुरक्षा का वचन लिया, वहीं भाइयों ने उपहार देकर बहनों के प्रति अपना स्नेह व्यक्त किया. इस त्योहार के मौके पर पूर्व राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधी. गोरखपुर में सांसद रवि किशन ने मोहरीपुर में राखी मिलन कार्यक्रम में शामिल होकर बहनों से आशीर्वाद लिया. सैफई में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को राखी बांधते हुए तस्वीरें सामने आईं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव को राखी बांधी

संभल में शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने अपने आवास पर मदरसे के मौलाना मोहम्मद फिरोज खां की कलाई पर राखी बांधी

74 की उम्र में भी बहनों के बीच लाड़ले भैया बने सीएम नीतीश कुमार

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने सरकारी आवास पर परिवार के साथ रक्षाबंधन मनाया। रक्षाबंधन के मौके पर सीएम नीतीश की बहनें और उनके बेटे निशांत कुमार की बहने उन्हें राखी बांधने पहुंची थीं।

पटना। भाई-बहन का त्योहार रक्षाबंधन देश भर में सेलिब्रेट किया जा रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके बेटे निशांत कुमार ने भी रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। बिहार के सीएम आवास में सीएम नीतीश कुमार की बहनें और उनके बेटे निशांत कुमार की बहने शनिवार सुबह-सुबह ही पहुंचे और रक्षाबंधन का त्योहार पूरे परिवार के साथ खुशनुमा माहौल में मनाया।

खबर संक्षेप

जेल से बाहर आने से बाद नीतीश से की मुलाकात

पटना। मोकामा के पूर्व विधायक अनंत सिंह ने शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से

मुलाकात की। सीएम हाउस में करीब 15 मिनट तक बैठक चली। बाहर निकलने के दौरान अनंत सिंह ने मीडिया से कोई बात नहीं की। और सीधे घर की तरफ निकल गए। बेऊर जेल से बाहर आने के बाद अनंत सिंह की सीएम से पहली मुलाकात है। चर्चा है कि मोकामा से जेडीयू उम्मीदवार के तौर पर अनंत सिंह ने अपनी दावेदारी पेश की है।

10वीं और 12वीं में फेल छात्रों के लिए एक मौका

रांची। झारखंड के 10वीं और 12वीं में फेल छात्रों के लिए अच्छी खबर है। झारखंड एकेडमिक काउंसिल ने

दोनों परीक्षाओं का शेड्यूल जारी कर दिया है। मैट्रिक सप्लीमेंट्री परीक्षा 23 अगस्त से 29 अगस्त तक और इंटरमीडिएट सप्लीमेंट्री परीक्षा 23 अगस्त से 1 सितंबर तक होगी। दोनों ही परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जाएंगी। प्रैक्टिकल परीक्षाएं 2 सितंबर से 8 सितंबर तक स्कूलों में आयोजित होंगी।

विस्थापित परिवार के लोग अपना दर्द बयां करेंगे

उत्तर प्रदेश में 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' का आयोजन

योगी सरकार 14 अगस्त को 75 जनपदों में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' का आयोजन करेगी। संस्कृति विभाग को निर्देश दिया है कि इसमें सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा, उत्तर प्रदेश सिंधी एकेडमी, सनातनी पंजाबी महासभा समेत सामाजिक व गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए।

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

स्वतंत्र दिवस के एक दिन पहले योगी सरकार यूपी के सभी जिलों में एक आयोजन करने जा रही है। हालांकि 2021 के बाद से ही ये आयोजन हर साल आयोजित किया जाता है। योगी सरकार 14 अगस्त को प्रदेश के सभी 75 जनपदों में 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' का आयोजन करेगी। इसके जरिए उत्तर प्रदेश के युवा एक तरफ जहां विभाजन की त्रासदी को जानेंगे, वहीं विस्थापित परिवार के लोग भी अपना दर्द बयां करेंगे।

इन कार्यक्रमों में विभाजन विभीषिका के दौरान विस्थापित परिवारों के सदस्यों को आमंत्रित करने के साथ ही त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। सरकार ने संस्कृति विभाग को निर्देश दिया है कि इसमें सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया, उत्तर प्रदेश सिंधी सभा, उत्तर प्रदेश सिंधी एकेडमी, सनातनी पंजाबी महासभा समेत अनेक सामाजिक व गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए।

खास बातें

- युवा विभाजन की त्रासदी को जान पाएंगे
- त्रासदी के दौरान प्राण गंवाने वालों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

अभिलेख प्रदर्शनी, फिल्में-डॉक्यूमेंट्री आदि भी दिखाई जाएंगी

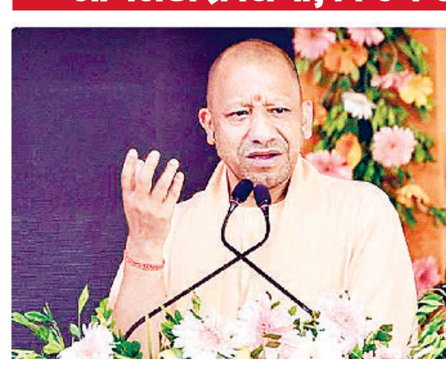

जनपदों में प्रशासन द्वारा चयनित स्थलों पर विभाजन विभीषिका से संबंधित अभिलेख प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसमें तत्कालीन घटना के फोटो, अखबारों की कतरनें, साहित्य, राजकीय अभिलेख, विस्थापित परिवारों की संरक्षित सामग्री के जरिए युवा उस समय की घटनाओं से वाकिफ होंगे। प्रदर्शनी में स्थानीय प्रकाशक व पुस्तक विक्रेता भी हिस्सा लेंगे। भारत-पाकिस्तान विभाजन विभीषिका से जुड़ीं फिल्में/डॉक्यूमेंट्री प्रदर्शनी स्थलों के साथ ही विद्यालयों, महाविद्यालयों व विश्वविद्यालयों में भी दिखाई जाएंगी।

2021 से हुई थी विभाजन विभीषिका दिवस मनाने की शुरुआत

14 अगस्त 2021 को केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस को लेकर भारत सरकार ने एक गजट जारी किया था। जिसमें कहा गया था कि भारत सरकार, भारत की वर्तमान और भावी पीढ़ियों को विभाजन के दौरान लोगों को परेशानियों सहनी पड़ी थीं, उनके बारे में पता चले। उस दौरान सही गई यातना और वेदना की याद दिलाते हुए 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस हर साल मनाया जाएगा।

आरजेडी ने पूछा- कैसे बने 2 ईपिक

तेजस्वी यादव ने दो वोटर आईडी मामले में चुनाव आयोग को सौंपा जवाब

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दो वोटर आईडी मामले में चुनाव आयोग को लिखित जवाब सौंप दिया है। इसकी जानकारी राजद नेता और राज्यसभा सांसद मनोज झा ने दी। एएनआई से बातचीत के दौरान उन्होने कहा कि अब फैसला चुनाव आयोग को लेना है। अब तो दो वोटर आईडी के सैकड़ों उदाहरण सामने आ गए हैं। अब आयोग को देखना है कि कैसे दो ईपिक बने।

राजद नेता मनोज झा ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव आयोग में बहुत अहंकार है। अहंकार और अज्ञानता चुनाव आयोग की पहचान

बन गई है। चुनाव आयोग को फ़ैसला लेने से पहले अपने पूर्ववर्तियों को देखना चाहिए। वरना चीजें बांग्लादेश चुनाव आयोग की स्थिति जैसी दिशा में बढ़ रही हैं।

छवि धूमिल कर रहे दारोगा की घटा दी रैंक

छपरा। सारण में संदिग्ध आचरण और अनुशासनहीनता के मामले में सारण पुलिस प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक पुलिस पदाधिकारी का रैंक घटा दिया। पुलिस अवर निरीक्षक (दारोगा) छतीश प्रसाद सिंह को सहायक अवर निरीक्षक (एएसआई) के पद पर पंक्तिच्युत कर दिया गया है। यह कार्रवाई पांच अगस्त 25 से अगले 12 महीनों के लिए प्रभावी रहेगी। सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. कुमार आशीष ने बताया कि पुलिस अवर निरीक्षक सिंह के विरुद्ध कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं। विभागीय जांच में यह प्रमाणित हुआ कि उन्होंने एक संदर्भित मामले में लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से अनैतिक कृत्य का प्रयास किया।

कांग्रेस के टिकट दावेदारों के इंटरव्यू की डेट फिक्स, स्क्रीनिंग कमेटी करेगी फैसला

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार विधानसभा चुनाव टिकट दावेदारों के साक्षात्कार के लिए कांग्रेस ने तिथि घोषित कर दी है। सदाकत आश्रम में पहले दिन 13 अगस्त को 21 सांगठनिक जिले और दूसरे दिन 14 अगस्त को 19 सांगठनिक जिलों के दावेदारों का साक्षात्कार होगा। पार्टी प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने दावेदारों से निर्धारित तिथि और समय पर ही संभावित प्रत्याशियों को आने को कहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव

स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक चेयरमैन अजय माकन की अध्यक्षता में होगी। सबसे पहले प्रभारी सचिव दावेदारों से राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा करेंगे। उसके बाद स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रत्याशी अपना दावा रखेंगे। बैठक में स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष समेत सभी सदस्य मौजूद रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने बताया कि तीनों प्रभारी सचिव अपने-अपने प्रभार वाले जिलों से आए प्रत्याशियों से विस्तृत जानकारी लेंगे। उसके बाद उसे स्क्रीनिंग कमेटी के सामने रखेंगे। 13 अगस्त को प्रभारी सचिव सुशील पासी बात करेंगे।

टब रखकर बचाई फिसलन, प्रशासन की फजीहत

सालभर बाद ही लखनऊ एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से टपका पानी

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

लखनऊ एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 का उद्घाटन पिछले साल ही हुआ था। लेकिन बारिश के चलते टर्मिनल की छत जगह-जगह से टपकने लगी। कर्मचारियों ने टब लगाकर पानी को फर्श पर फैलने से रोका नहीं तो यात्री फिसलकर चोटिल हो सकते थे। हालांकि उद्घाटन के समय भी छत टपकने की घटना हुई थी लोकिन तब प्रबंधन का कहना था कि मामूली गड़बड़ी थी जिसे ठीक कर लिया गया है।

2400 करोड़ की लागत से बने चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का शुभारंभ पिछली ही साल हुआ था। इसके कुछ दिन बाद ही छत टपकने लगी थी। तब निजी प्रबंधन ने कहा था कि मामूली गड़बड़ी थी जिसे दुरुस्त कर लिया गया। लेकिन इस साल भी भारी बारिश के चलते चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट के नए टर्मिनल-3 की छत बारिश में जगह-जगह से टपकने लगी। कर्मचारियों ने टब लगाकर पानी को फर्श पर फैलने से रोका।

करीब 300 मीटर दूर जाकर उसे छुड़ाया जा सका

दौड़ते घोड़े की रस्सी में फंसकर तीन सौ मीटर तक घिसटता रहा किशोर

एजेंसी ▸▸ सिद्धार्थनगर

यहां के शोहरतगढ़ कस्बे में शुक्रवार की दोपहर में करीब एक बजे एक दिल दहलाने वाला हादसा हुआ। सड़क पर दौड़ रहे घोड़े से बंधी रस्सी नीबी दोहनी गांव निवासी हर्षित (14) के पैर में फंस गई और वह घिसटने लगा। दुकानदार बचाने के लिए दौड़ पड़े। करीब तीन सौ मीटर आगे जाकर घोड़े को पकड़कर हर्षित को छुड़ाया गया, तब तक वह लहूलुहान हो चुका था। उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घोड़ा मालिक गरीबुल्लाह के खिलाफ केस दर्ज किया है।

शोहरतगढ़ थानाध्यक्ष बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि लक्ष्मीकांत कसौधन कस्बे के 51 तिराहा पर मेडिकल स्टोर चलाते हैं। लक्ष्मीकांत का बेटा हर्षित पिता के लिए भोजन लेकर पैदल ही जा रहा था। इसी दौरान दो घोड़े दौड़ते हुए पुलिस पिकेट की ओर जा रहे थे। घोड़े से बंधी रस्सी सड़क पर घिसटी रही थी। रास्ते से गुजर रहे हर्षित का पैर एक घोड़े की रस्सी में फंस गया और वह दौड़ते घोड़े के पीछे घिसटने लगा। यह देख लोग किशोर को बचाने के लिए घोड़े के पीछे दौड़ने लगे, करीब 300 मीटर दूर जाकर उसे छुड़ाया जा सका।

बेटे को गंभीर रूप से घायल देख पिता दहाड़ मार रोने लगे

मौके पर पहुंचे लक्ष्मीकांत बेटे को गंभीर रूप से घायल देख दहाड़ मार रोने लगे। किशोर को स्थानीय सीएचसी ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया कि लक्ष्मीकांत की तहरीर पर घोड़ा मालिक नीबी दोहनी निवासी गरीबुल्लाह के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पेज एक का शेष

पाकिस्तान के 5 ....

साथ सेनाओं को दी गई खुली छूट, नहीं दोहराई बालाकोट एयर स्ट्राइक के दौरान हुई गलती, 90 घंटे के भीतर पाक ने संघर्षविराम के लिए घुटने टेक दिए जैसे कुछ जरूरी बिंदुओं पर केंद्रित रखा। यह जानकारी वायुसेनाप्रमुख ने शनिवार को बेंगलुरु में आयोजित किए गए दिवंगत वायुसेनाप्रमुख एयर चीफ मार्शल लक्ष्मण माधव कात्रे स्मृति व्याख्यान के 16वें संस्करण को संबोधित करते हुए दी।

रिटायरमेंट से पहले पूरा हुआ सपना: एयरचीफ मार्शल सिंह ने अपने संबोधन में पाकिस्तान के सरगोधा एयरबेस का उल्लेख करते हुए बतौर वायुवीर अपने एक सपने के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि हम वायुसेना में ऐसे ही दिन का सपना देखते हुए बड़े हुए हैं कि किसी दिन हमें वहां (दुश्मन के इलाके या अहम ठिकानों को तबाह करने का) जाने का मौका मिलेगा। संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति यानी रिटायरमेंट से ठीक पहले यह अवसर मिल गया। जिसमें हमने वहां (पाक) के हवाई अड्डों को निशाना बनाया।

सेनाओं को दी गई थी खुली छूट: ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का श्रेय वायुसेनाप्रमुख ने देश के मजबूत राजनीतिक नेतृत्व को देते हुए कहा कि सरकार की तरफ से कार्रवाई को लेकर हमें स्पष्टता के साथ खुली छूट दी गई थी। हमने ही योजना बनाई, उसे लागू किया और अंत में ये भी तय किया कि हमें कितना आगे जाना है। तीनों सशस्त्र सेनाओं के बीच समन्वय था। वो प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) ही थे। जो सभी को एक साथ लाने के लिए मौजूद थे। भारत-पाकिस्तान के बीच की चार दिनों तक चली करीब 90 घंटे की कार्रवाई में हमने पाकिस्तान को इतने गहरे घाव दिए कि उसके होश ठिकाने आ गए। हमारे डीजीएमओ को फोन किया गया, दुश्मन ने भारत से संघर्षविराम करने की अपील की। जिसे भारत ने स्वीकारा।

सीमा पर मौजूद...

करते हुए बताया कि देश का रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ (1.51 लाख करोड़) के पार पहुंच गया है। जो कि 2023-24 के वित्त वर्ष के 1.27 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 18 फीसदी वृद्धि को दर्शाता है। वहीं, इस आंकड़े की तुलना वित्त वर्ष 2019-20 से करने पर यह बढ़ोतरी सीधे 90 फीसदी के साथ 79 हजार 71 करोड़ रुपए पर जा पहुंचती है।

मजबूत रक्षा औद्योगिक बेस का संकेतक: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस कामयाबी के लिए रक्षा उत्पादन विभाग के अलावा अन्य सभी भागीदारों जैसे डीपीएसयू, पब्लिक सेक्टर मैन्युफैक्चरर और निजी उद्योगों के प्रयासों की सराहना की है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मील के पत्थर समान ये सफलता भारत के लगातार मजबूत होते रक्षा औद्योगिक बेस से जुड़ा साक्षात सूचक है।

डीपीएसयू, पीएसयू की 77 फीसदी भागीदारी: मंत्रालय ने बताया कि रक्षा उत्पादन विभाग के उक्त रिकॉर्ड में डीपीएसयू और अन्य पीएसयू की भागीदारी 77 फीसदी है। जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23 फीसदी रहा है। हालांकि निजी क्षेत्र की सहभागिता वित्त वर्ष 2023-24 के 21 फीसदी के मुकाबले बढ़कर 23 पर जा पहुंचा है। यह देश के रक्षा इकोसिस्टम में क्षेत्र की बढ़ती भूमिका को भी प्रदर्शित करता है। उद्योग के निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्र साल दर साल विकास की ओर अग्रसर हैं। जिसमें मंत्रालय द्वारा किए गए नीतिगत सुधार काफी अहम साबित हुए हैं। क्योंकि इनकी मदद से व्यापार को बढ़ावा मिला और उसमें भी बीते दशक में सामरिक दृष्टि से स्वदेशीकरण पर काफी जोर दिया जा रहा है। वहीं, डीपीएसयू और निजी क्षेत्र के कुल उत्पादन में वित्त वर्ष 2024-25 में क्रमशः 16 फीसदी और 28 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

आने और जाने का...

जोड़ी की ट्रेन बरौनी-अहमदाबाद (19483) से रिटर्न होना होगा। टिकट में दी गई सभी डिटेल्स एक समान होनी चाहिए। यानी सोर्स और डेस्टिनेशन (कहां से कहां तक जाना है), यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3 एसी, 2 एसी) जैसी चीजें दोनों टिकट में एक होनी चाहिए।

आठ की मौत....

को सुबह नौ बजकर 13 मिनट पर दीवार ढहने के बारे में पहली कॉल मिली। फोन करने वाले ने कहा कि बड़ी दीवार गिर गई है और मलबे के नीचे चार से पांच लोग फंसे हुए हैं। सूचना मिलते ही जैतपुर थाना प्रभारी सभी उपलब्ध कर्मियों के साथ रस्सियां और अन्य बचाव उपकरण लेकर तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। बिना किसी देरी के बचाव अभियान शुरू किया गया। जिले की एडिशनल डीसीपी ऐश्वर्या शर्मा और एसीपी रविशंकर भी रेस्क्यू ऑपरेशन की निगरानी के लिए पहुंचे। फंसे हुए आठ लोगों को बाहर निकाला गया। सभी को एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। आठ में से सात लोगों जिनमें तीन पुरुष, दो महिलाएं और दो नाबालिग लड़कियां शामिल हैं ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायल व्यक्ति की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के निवासी हसीबुल (27) के रूप में हुई है। उसका सफदरजंग अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा और एनडीआरएफ के दलों ने गहन तलाशी ली, लेकिन मलबे के नीचे कोई और व्यक्ति नहीं मिला। दीवार गिरने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है। हालांकि अधिकारियों ने रात भर हुई भारी बारिश के कारण जलभराव और मिट्टी के कमजोर होने की संभावना जताई है। राजधानी में मौसम विभाग ने शनिवार के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया था। दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में बारिश शुक्रवार देर रात 11 बजे ही शुरू हो गई थी। इस वजह से दिल्ली की ज्यादातर सड़कों पर भारी यातायात दबाव देखने को मिला।

समकालीन संदर्भ में उपयोगिता पर विमर्श

वैश्विक अशांति के दौर में गांधी मार्ग ही विकल्प, गवर्नर ने बताया- महाशक्ति के सामने कैसे अटल खड़ा भारत

एजेंसी ▸▸ पटना

ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ पर शनिवार (09 अगस्त) को राजधानी पटना के राजभवन के दरबार हॉल में "महात्मा गांधी जी की प्रासंगिकता" विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए बिहार के गवर्नर आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि आज के वैश्विक अशांति के दौर में गांधी मार्ग ही सह अस्तित्व का एकमात्र मार्ग है। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचार सटीक और टिकाऊ विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। राज्यपाल ने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, आत्मनिर्भरता और ग्राम स्वराज के सिद्धांतों को आज के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति सदैव शांति और अहिंसा की रही है, जिसे बापू ने जीवनपर्यंत न केवल फैलाया बल्कि उसे व्यावहारिक रुप में लागू भी किया। उन्होंने कहा कि गांधी जी का नैतिक बल आज भी प्रेरणा देता है। यह नैतिक बल ही है, जिसके कारण भारत आज विश्व की महाशक्ति के सामने भी मुखर होकर खड़ा है।

वर्तमान सामाजिक संदर्भों में प्रासंगिकता पर रखे विचार

अध्यक्षता केरल एवं नागालैंड के पूर्व राज्यपाल निखिल कुमार ने की। उन्होंने गांधी जी के विचारों की वर्तमान सामाजिक संदर्भों में प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए। कहा कि महात्मा गांधी की प्रासंगिकता को प्रसारित करने हेतु आरंभ किए गए इस अभियान में उनका पूर्ण सहयोग रहेगा।

साल भर चलेगा कार्यक्रम

कार्यक्रम का आयोजन गांधी प्रासंगिकता स्थापनार्थ अभियान समिति ने किया था। इसके संयोजक प्रो.(डॉ.) देवेन्द्र प्रसाद सिंह ने स्वागत भाषण दिया और बताया कि आगामी एक वर्ष तक बिहार के लगभग सभी विश्वविद्यालयों, अनेक महाविद्यालयों एवं कुछ विद्यालयों में महात्मा गाँधी जी की प्रासंगिकता का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। पूर्व सांसद एवं झारखंड स्वायतशासी परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. सूरज मंडल कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि थे।

आवरण कथा

ओम निश्चल

79वां स्वतंत्रता दिवस

आजादी की फलश्रुति

हम सब देशवासी आगामी 15 अगस्त 2025 को भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस का उत्सव मनाएंगे। कदम-कदम आगे बढ़ते हुए हमने कई अभूतपूर्व सफलताएं हासिल कीं, नए-नए मुकाम को छुआ। हम निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर भी हैं। लेकिन आज भी देश में कुछ ऐसी चुनौतियां बरकरार हैं, जिनका निवारण किए बिना हम अपना प्राचीन गौरव प्राप्त नहीं कर पाएंगे। इसके लिए देश के हर नागरिक के मन में स्वाधीनता के प्रति सम्मान भाव होना अत्यंत आवश्यक है।

एक-एक कदम हौले-हौले चलते हुए हम सब भारत देश का 79वां स्वतंत्रता दिवस मनाने जा रहे हैं। एक लंबी यात्रा हमने आजादी के बाद तय कर ली है। 1947 से 2025 तक की स्वातंत्र्योत्तर यात्रा में देश ने तमाम क्षेत्रों में बहुत तरक्की की है, कृषि उत्पादन एवं खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल की है वरना एक ऐसा दौर था, जब गेहूं भी अमेरिका से आयात करना पड़ता था। उद्योग धंधों के क्षेत्र में भी लघु उद्योग सेक्टर और मझोले उद्योगों की स्थापना एवं विकास में देश ने मजबूती से कदम रखा है। तकनीकी सामर्थ्य की दिशा में भी देश ने अग्रतर स्थिति हासिल की है। आजादी के बाद बनी पंचवर्षीय योजनाओं के फलस्वरूप हर क्षेत्र में देश को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य हुआ। आजादी के बाद देश में बड़े-बड़े बांध बने, विद्युत परियोजनाएं लगाई गईं, सिंचाई के लिए नहरों का संजाल तैयार किया गया। बड़े-बड़े हाईवेज बने, इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया। बैंकों का राष्ट्रीयकरण हुआ ताकि हर व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ मिले। यानी, आजादी के बाद देश ने हर क्षेत्र में तरक्की की है।

हर वर्ग ने निभाई अपनी भूमिका: आजादी की लड़ाई किसी एक व्यक्ति, मजहब, संस्कृति या समुदाय ने नहीं लड़ी थी। इसमें तैंतीस करोड़ भारतीयों की सामूहिक भागीदारी रही थी। राजनैतिक आजादी तो सन 1947 में ही हमें मिल गई थी। लेकिन आजादी का मिलना तब सार्थक हो सकता है, जब सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हर क्षेत्र में देश तरक्की, करता हुआ दिखे। यों तो इस आजादी को हासिल करने में नेता, पत्रकार, किसान, मजदूर, किशोर, युवा, वृद्ध, स्त्री-पुरुष सबका योगदान रहा। उसके परिणामस्वरूप ही हमें आजाद भारत मिल सका। आजादी के बाद हासिल उपलब्धियों को तो हम सब देखते ही हैं, लेकिन एक लेखक हर क्षेत्र में आजादी की आकांक्षाओं के प्रतिफल को गहराई से महसूस करता है। वह नेता, अभिनेता, चिंतक, समाजशास्त्री एवं अर्थशास्त्री आदि अनेक भूमिकाओं में होता है। वही होता है, जो बिना लाग-लपेट के देश की वाकई तरक्की को अपने मानक पर कसता है, तभी वह दुष्यंत कुमार के शब्दों में यह लिख सकता है-*यहां तक आते-आते सूख जाती हैं कई नदियां। हमें मालूम है पानी कहां ठहरा हुआ होगा।*

दुर्भाग्यवश धीरे-धीरे कलमकार भी अपनी नैतिकता भूलते गए। इसी पर कवि गोपाल सिंह नेपाली ने अपने एक गीत में लिखा है-
तुझ-सा लहरों में बह लेता/ तो मैं भी सत्ता, गह लेता/ ईमान बेचता चलता तो/ मैं भी महलों में रह लेता/ हर दिल पर झुकती चली मगर/ आंसू वाली नमकीन कलम/ मेरा धन है स्वाधीन कलम/ आजादी मिलने का मोह भंग भी हुआ।

धीरे-धीरे लेखक की स्वाधीन चेतना भी सुप्त हो गई, उसकी कलम पूंजीपतियों और इजारेदारों के गुण गाने लगी। यही वजह है कि विभाजन के दंश और आजादी के लिए 1857 से किए गए संघर्ष के बाद और जलियांवाला बाग के नृशंस हत्या कांड के बाद मिली आजादी का फल लूटने में होड़ लग गई। देश बनाने वाले और उसे स्वाधीन कराने वाले तो नेपथ्य में चले गए और स्वार्थी लोग चांदी काटने लगे।

आजादी मिलने के बाद आजादी मिलने का मोहभंग भी उतना ही प्रभावी हुआ और होता गया। यह ऐसा ही दौर था, जब 'मैला आंचल', 'पानी के प्राचीर' और 'राग दरबारी' जैसी रचनाएं लिखी गईं। लिहाजा आजादी मिलने की उपलब्धियों की बंदरबांट होने लगी।

आजादी के शुरुआती दौर में अज्ञेय जैसे कद्दावर लेखक ने भी एक निबंध में लिखा था, 'मिला सब कुछः सब बेपेंदी का। शिक्षा मिली उसकी नींव, आत्म गौरव नहीं मिला, राष्ट्रीयता मिली, उसकी नींव, अपनी ऐतिहासिक पहचान नहीं मिली, यानी आजादी में जन्मे-पले मुझको- आजादी के आदि पुरुष को चेहरा मिला, व्यक्तित्व नहीं मिला... और बिना व्यक्तित्व के चेहरा क्या होता है? स्पष्ट है कि वह फकत चेहरा होता है। पहन लो, उतार लो, उस पर अलकतरा पोत दो चूना लगा दो... और यही सब तो हम कर रहे हैं... हर कोई कर रहा है।' (कवि मन, पृष्ठ 63) हमारे समय के एक बड़े कवि का यह विक्षुब्ध कथन है आजादी और उसकी फलश्रुति को लेकर।

क्यों बंटते गए दायरों में हम: यह सोचने की बात है कि जिस जज्बे से आजादी पाने के लिए हर नागरिक संघर्षरत था। सभी धर्म, संप्रदाय, जाति, वर्ण के लोग, यहां तक कि पूंजीपति भी देश की आजादी के लिए तन, मन, धन से लगे थे। सभी में राष्ट्रीय चेतना की अलख जग रही थी। भले आजादी के महासमर में गांधी, सुभाषचंद्र बोस, नेहरू और पटेल जैसे चंद बड़े नायक ही नजर आते हों पर आजादी की लौ जलाने में सभी का बराबर का हाथ रहा है। किंतु क्या हमने कभी सोचा कि इस आजादी का हमने क्या किया? हम मजहबी संकीर्ण दायरों में बंटते गए, हम वर्णों, जातियों, नस्लीय भेदभाव में बंटते गए, हम उत्तर-दक्षिण में बंटते गए। जिस आजादी के लिए सबका खून-पसीना बहा, उस आजादी की हम कीमत वसूलने में लग गए। भारत माता के लिए इससे बड़ी चिंता की बात क्या हो सकती है।

वैश्विक शक्ति बनने का सामर्थ्य: इतनी विषमताओं के बावजूद, 'कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी।' भारत विश्व की कूटनीति के सम्मुख अडिग होकर खड़ा रह पाया है तो यह इसकी सफल विदेश नीति का ही परिचायक है। देखते-देखते देश तरक्की की पायदान पर अग्रसर है। देश तमाम क्षेत्रों में आत्मीनिर्भर हुआ है, जहां सुई तक नहीं बनती थी, आज हम अनेक चीजें, शोधित तेल, खाद्यान्न, वस्त्रादि विदेशों को निर्यात कर रहे हैं। अमेरिकी प्रभुत्व में सिलीकॉन वैली के भारतीय तकनीकविदों की बड़ी भूमिका है। भारत आजादी के इन अठहत्तर सालों में आज आर्थिक स्तर पर एक महाशक्ति बन चुका है। सैन्य शस्त्रों और अंतरिक्ष शोध के क्षेत्र में हम निरंतर नए क्षितिज को स्पर्श कर रहे हैं। यही नहीं सदियों पुरानी अपनी संस्कृति व ज्ञान परंपरा के नाते हम विश्वगुरु बनने का भी सामर्थ्य रखते हैं। यह ऋषियों, संतों, महात्माओं की तपोभूमि रही है, यह अपरिग्रह, सदाचार, अहिंसा और सर्वधर्मसमभाव की भूमि है। हमने पूरी विश्व-वसुधा को मानवता के नाते एक समझा है। हमने विश्व के कमजोर मुल्कों का हर मुसीबत में साथ दिया, हर स्तर पर विश्व शांति की पहल और अपीलें की हैं। हमने विश्व स्तर पर रंगभेद का विरोध किया। इसीलिए विश्व में हमारी सबसे अलग प्रतिष्ठा है।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में निभाएं भूमिका: हालांकि अभी हमारे सम्मुख चुनौतियां भी कम नहीं हुई हैं। चिंता इस बात की है कि दलीय संकीर्णताएं ज्यादा हावी हैं, जाति, मजहब विचारधारा और सामाजिक स्तर पर लोग बंटे-बंटे से नजर आते हैं। आज आजाद हुए 78 साल हो गए हैं पर हम न भूलें कि अब यह बाहर से दिखने वाली गुलामी का दौर नहीं, यह सूक्ष्म गुलामी का दौर है- हमारी भाषा, हमारी संस्कृति, हमारे सोच पर हमले इतने सूक्ष्म हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल है। ऐसे सूक्ष्म हमलों के प्रति हमें सावधान रहना है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए हमें आपस में बांटने वाली सोच और अलगाववादी ताकतों से सावधान रहना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है, जहां हर नागरिक स्वाभिमान का अनुभव कर सके और उसे यह लगे कि यह देश उसका है, उसके सुख-दुख का साथी और उसके हितों का पहरुआ है। तभी सही मायने में देश का हर नागरिक स्वयं को आजाद, समृद्ध और सुरक्षित महसूस करेगा। इसके लिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर भूमिका निभाने के लिए संकल्पित होना होगा। *

सदियों के संघर्ष के बाद आर्थिक रूप से कमजोर देश रहा भारत, आज अगर विश्व की आर्थिक महाशक्ति बना है तो इसके पीछे हमारा निरंतर संघर्ष और सही दिशा में किया गया प्रयास ही रहा है। कैसे हासिल की हमने यह उपलब्धि, उस पर एक नजर।

हर चुनौती को पार कर

हम बने आर्थिक महाशक्ति

उपलब्धि

लोकमित्र गौतम

ढाई शताब्दियों तक परतंत्र रहने के बाद जब 1947 में भारत आजाद हुआ, तो हमें राजनीतिक आजादी तो मिल गई, लेकिन आर्थिक आजादी अभी भी दूर का सपना था। इस राजनीतिक आजादी के लिए हमने विभाजन की जो विभीषिका झेली थी और ढाई शताब्दियों तक हमारा जिस तरह से औपनिवेशिक शोषण हुआ था, उस सबके कारण कृषि पर आधारित हमारी अर्थव्यवस्था बेहद पिछड़ी हुई थी और औद्योगिकीकरण का हमारे पास लगभग न के बराबर आधार था। ऐसे में आजादी के बाद भारत को अपनी आर्थिक दिशा खुद तय करनी थी। हर तरफ चुनौतियां मुंह बाए खड़ी थीं। लेकिन इन्हीं चुनौतियों के बीच से हमने 78 सालों में अपनी जो आर्थिक यात्रा तय की है, वह महज आंकड़ों का खेल नहीं है। वह हमारे 78 वर्षों की अथक मेहनत, आत्मावलोकन और साहसिक निर्णयों का परिणाम है।

फर्श से पहुंचे अर्श पर: हमारी आर्थिक उपलब्धि, किसी तरह की तुलना या इम्तिहान के लिए नहीं है। हमने पिछले 78 सालों में जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वो हमारे आत्मगौरव की जीती-जागती कहानियां हैं। साल 1947 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज की कीमतों पर महज 2.7 लाख करोड़ रुपए था। जबकि 78 सालों बाद आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2024-25 के आकलन के मुताबिक हमारा सकल घरेलू उत्पाद 33.2 लाख करोड़ रुपए है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमने 78 सालों में करीब 3100 फीसदी आर्थिक प्रगति की है। ये उपलब्धियां और ये आर्थिक विकास हमने पिछले 78 सालों में दिन-रात की मेहनत के बाद हासिल किया है।

करना पड़ा कठिन संघर्ष: जब भारत से अंग्रेज गए थे, तो हमारा औद्योगिक उत्पादन नगण्य था। हमारा बुनियादी ढांचा पूरी तरह से ध्वस्त था, क्योंकि आजादी के लिए हमने 1857 से लेकर 1947 तक यानी 90 साल तक युद्ध लड़ा था। इस कारण अंग्रेज इस दौरान भारत के अधिक से अधिक संसाधन लूटकर इंग्लैंड ले गए थे और जब उनको ये मालूम पड़ा कि वह अब भारत में नहीं रह सकते, तो उन्होंने हमारे बुनियादी आर्थिक विकास पर विशेषकर औद्योगिक विकास पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया बल्कि अपने ढाई सौ सालों के कार्यकाल में उन्होंने जो आर्थिक ढांचा खड़ा किया था, उसे भारत से जाने के पहले बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया था। जिस समय भारत अंग्रेजों की गुलामी से आजाद हुआ था, हम मूलतः कच्चा माल आपूर्ति करने वाले एक उपनिवेश देश भर थे। इसलिए जरूरी था कि आजादी के बाद भारत का पूरी तरह से आर्थिक पुनर्निर्माण होता और ऐसा ही हुआ।

निरंतर बढ़ते रहे आगे: साल 1950 से 1980 के दौरान भारत ने नियोजित अर्थव्यवस्था की जबर्दस्त कीमत चुकाई। क्योंकि योजनाबद्ध ढंग से विकास करने का एकमात्र यही रास्ता था। जिस कारण लंबे समय तक हमारी आर्थिक विकास दर 3 से 3.5 के बीच रही। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इसी विकास दर के दौरान हम परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हरित क्रांति और देश में भारी उद्योगों का निरंतर जाल भी बिछाते रहे, जो हमारी अथक मेहनत और दूरदृष्टि का नतीजा था।

लागू किए आर्थिक सुधार कार्यक्रम: 78 सालों के विकास क्रम को देखें तो 1991 के बाद वैश्विक दबावों के बीच हमने आर्थिक सुधार कार्यक्रम लागू किए, विशेषकर 1991 में तब, जब हमारे पास सिर्फ 15 दिनों के आयात भर के लिए विदेशी मुद्रा शेष थी। उस समय हमने आईएमएफ के पास अपना सोना गिरवी रखकर कर्ज लिया और आज स्थिति यह है कि हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 650 अरब डॉलर से भी ज्यादा का है। 2024 में तो एक समय यह 724 अरब डॉलर की ऊंचाई को भी पार कर गया था। आज भारत आईटी, फार्मा, रक्षा, डिजिटल पेमेंट, अंतरिक्ष और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण आर्थिक ताकत है।

दूर करनी होंगी कमजोरियां: हालांकि हमारी अर्थव्यवस्था की कुछ बड़ी कमजोरियां भी हैं, जो आज भी हमें प्रतिव्यक्ति आय के मामले में दुनिया के गरीब देशों की कतार का हिस्सा बनाती हैं। आज भी भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त रोजगार नहीं है, जिस कारण गांवों से शहरों की ओर तूफानी रफ्तार से पलायन हो रहा है। हमारे देश के असंगठित औद्योगिक क्षेत्रों की आज भी पहाड़ सरीखी चुनौतियां हैं और आज भी हमारे विदेशी मुद्रा भंडार का 50 फीसदी से ज्यादा हिस्सा कच्चे तेल के आयात पर खत्म होता है। बावजूद इसके भारत आज अपने आपमें एक आर्थिक शक्ति है। साल 2017 के बाद से अब तक हम दुनिया के सर्वाधिक तीव्र गति से विकास करने वाले देश हैं। *

दोहे / प्रो. शरद नारायण खरे

शोभित,सुरभित,तेजमय,पावन अरु अभिराम।
राष्ट्र हमारा मान है, लिए उच्च आयाम।।

राष्ट्र-वंदना मैं करूं, करता हूं यशगान।
अनुपमेय, उत्कृष्ट है, भारत देश महान।।

नदियां, पर्वत, खेत, वन, सागर अरु मैदान।
नैसर्गिक सौंदर्यमय, मेरा हिंदुस्तान।।

लिए एकता अति मधुर, गीता और कुरान।
दीवाली-होली सुखद, एक्यभाव-पहचान।।

सारे जग में शान है, मान रहा संसार।
राष्ट्र हमारा है प्रखर, फैलाता उजियार।।

मातु-पिता, गुरु, नारियां, पातीं नित सम्मान।
संस्कार मम राष्ट्र की, है चोखी पहचान।।

तीन रंग के मान से, हैं हम सब अभिभूत।
राष्ट्रवंदना कर रहे, भारत मां के पूत।।

राष्ट्रप्रेम अस्तित्व में, आया नवल विहान।
कण-कण करने लग गया, भारत का यशगान।।

भारत की सीमाओं पर, जमे हुए हैं लाल।
शौर्य, वीरता देखकर, होते सभी निहाल।।

आजादी की वंदना, करता सारा देश।
आओ, हम रच दें यहां, वासंती परिवेश।।

सरोकार

शैलेंद्र सिंह

तब नई पीढ़ी भी समझेगी

स्वाधीनता की कीमत

देश की जो पीढ़ी पिछली सदी के अंत में या इक्कीसवीं सदी में जन्मी है, उसकी जीवनशैली कई मायने में विशिष्ट है। इसलिए उनको स्वाधीनमा की कीमत समझाने के लिए कुछ अलग प्रयास करने होंगे।

आजादी का मतलब सिर्फ गुलामी से मुक्ति भर नहीं होता। आजादी उस आत्मसम्मान, अधिकार और स्वाभिमान की अनुभूति है, जो किसी भी समाज के पूर्ण विकास के लिए बहुत जरूरी है। लेकिन जब हम आजादी की 78वीं वर्षगांठ पर अपनी डिजिटल पीढ़ी यानी जेन जेड और अल्फा जनरेशन की तरफ नजर उठाकर देखते हैं, तो बहुत निराशा होती है, क्योंकि इन्हें आजादी की कीमत का मानो कोई भान ही नहीं है। दरअसल, इन पीढ़ियों के लिए आजादी एक डिफॉल्ट सेटिंग की तरह है। ये पीढ़ी किसी संघर्ष या बलिदान की विरासत की हिस्सेदार नहीं रही है और न ही इसे आजादी के लिए अपनी जिंदगी में किसी तरह की कोई कीमत चुकानी पड़ी है। ऐसे में इन्हें आजादी की कीमत भी समझ आए तो भला कैसे?

डिजिटल जनरेशन की दुनिया: हमारी जेन जेड और अल्फा जनरेशन वास्तव में डिजिटल जनरेशन है। इनकी दुनिया इसके पहले की पीढ़ियों से बिल्कुल अलग है। इन्हें 24X7 मोबाइल चाहिए, रील चैटबॉट और इंस्टेंट रिवॉर्ड्स भी चाहिए। इनके पास सूचना का अकूत भंडार है, लेकिन अपने अनुभवों की मुट्ठी भर पूंजी नहीं है। स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, पसंद का पहनावा और प्यार जैसी हर चीज पर इनका अधिकार है और इनको लगता है यह तो सब जन्मसिद्ध अधिकार है यानी, ये तो हर किसी को मिलते ही मिलते हैं। इनके दिमाग में कभी नहीं आता कि संविधान प्रदत्त अधिकार हमें कितनी कुर्बानियां देकर मिले हैं? हमारी पूर्वज पीढ़ियों को इन्हें पाने के लिए कितनी यातनाएं सहनी पड़ी थीं? न जाने कितने लोग जेल गए, न जाने कितने लोग जेल में ही मर गए, हजारों लोगों ने फांसी का फंदा चूमा। आजादी के लिए अपने सारे सपनों को दांव पर लगा दिया, तब कहीं जाकर हमें यह आजादी मिली है। लेकिन डिजिटल जनरेशन को इस सबका प्रायः कोई एहसास नहीं होता है।

नए जमाने की जीवनशैली: हालांकि यह नई जनरेशन संवेदनहीन नहीं है। जलवायु परिवर्तन के लिए, मानसिक स्वास्थ्य के लिए, लैंगिक समानता के लिए और जानवरों को लेकर संवेदनशीलता इस पीढ़ी में भी खूब है। मगर अपने जमाने के मुद्दों के लिए। नई पीढ़ी विरोध और विद्रोह करने से नहीं डरती बल्कि पिछली पीढ़ियों के मुकाबले कहीं ज्यादा व्यवस्थित सुधारों और बदलावों की मांग करती है। लेकिन देखने वाली बात यह है कि इसका ज्यादातर विरोध ऑनलाइन होता है या कहें यह ऑनलाइन विरोध के लिए खुद को ज्यादा फिट पाती है। वास्तविक धरातल पर इसे उतरना कम पसंद है। उनकी इस सोच के लिए नई पीढ़ी को नैतिकता का पाठ पढ़ाने वाली पुरानी पीढ़ी को भी कुछ बातें याद रखनी होंगी। पुरानी पीढ़ी के लोग सोचते हैं देश, दुनिया, इतिहास और वर्तमान को लेकर जिस तरह की सोच वो रखते हैं, वैसी ही यह नई पीढ़ी भी रखे। सवाल है, आज की पीढ़ी क्यों अपनी पिछली पीढ़ियों की तरह आजादी को लेकर संवेदनशील नहीं है?

पिछली पीढ़ी निभाए दायित्व: मध्य वय और बुजुर्ग वय से गुजर रही पीढ़ी को समझना होगा कि सिर्फ कुछ ऐतिहासिक घटनाओं की बात करने भर से नई पीढ़ी आजादी की लंबी लड़ाई को लेकर अपने पूर्वजों की कृतज्ञ नहीं हो जाएगी। हमें इस पीढ़ी को उन लाखों लोगों की सच्ची कहानियां भी बतानी होंगी, जो साधारण लोग थे और आजादी के लिए कुर्बान हो गए। हजारों किसान, लाखों मजदूर, आदिवासी, स्त्रियां, पत्रकार, आम दस्तकार और शिक्षक जैसे सैकड़ों विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आजादी के लिए अपने आपको मिटा दिया। हमारी नई पीढ़ियां आजादी में सांस ले सकें, इसलिए पुरानी पीढ़ियों ने खुद को आजादी के संघर्ष की नींव में कैसे गला दिया। हमें नई पीढ़ी को बिना लाग-लपेट के, बिना किसी तरह के अतिवादी जिक्र के, इन आम लोगों के दुख दर्द को भी साझा करना होगा। हमें नई पीढ़ी को ये समझाना होगा कि लाखों जीवंत उदाहरणों से कि हमें जो आजादी मिली है, वह तर्क-वितर्क से नहीं मिली, वह कुछ गिने चुने लोगों के प्रताप से नहीं मिली बल्कि लाखों लोगों की कुर्बानियों से मिली है। जब हम अपनी नई जनरेशन को आजादी की लड़ाई लड़ने वाली पीढ़ी का समूचा ब्योरा सौंपेंगे, तब कहीं जाकर इस पीढ़ी में इस सबके प्रति संवेदना उमड़ेगी। हमें नई पीढ़ी को बताना होगा कि संविधान का उपहार हमें यूं ही नहीं मिल गया।

उनके सवालों का दें तार्किक जवाब: नई पीढ़ी अकसर सवाल पूछती है कि स्वाधीनता सेनानियों ने ऐसा क्यों नहीं किया? वैसा क्यों नहीं किया? तो हमें इस पीढ़ी को बताना होगा कि यह पूरा मसला महज कुछ चाहने और कह देने भर का नहीं था। ये बेहद जटिल और बेहद दुरुह मसले थे, इतना आसान नहीं है यह कहना कि फलां ने यह क्यों नहीं किया? कई बार इतिहास की कुछ विरासतें हमारे नियति का हिस्सा होती हैं। विभाजन भी ऐसी ही नियति थी। पुरानी पीढ़ी को जरूरत है कि वह नई पीढ़ी के लिए सिर्फ उपदेशक न बने, बल्कि इस बात की गहराई से पड़ताल करे कि आखिर उसे आजादी के अथक संघर्ष को लेकर उतनी संवेदनशीलता क्यों नहीं है, जितनी होनी चाहिए? तब हम नई पीढ़ी को आजादी की कीमत समझाने में सफल हो सकेंगे। अगर आज की नई पीढ़ी अपने तरीके से आजादी की परिभाषा गढ़ना चाहती है, तो यह उसका हक है। लेकिन जिन्होंने आजादी की लड़ाई में खुद को कुर्बान करके हमारे लिए स्वतंत्रता अर्जित की है, उन्हें यूं ही नहीं भूला जा सकता। पुरानी पीढ़ी की जिम्मेदारी है कि वह नई पीढ़ी को इसके महत्व और इसकी संवेदनशीलता को समझाए। यह पीढ़ी तेज है, त्वरित अंदाज में निर्णय लेती है, इसलिए अगर इस पीढ़ी को यह बात सही तरीके से बता दी जाए कि हमें जो आजादी हासिल है, वह लाखों लोगों के बलिदान और देशभक्ति का नतीजा है, तो नई पीढ़ी को आजादी का पाठ पढ़ाना और उसके लिए पर्याप्त संवेदनशील बनाना इतना मुश्किल नहीं होगा। *

पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश

प्रतिबंधित पत्रकारिता के अनसुने किस्से

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के दौरान सिर्फ आंदोलनकारी ही जेल नहीं भेजे गए बल्कि आंदोलन के समर्थन में पत्र-पत्रिकाएं निकालने वाले अनेक संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया था। साथ ही अनेक अखबार या उनके विशेष अंक प्रतिबंधित कर दिए गए थे। ऐसे ही प्रतिबंधित अंकों की खोजबीन कर इलाहाबाद विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग के प्रोफेसर, संतोष भदौरिया ने उसे पुस्तक रूप दिया है, जिसका नाम है-अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता।

किताब भारत में स्वाधीनता आंदोलन के विकास की चर्चा से शुरू हुई है, जिसमें लेखक ने इसके विभिन्न चरणों के बारे में संक्षिप्त किंतु उपयोगी जानकारी दी है। इसमें लेखक ने स्वाधीनता आंदोलन के विभिन्न चरणों की विशेषताओं के साथ व्यावहारिक कमियों को भी उजागर किया है। साथ ही आंदोलन के उत्तरोत्तर विकास का क्रमबद्ध तरीके से वर्णन किया है। लेखक ने अंग्रेजी राज में प्रतिबंधित, प्रेस अधिनियम के चलते बंद या आर्थिक अभाव की वजह से बंद हुई सभी पत्र-पत्रिकाओं का लगभग पूरा इतिहास खंगालने का प्रयास किया है।

पुस्तक इस मायने में बेहद दिलचस्प है कि प्रतिबंधित पत्रिकाओं में छपे विचार, लेख, कविताओं के अंश भी इसमें दिए गए हैं, जिन्हें आज के समय में पढ़ना एक नए अनुभव से गुजरना है। उस दौर के लेखकों की क्रांतिकारी कविताओं को पढ़कर उस वक्त के भारतीय लोगों के मन में मौजूद राष्ट्रप्रेम के उफान को समझा जा सकता है। मिसाल के तौर पर 'बुंदेलखंड केसरी' में छपी एक कविता को देख सकते हैं, 'देख दशा भारत की हमने निश्चय मन में ठाना है। मातृभूमि की बलिवेदी पर निज बलिदान चढ़ाना है।' प्रतिबंधित पत्र-पत्रिकाओं के छपने के तमाम अनसुने किस्सों को पढ़कर यह पता चलता है कि किताब को लिखने के लिए लेखक ने शोध कार्य में कितना परिश्रम किया है। यह उनके परिश्रम का ही नतीजा है कि किताब ऐतिहासिक विषय पर आधारित होने के बावजूद कहीं भी बोझिल नहीं लगती है। यह पुस्तक उस दौर की प्रतिबंधित पत्रकारिता के क्रमिक इतिहास को सुगठित तरीके से प्रमाणित सूचनाओं के आधार पर प्रस्तुत करती है। *

किताब: अंग्रेजी राज और हिंदी की प्रतिबंधित पत्रकारिता, **लेखक:** संतोष भदौरिया, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** लोकभारती पेपरबैक्स, प्रयागराज

22 से शुरू होगा मानसून सत्र, एसवाईएल जलभराव व कानून व्यवस्था के मुद्दे छाए रहेंगे

योगेंद्र शर्मा ▶▶ चंडीगढ़

22 से शुरू होने वाले हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र इस बार पूरी तरह से गर्मागर्म रखने के लिए विपक्ष पूरी तरह से तैयारी में है। प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश और बरसात के बाद में जलभराव,कानून व्यवस्था अन्य मुद्दों को लेकर विपक्ष ने अभी से तैयारी कर ली है। खुद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही इस बार भी नेता विपक्ष की भूमिका में होंगे। उन्होंने साफ कर दिया है कि उनके पास में सरकार की घेरेबंदी को लेकर काफी विषय हैं, उनके सभी विधायक तैयार हैं। हुड्डा का कहना है कि राज्य के किसानों, कानून व्यवस्था की हालत, जलभराव से किसानों को हुए नुकसान, खाद की किल्लत, एसवाईएल जैसे विषयों को लेकर तैयारी में हैं। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और भाजपा अध्यक्ष की संयुक्त अध्यक्षता में सत्ता पक्ष भी पूरी तरह से तैयार है। सत्तापक्ष के नेताओं का दावा है कि वे विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने को तैयार हैं, बशर्ते सदन का वक्त शोरगुल और बिना वजह के हंगामा ठीक नहीं हैं।यहां पर उल्लेखनीय है कि हरियाणा मंत्री समूह की अगस्त पहले सप्ताह में हुई बैठक के दौरान हरियाणा विस मानसून सत्र की तारीखों का एलान किया गया था। सदन कितने दिनों तक चलेगा, इसका अभी तय नहीं है, इसका फैसला बीएसी (बिजनेस एडवाइजरी कमेटी) में होगा। हालांकि इस बार सत्तापक्ष भी सदन को लंबा चलाने के मूड में नहीं दिखाई दे रहा है। पड़ोसी राज्य पंजाब की तर्ज पर इस बार भी जरूरी बिजनेस और कामकाज पूर्ण करने के लिए सदन को दो से तीन दिनों तक चलाने की योजना है। इस बार के सत्र के दौरान जहां बरसात और जलभराव से होने वाली परेशानी मुख्य मुद्दा रहेगी, वहीं कानून व्यवस्था व घटनाओं, जेलों से धमकी देकर रंगदारी जैसे विषयों को लेकर विपक्ष के हमलावर रहने के संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा एसवाईएल को लेकर लगातार हरियाणा पंजाब के बीच में बैठकों का दौर जारी है, विपक्ष का कहना है कि सुप्रीम अदालत का फैसला हरियाणा के पक्ष में हैं। इसलिए अब अवमानना का केस डाल देना चाहिए, जबकि सत्तापक्ष के नेताओं को पंजाब के साथ में कोई ना कोई सर्वमान्य हल निकल जाने की उम्मीद है। कुल मिलाकर सत्र के हंगामेदार होने की संभावना है।

सरकार ने किसानों के लिए खोला सौगातों का पिटारा

हरियाणा में सूबे के किसानों को राज्य सरकार लगातार राहतें और सौगात दे रही है। सत्र से पहले ही प्रदेश के सीएम जलभराव वाले इलाकों में स्पेशल गिरदावरी और मुआवजे आदेश देकर विपक्ष के हाथ से मुद्दा छीन सकते हैं। इसके अलावा हाल ही में किसानों को बड़ी राहत भी दी गई है, अर्थात आने वाले वक्त में ट्रांसफार्मर चोरी और क्षतिग्रस्त होने, मरम्मत कराने जैसे काम बिजली वितरण कंपनी की ओर से होगा। पहले किसानों को इसके लिए काफी खर्च और दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब किसानों से कोई खर्च नहीं लिया जाएगा। किसान अपने ट्यूबवेल को 70 मीटर के भीतर स्थानांतरित करना चाहता है, तो कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। बिजली उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करने के लिए हरियाणा राज्य विद्युत नियामक आयोग (एचईआरसी) ने बिजली आपूर्ति संहिता में छठा संशोधन कर दिया है। कृषि कनेक्शन को तकनीकी और भूगोलिक कारणों जैसे बोरवेल की विफलता, पानी की गुणवत्ता या भूमि के अधिग्रहण के चलते मूल स्थान से 70 मीटर स्थानांतरित करने की आवश्यकता होगी तो स्थानांतरण का खर्च भी किसानों से नहीं लिया जाएगा।

इससे किसानों को फायदा होगा।

राज्यपाल असीम घोष से रूबरू होंगे अधिकांश माननीय

हरियाणा में बतौर राज्यपाल सेवाएं देने वाले बंडारू दत्तात्रेय के जाने के बाद में अब पश्चिम बंगाल से आए असीम घोष कमान संभाल रहे हैं, जिनके साथ में सीएम और कुछ खास नेताओं की मुलाकात हो चुकी है। लेकिन आने वाले वक्त और मानसून सत्र के दौरान नए राज्यपाल के साथ में विस के सदस्यों को रूबरू होने का मौका भी मिलेगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता और कई अहम पदों पर रह चुके असीम कुमार घोष ने कार्यभार संभालने के साथ ही बैठकों का दौर भी शुरु कर दिया है, साथ ही मेल मुलाकात भी चल रही है। कुल मिलाकर इस बार सत्र के दौरान राजधानी चंडीगढ़ आने वाले नेतागण, विधायक, पूर्व मंत्री मुलाकात करेंगे। इस मौके पर प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे।

खबर संक्षेप

हेमंत खण्डेलवाल ने दी रक्षाबंधन की शुभकामनाएं

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रदेश की जनता, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं समस्त बहनों की मंगल कामना करते हुए शुभकामनाएं दी हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि रक्षाबंधन का मांगलिक पर्व मानवीय संवदेना, जनसरोकार तथा राष्ट्र सुरक्षा का संकल्प है। यह मानवीय रिश्तों में नवीन ऊर्जा का संचार करता है। बहनें नई उमंगों और उत्साह के साथ भाईयों की कलाईयां रक्षा सूत्र से सजाती हैं। सदियों से मनाये जा रहे इस पर्व में सात्विकता और सांस्कृतिक बोध समाहित हैं। यह सांस्कृतिक परम्पराओं और भारतीय आदर्शों का पर्व है एवं बहनों की सुरक्षा तथा सशक्तीकरण को रेखांकित करता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खण्डेलवाल ने प्रदेश की समस्त बहनों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दी है।

जबलपुर में बने प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर का लोकार्पण 23 को

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जबलपुर में निर्मित मप्र के सबसे बड़े फ्लाईओवर (एलिवेटेड कॉरिडोर) का 23 अगस्त को लोकार्पण करेंगे। 6.855 किलोमीटर लंबाई वाला यह फ्लाईओवर 1052 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से तैयार किया गया है। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क मंत्री गडकरी से मुलाकात कर फ्लाईओवर के लोकार्पण के लिए आमंत्रित किया था, केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने 23 अगस्त को जबलपुर में कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दी। यह फ्लाईओवर जबलपुर शहर के यातायात दबाव को कम करेगा और प्रदेश में आधुनिक आधारभूत संरचना के क्षेत्र में एक नया मानक भी स्थापित करेगा।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी और मुख्यमंत्री करेंगे लोकार्पण

प्रदेश में अब निरंतर हो रहा है उद्योगों का लोकार्पण और भूमिपूजन

स्वदेशी अभियान के जरिए हम बनाएंगे एक बेहतर कल, हजारों लोगों को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री ने तामोट, रायसेन में 416 करोड़ की औद्योगिक इकाइयों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्वदेशी अभियान के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। रायसेन जिले में हो रहा औद्योगिक निवेश मप्र के औद्योगिक परिदृश्य को एक नया आयाम देगा। यह न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा, बल्कि यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और गतिशील भी बनाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रायसेन जिले के ग्राम तामोट में 416 करोड़ रुपए की लागत वाली नवीन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 300 करोड़ रू लागत से 12 हैक्टेयर में 6 नवीन औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ और 116 करोड़ रू लागत की 06 इकाइयों का लोकार्पण हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी औद्योगिक परियोजनाओं से हजारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से स्थाई रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को साकार करने के लिए मप्र सरकार निरंतर प्रयासरत है। स्वदेशी अभियान के तहत स्थानीय संसाधनों, प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र का दिनों-दिन विस्तार

भोजपुर विधायक सुरेन्द्र पटवा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री देश-दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपतियों को निवेश करने के लिए मप्र लेकर आ रहे हैं। प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र का दिनों-दिन विस्तार हो रहा है।

उमरिया गांव में रेलवे के आधुनिक और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल के पास उमरिया गांव में रेलवे के आधुनिक और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बीईएमएल रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमिपूजन करेंगे, जो मध्य भारत में ट्रेन कोचेस के निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। जबकि प्रधानमंत्री मोदी 25 अगस्त को पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन करने मप्र (धार) आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आज 300 करोड़ रुपए की लागत से 12 हेक्टेयर रकबे में 6 नई औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ है, जिसमें जेबीएम ऑटो, बालाजी रोटोमैक आदि शामिल हैं। इनसे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज दो नई औद्योगिक इकाइयों को भूमि आवंटन के आशय पत्र बांटे गए हैं, जिनमें लगभग 150 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है।

नई नीतियों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति फ्लाइट 15 लाख रुपए अनुदान

डॉ. यादव ने बताया कि एविएशन कनेक्टिविटी बढ़ाने प्रदेश की नई नीतियों में अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति फ्लाइट 15 लाख रुपए अनुदान का प्रावधान है। योजना के तहत हम प्रदेश की एयर टूरिज्म पॉलिसी पर कार्य कर रहे हैं। जबलपुर, रीवा, सीधी को एयर कनेक्टिविटी से जोड़ा गया है। हमारी सरकार ने गरीब, श्रमिक और जरूरतमंदों को एयर एंबुलेंस की सुविधा दी है। सरकार मानवता के प्रति लोगों को जागरुक करते हुए सड़क हादसे के घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर राहवीर योजना में 25 हजार रुपए का पुरस्कार देगी। मप्र इकलौता राज्य है, जो निवेशकों को मेडिकल कॉलेज, अस्पताल खोलने के लिए नगण्य लीज रेंट पर जमीन दे रहा है।

एसएएस से आईएएस में तीन अफसरों का लिफाफा बंद होने से नहीं हुआ निर्णय

16 अफसरों को होगा आईएएस अवॉर्ड

- *कमल सोलंकी, ईला तिवारी का आईएएस बनना तय*
- *छानबीन के बाद जल्दी ही जारी होगी सूची*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

करीब दो साल से पेंडिंग चल रहे एसएएस से आईएएस के लिए आखिरकार डीपीसी करा ली गई। दिल्ली में हुई डीपीसी में राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों को आईएएस अवॉर्ड होने का रास्ता साफ हो गया। डीपीसी के बाद अब 16 अपर कलेक्टर आईएएस कैडर में अफसर बन सकेंगे। इस डीपीसी में वर्ष 2023 और 2024 के लिए एसएएस से आईएएस के पदों पर प्रमोट करने अफसरों के नामों पर विचार किया गया।

दरअसल, 2023 में सूची तैयार नहीं होने से एसएएस के अफसरों को आईएएस में प्रमोट करने 2023 में हुई डीपीसी के बाद बैठक नहीं हो सकी थी। 2023 में हुई डीपीसी में वर्ष 2022 के लिए पात्र 19 अपर कलेक्टरों को आईएएस अवॉर्ड किया गया था। दो साल से डीपीसी नहीं होने के बाद कुल 16 पद रिक्त हो गए थे। इस बार कुल 32 नामों पर विचार किया गया है। डीपीसी की बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ ही जीएडी कार्मिक के अफसर शामिल हुए।

डीपीसी में इन नामों पर विचार किया गया

इन दोनों वर्षो के लिए वर्ष 2008 व 2009 बैच के एसएएस अफसरों के आईएएस के कुल 16 पदों पर 32 अफसरों के नामों पर विचार किया गया। डीपीसी में जिनके नामों पर विचार किया गया, उनमें एनपी नामदेव, डॉ. कैलाश बुंदेला, कमलचंद नागर और जयेंद्र कुमार विजयवत तथा पंकज शर्मा को लेकर कुछ आपत्ति सामने आई है। इसी तरह मनोज मालवीय, नंदा भलावे कुशरे, सविता झारिया, अनिल डामोर, कमल सोलंकी, सारिका भूरिया, संतोष कुमार टैगोर, जितेन्द्र सिंह चौहान, शैली कनास, राकेश कुशरे, कविता बाटला, रोहन सक्सेना, आशीष पाठक, सपना अनुराग जैन, ईला तिवारी, मिनिषा पांडे, नीता राठौर, सपना लोवंशी, रंजना देवड़ा, रानी पासी, माधवी नागेन्द्र, प्रियंका गोयल, वर्षा सोलंकी, अभिषेक दुबे के नाम शामिल हैं। बताते हैं कि इनमें से कई सीनियर राप्रसे के अफसर विभागीय जांच के चलते लिफाफा बंद होने के कारण प्रमोशन से वंचित हो सकते हैं।

डॉ सी पी शर्मा पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन परिषद भारत के सदस्य मनोनीत हुए

फरीदाबाद। पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद भारत(**MOE-FCCPC**) के चेयरमैन श्री राहुल द्विवेदी के निर्देश पर राज्य विधान मंडल पेंशनर्स संस्थान के अध्यक्ष डॉ चंद्र प्रकाश शर्मा को आगामी 3 वर्ष के लिए राज्य सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया। शर्मा उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सचिव रहे हैं तथा वर्तमान में विधानमंडल पेंशनर्स संस्थान के अध्यक्ष है। इनको विधायकों के आचरण पर शोध के लिए कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2000 में पी एचडी प्रदान की गई थी। डॉ शर्मा कुशल प्रशासनिक अधिकारी के साथ-साथ एक समाजसेवी एवं धार्मिक व्यक्ति रहे हैं इन्होंने देश के समस्त धार्मिक तीर्थो की यात्राएं भी की हैं। तीर्थाटन के साथ-साथ पर्यावरण में भी इनकी गहरी रुचि को देखते हुए इन्हें फिलहाल सदस्य के रूप में नामित किया गया है। इनकी नियुक्ति पर विधान मंडल पेंशनर्स संस्थान के पदाधिकारीयों के साथ-साथ मित्रगणों ने भी हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

रक्षाबंधन पर पूर्व राष्ट्रपति कोविंद से मिले अरूणाभा वेलफेयर सोसायटी के बच्चे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

अरूणाभा वेलफेयर सोसाइटी के नन्हे परिंदों ने ली ऊंची सी उड़ान। बड़े ही हर्ष और गर्व की बात है कि अरूणाभा वेलफेयर सोसाइटी के बच्चे और शिक्षक राखी के पावन अवसर पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात करके आए। नन्हें समाजसेवी श्रेयश श्रीवास्तव और अंकित ने पूर्व राष्ट्रपति को तुलसी का पौधा भेंट किया व सृष्टि गुलाटी, सुरुचि और निशिका ने कोविंद जी को राखी बांधी।

उन्होंने बच्चों से बातें कीं और उपहार स्वरूप बच्चों को अपने हाथों से चॉकलेट दी। वेलफेयर की ब्रांड अम्बेसडर सृष्टि गुलाटी ने कोविंद जी को तिरंगा भी भेंट किया, जिसे पूर्व राष्ट्रपति ने बहुत ही सम्मान और प्यार से स्वीकार किया। मौके पर वेलफेयर की संस्थापिका और राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रणीता प्रभात, मीडिया प्रभारी प्रवीण गुलाटी और डांस टीचर सुजीत कुमार उपस्थित रहे। बच्चों की खुशी और होंठों की मुस्कान देखते ही बनती थी। बच्चों ने एक अद्वितीय और अविस्मरणीय अनुभव को प्राप्त किया। प्रणीता प्रभात ने कहा कि देश के उच्चतम पदों पर बैठे लोगों से जब सम्मान मिलता है तो बच्चों को अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की प्रेरणा मिलती है।

साथ ही साथ उन्होंने अपने पूरे वेलफेयर टीम को ढेर सारी बधाइयां और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने प्रवीण गुलाटी का विशेष धन्यवाद करते हुए कहा कि ये उन्हीं के प्रयासों का फल है कि आज अरूणाभा वेलफेयर सोसाइटी को इतनी बड़ी उपलब्धि मिली है। अगर वेलफेयर के सारे सदस्य ऐसे ही अपनी जिम्मेदारी को समझेंगे और ऐसे कार्यों के लिए थोड़ा सा समय देंगे, तो वेलफेयर बहुत जल्दी ही नई ऊंचाइयों को छू सकेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल से मिले केंद्रीय मंत्री सिंधिया

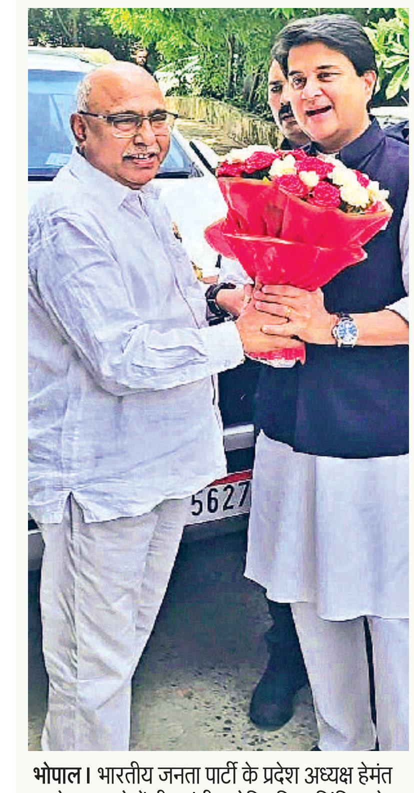

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल से केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को भोपाल स्थित निवास पर सौजन्य भेंट की।

ब्रह्मकुमारी बहनों से मुख्यमंत्री ने बंधवाई राखी, पवित्र मौके पर सीएम साय बोले

आपका भाई विष्णु देव साय हर सुख-दुख में आपके साथ है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री ने रक्षाबंधन पर्व के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने सभी नागरिकों की सुख, समृद्धि और परस्पर सौहार्द की मंगलकामना करते हुए कहा कि यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की आत्मीयता, समर्पण और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। सीएम ने कहा कि राखी का यह पावन धागा स्नेह, विश्वास और संरक्षण का प्रतीक है। आपका आत्मसम्मान, आपकी सुरक्षा और स्वावलंबन यही मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आपका भाई विष्णु देव साय हर सुख-दुख में, हर मोड़ पर, आपके साथ है। रक्षाबंधन का यह पर्व आपके जीवन में सुख, शांति और समृद्धि लेकर आए, यही मेरी ईश्वर से प्रार्थना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का त्यौहार भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा को दर्शाता है, जिसमें बहनें अपने भाई की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सुरक्षा के लिए रक्षा-सूत्र बांधती हैं, वहीं भाई भी बहनों की रक्षा और सम्मान का संकल्प लेते हैं। रक्षाबंधन पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों को सशक्त करने वाला पर्व है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल एक पारंपरिक त्यौहार नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास, प्रेम, करुणा और दायित्वबोध की भावना को भी उजागर करता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे इस अवसर पर समाज में सौहार्द्र, भाईचारा और महिला सम्मान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए संकल्प लें। सीएम ने विशेष रूप से प्रदेश की बेटियों, बहनों और मातृशक्ति को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तिकरण, सुरक्षा और सम्मान के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पावन पर्व सभी नागरिकों के जीवन में प्रेम, उमंग और एक नई ऊर्जा का संचार करेगा।

सविता बहन ने की सीएम के दीर्घायु होने की कामना

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय रायपुर की संचालिका ब्रह्मकुमारी सविता बहन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास पर भेंट की और उन्हें रक्षा-सूत्र बांधकर उनके स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखद जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री साय ने ब्रह्मकुमारी बहनों का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी भावनात्मक एकता और सामाजिक मूल्यों की गहराई को दर्शाने वाला अनुपम उत्सव है। उन्होंने कहा कि रक्षा-सूत्र में निहित शुभकामनाएं उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक समर्पित होने की प्रेरणा देती हैं।

समाज में फिर वापस लौटी महिलाओं को हौसला बढ़ाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और मंत्री केदार कश्यप ने दंतेवाड़ा प्रवास के दौरान आत्मसमर्पण करने वाली नक्सली महिलाओं से राखी बंधवाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि ऐसी माता और बहनें जो पहले नक्सली थी और जिन्होंने पुनर्वास किया है। अभी किसी सरकारी दायित्व पर हैं या सामान्य जीवन जी रही हैं उनसे हमने राखी बंधवाई। सभी के मंगलमय जीवन की कामना करते हैं। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि 'जो माताएं और बहनें पहले नक्सली थीं और मुख्यधारा में शामिल हो गई हैं, उनसे मैं, मंत्री केदार कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष, बस्तर कमिश्नर, बस्तर आईजी, दंतेवाड़ा कलेक्टर, दंतेवाड़ा एसपी और अन्य सभी वरिष्ठ अधिकारी आज रक्षाबंधन पर उनसे मिलने गए। उन्होंने कहा कि अगर कोई बहन वापस आना चाहती है, तो पूरा समाज उसे अपना माने और हम सब मिलकर उसकी सुरक्षा और आजीविका सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर साइंस में
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026

कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को 22 और 23 नवंबर, 2025 को भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (आईएपीटी) द्वारा आयोजित तदनुसार राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (एनएसईएस) (विज्ञान विषयों के लिए) में अवश्य उपस्थित होना चाहिए।

एनएसई में योग्यता 2026 के तदनुसार अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड्स में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।

नामांकन के लिए :
एनएसईएस : https://www.iapt.org.in (21 अगस्त–14 सितंबर, 2025)
अधिक जानकारी के लिए : https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in
CBC 48143/12/0005/2526

भारत के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वार अदावत का रुख अख्तियार करता जा रहा है। ट्रंप ने अपने टैरिफ वार से विश्व के देशों की आंखें खोली हैं कि अमेरिका किसी भी देश का हितैषी नहीं है, उसे बस अपने से मतलब है। ट्रंप ने विश्व में अमेरिका के लोकतंत्र के रक्षक, ग्लोबल ऑर्डर के नियंता और महाशक्ति होने के तिलिस्म को भी तोड़ दिया है। अब अमेरिका एक साधारण राष्ट्र है, जो अपने बेशुमार कर्ज से उबरने के लिए संघर्षरत है। भारत पर ट्रंप के 50 फीसदी शुल्क ऐलान के बाद नई दिल्ली ने संयमित रहते हुए वाशिंगटन को दो टूक संदेश दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों व ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। भारत के लिए अमेरिका ने शुल्कात्याचार से ऐसी संकटपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है कि वह नए वैश्विक ऑर्डर की तरफ सरक रहा है। पीएम मोदी एससीओ की बैठक में चीन जा सकते हैं, चीन ने इसका स्वागत किया है, वहां मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग मिल सकते हैं। मोदी व पुतिन ने बात की है, वर्ष के अंत तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आएंगे। ब्राजील ने मोदी व शी के साथ सहयोग बढ़ाकर टैरिफ वार का हल निकलने की बात की है। यानी ब्रिक्स ध्रुवीकृति हो रहा है। मौजूदा परिस्थिति में भारत के लिए अपनी ट्रेडकूटनीति को आगे बढ़ाने के मौके का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

भारत के लिए ट्रेडकूटनीति का मौका

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का ट्रंप का दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए भारत को भी अपना निशाना बना डाला। इसमें कोई शक नहीं कि भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है।

सात अगस्त को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध अपने द्वारा ही घोषित किए गए आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से दो गुना करके 50 प्रतिशत कर दिया। अधिक वक्त पुराना दौर नहीं था, जबकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तक़रीर पर अमेरिका की संसद में जोरदार तालियां गूंज उठीं थी। एक ऐतिहासिक वक्त इस बात का गवाह रहा कि दो शक्तिशाली ध्रुवों के मध्य फिर से निरंतर विभाजित हो रही दुनिया में भारत वस्तुतः अमेरिका का एक भरोसेमंद पार्टनर बनता जा रहा था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बहुत ही खुले दिल और गर्म जोशी से नरेंद्र मोदी का खैरमक़दम किया था। इस शानदार खैरमक़दम के पीछे जो बाइडेन के दो रणनीतिक मक़सद थे। पहला मक़सद था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के मामले में भारत को स्पष्ट कूटनीतिक रुख अख्तियार करने के लिए रजामंद करना। दूसरा मकसद था कि भारत को एक ऐसे गठबंधन में बाकायदा शामिल करना जो कि चीन के निरंतर बढ़ते हुए वैश्विक प्रभाव का बखूबी सामना कर सके।

प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा भारत

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी दफा राष्ट्रपति पद पर सत्तासीन होने से ठीक पहले तक, भारत यकीनन अमेरिका की दृष्टि में केवल उसका सिर्फ एक व्यापारिक साझेदार ही नहीं था, वरन् एक प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा। अमेरिका की नजरों में भारत एशिया में लोकतंत्र का सबसे प्रबल पैरोकार और ताकतवर स्तंभ भी रहा। राष्ट्रपति डब्ल्यू जार्ज बुश से लेकर जो बाइडेन तक अमेरिका के सभी राष्ट्रपतियों द्वारा भारत को रणनीतिक नजरिए से फ्री एंड ओपेन इंडो पैसेफिक के लिए अत्यंत आवश्यक सहयोगी करार दिया गया। अमेरिका और भारत द्वारा एकजुट होकर रक्षा, विज्ञान, तकनीक, नौसेनिक अभ्यास, और क्वाड फ्रंट में एक प्रबल सहयोगी के तौर पर शानदार काम अंजाम दिया। वर्ष 2024 में भारत और अमेरिका द्वारा दस वर्षीय रक्षा रोडमैप का सृजन किया गया और परस्पर व्यापार को 500 अरब डालर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह संबंध को आगे ले जाने की पहल थी।

अमेरिका गंवा सकता है करीबी साझेदार

अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। दिल्ली स्थित आर्थिक मामलों के एक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव का तथ्यात्मक और तार्किक अनुमान है कि अमेरिका को भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान 50 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसी वर्ष 2025 के फरवरी महीने में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर थे, तो उस वक्त भी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों में अनेक अंतरराष्ट्रीय जानकार एक गहरी अंतरविरोधी रणनीतिक उलझन देख रहे थे। अमेरिका के जाने माने अर्थशास्त्री मिल्टन फ्रीडमैन का कथन है कि डोनाल्ड ट्रंप का बुनियादी चरित्र एक कुशल व्यापारी का रहा है, ना कि एक प्रखर दूरदर्शी राजनेता का। अतः राष्ट्रपति ट्रंप व्यापारिक संबंधों को कूटनीतिक हथियार को तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मिथ्या दंभ से परिपूर्ण एक घोषणा की थी कि अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने के 24 घंटे के अंदर ही यूक्रेन और रूस की जंग को खत्म करा देंगे, लेकिन ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ लिए हुए तकरीबन सात महीने व्यतीत हो चुके हैं और रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का उनका दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए रणनीतिक मित्र राष्ट्र भारत को भी अपना निशाना बना डाला।

दोनों देशों को होगा आर्थिक नुकसान

आर्थिक संकट की इस विकट घड़ी में भारत के लिए आखिरकार आगे का क्या रास्ता है? चीनी कूटनीति के जाने माने विशेषज्ञ हुआंग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम हमले में भारत को तात्कालिक तौर पर जबरदस्त आर्थिक नुकसान उठाना ही होगा। भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है। डिप्लोमेट हुआंग को प्रतीत होता है कि अमेरिका की इस आक्रामक रणनीति से भारत और चीन कूटनीतिक तौर पर एकदम निकट आ सकते हैं। कूटनीतिक निकटता के इस प्रस्थान बिंदु से चीन और भारत एक साथ अमेरिका के व्यापारिक दबाव का जमकर मुकाबला करने के लिए खड़े हो जाएंगे। हुआंग के मुताबिक शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शिरकत करना तकरीबन तय हो चुका है। चीन स्वागत को तैयार है।

भारत का ट्रंप को ताकतवर पैगाम

एससीओ के शिखर मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक साथ खड़ा होना ही डोनाल्ड ट्रंप के लिए ताकतवर पैगाम होगा कि चीन की तरह से भारत भी किसी अंतरराष्ट्रीय अमेरिकन धौंस और दबाव के आगे कदाचित नहीं झुकेगा। पीएम मोदी ने न झुकने का ऐलान भी किया है। ट्रंप ने चीन पर प्रारंभ में 50 प्रतिशत टैरिफ आयद किया था। उसके प्रत्युत्तर में चीन द्वारा अमेरिका पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया तो चीन द्वारा भी अमेरिका पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ आक्रमण का चीन द्वारा ट्रंप को उन्हीं की टैरिफ रणनीति में कड़ा आक्रामक जवाब दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप अंततः चीन के विरुद्ध एकदम नरम पड़ गए और चीन पर केवल 10 प्रतिशत टैरिफ आयद करने पर आकर टिक गए। उल्लेखनीय है कि अपने विगत कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन के विरुद्ध ट्रेड वार संचालित करने का ऐलान किया गया था। आखिरकार क्या परिणाम निकला। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चीन और अधिक ताकतवर होकर उभरा। राष्ट्रपति ट्रंप अपनी मिथ्या वाणी और दबाव परिवर्तित करने के लिए सारी दुनिया में जाने पहचाने गए हैं। अमेरिका के प्रति चीन का दृष्टिकोण और कार्यनीति से एकदम पृथक रही। अमेरिका द्वारा भारत पर आयद 50 प्रतिशत टैरिफ पर वस्तुतः भारत सरकार की प्रतिक्रिया अत्यंत संतुलित किंतु दो टूक रही है।

टैरिफ का फैसला अनुचित और बेबुनियाद

भारतीय विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद करने के फैसले को एकदम अनुचित और बेबुनियाद करार दिया है। भारत सरकार का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए तेल आयात करने का निर्णय लेना है। यकीनन भारत ने टैरिफ आयद करने पर अमेरिका को चीन और ब्राजील के लहजे में कदाचित नहीं ललकारा है। भारत सरकार ने अत्यंत शालीन और संतुलित शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारत सरकार द्वारा अपने बयान में फिर से दोहरा दिया गया है कि अपने राष्ट्रीय हितों की हिफाजत करने की खातिर सभी आवश्यक फैसले ले लिए जाएंगे। भारत वस्तुतः अमेरिका से कोई कूटनीतिक तकरार में उलझना नहीं चाहता है। विगत दो दशक में निर्मित हुए भारत-अमेरिका संबंधों को कदाचित बिगाड़ना नहीं चाहता है। स्मरण करें कि जब एक ऐतिहासिक दौर में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सैन्य संगठन सेंट्रल ट्रीट्री ऑर्गेनाइजेशन (सेंटो) का सदस्य बनाया, पाक के साथ सैन्य संधि अंजाम देकर भारत के विरुद्ध उसको आधुनिकतम हथियारों से सन्नद किया था। उस दौर में भी भारत ने अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को सदैव सहज और सामान्य बनाए रखा था। भारत द्वारा गुटनिरपेक्ष नीति का परिपालन करते हुए कोल्ड वार के विकट दौर में भी दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों के मध्य अपने कूटनीतिक संतुलन को कायम बनाए रखा गया था। सन् 1956 में स्वेज कैनाल सैन्य संकट और सन् 1961 में क्यूबा सैन्य संकट के दौरान विश्वयुद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया को बचाने और संकटों का निदान करने के लिए इतिहास भारत के किरदार को स्मरण करेगा। यही कारण था कि 1962 में जब भारत पर चीन ने सैन्य आक्रमण अंजाम दिया था, उस वक्त भारत के पक्ष में सोवियत रूस और अमेरिका एक साथ खड़े हो गए थे। भले ही लोकतांत्रिक भारत में सरकारें तब्दील होती रही हैं किंतु भारत अपनी कसौटी पर खरी उतरी स्वतंत्र विदेश नीति पर निरंतर कायम बना रहा है।

मोदी का चीन दौरा महत्वपूर्ण सिद्ध होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संभावित चीन दौरा भी बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति अपने मित्र देशों पर टैरिफ के जरिए केवल कूटनीतिक दबाव कायम करने की कुटिल रणनीति है। रूस-भारत-चीन (आरआईसी) कूटनीतिक त्रिकोण को निर्मित करने का प्रयास निरंतर गति से जारी है। यदि वास्तव में यह प्रस्तावित कूटनीतिक त्रिकोण व्यवहार में आकार ले लेता है तो फिर भारत-चीन के मध्य विद्यमान रहा तनाव समाप्त हो सकता है। पाकिस्तान के प्रति चीन द्वारा अंजाम दिया जा रहा अंध समर्थन खत्म हो सकता है। राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के लिए रेड कार्पेट के स्थान पर कांटे बिछा दिए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को उम्मीद है कि टैरिफ आक्रमण से संभवतया रूस के साथ अपने गहरे व्यापारिक और सामरिक ताल्लुकात को तोड़ लेने के लिए भारत सरकार को विवश कर सकेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप को तनिक भी एहसास नहीं है कि भारतीय जनमानस में रूस के प्रति कितना गहन लगाव विद्यमान रहा है। जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका सहित समस्त पश्चिम कश्मीर पर भारत के विरुद्ध एकजुट था, तब तत्कालीन सोवियत रूस ने भारत के पक्ष में छह दफा वीटो का इस्तेमाल किया था। भारत इसको कैसे भूल सकता है। बांग्लादेश युद्ध के दौर में जब अमेरिका खुलकर पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा हो गया था तो केवल रूस की सक्रिय इमदाद और सैन्य समर्थन से भारत ने यह युद्ध निर्णायक तौर पर जीत लिया था। आजादी के बाद भारत की औद्योगिक प्रगति में सोवियत रूस द्वारा अविस्मरणीय योगदान प्रदान किया गया। केंद्र में कोई भी हुकूमत कायम रहे, वह भारतीय जनमानस के रूस के प्रति अगाध सम्मान और स्नेह की उपेक्षा करके अमेरिका के दबाव में रूस से भारत का ऐतिहासिक संबंध तल्ख करने का खतरा नहीं उठा सकती।

वैश्विक अर्थव्यवस्था हो सकती है प्रभावित

ट्रंप टैरिफ
प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद्, विचारक एवं चिंतक

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ। यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा। ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है।

राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता

मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयां, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं। लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमेरिका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है।

भारत बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

भारत आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। इसका पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है। उद्योग जगत भी इस दबाव को एक

अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है। मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है कि मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है। धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है, जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है। इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमेरिका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य में नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है। पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट में शामिल होंगे।

चीन से सुधर सकता है रिश्ता

मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत में जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमेरिका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है।

शुल्क युद्ध से एक हो रहे रूस, चीन व भारत

टैरिफ वार
विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नीतिगत रूप से दिग्भ्रमित प्रतीत हो रहे हैं। पहल वे स्वयं डीप स्टेट के विरुद्ध अमेरिका और दुनिया में एक राजनीतिक विद्रोह छेड़े हुए थे, किंतु अब प्रतीत होता है कि वे भी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं पूर्ण करने के चंगुल में फंसकर शुल्क युद्ध छेड़े हुए हैं। भारत के विरुद्ध दस-बारह से आरंभ हुआ अमेरिकी शुल्क युद्ध अभी 25 तथा अगस्त बीतने पर 50 प्रतिशत हो जाएगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार की निर्धारित, प्रमान्य एवं एक दशक से चल रही लगभग संतुलित नीतियों को अमेरिका ने वास्तव में असंतुलित कर दिया है। वस्तु उद्योग, सेवा उद्यम और वस्तु व सेवा की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को धरातल पर अमेरिकी पचास प्रतिशत शुल्क द्वारा वास्तव में कितनी हानि पहुंचेगी, यह तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन पचास प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाने के अमेरिकी निर्णय ने भारत से संबंधों की गत एक दशक से बनी समझ, सामंजस्य तथा इसके परिणाम से उत्पन्न लाभ की स्थितियां लगभग समाप्त कर दी हैं। यह एक स्तर की हानि है। जैसे-जैसे समय व्यतीत होगा, दोनों देशों का व्यापार जगत, उपभोक्ता जगत, बैंकिंग, बीमा एवं शेयर बाजार का क्षेत्र भी भिन्न-भिन्न अज्ञात अर्थहानियों का सामना करेंगे।

रूस से तेल खरीद पर नाराज ट्रंप

राजनीतिक दृष्टिकोण के साथ भारतवासी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को कितना ही कोस लें, किंतु भारत पर शुल्क को पचास प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय ट्रंप के व्यक्तिगत अहंकार, हठ एवं श्रेष्ठता के दंभ के आलोक में ही नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में यह यही इंगित करता है कि अमेरिका को रूस से कच्चा तेल आयात करने के भारत के जिस कार्य व निर्णय से सर्वाधिक समस्या है, उससे भारत को 2022 के बाद अत्यधिक लाभ हुआ है। लगभग पूरे वर्ष तक संपूर्ण यूरोप भारत के उस परिशोधित ईंधन पर ही आश्रित रहा, जो समुद्र या धरती के विशेष स्थानों से उत्खन्न के बाद रूस द्वारा सीधे भारत को आयात किया जा रहा था। रूस से कच्चे तेल का आयात और परिशोधन के बाद यूरोप के 27 देशों समेत अनेक अन्य देशों को निर्यात, इस कार्य में भारत सिद्धहस्त हो चुका है। भारत से परिशोधित तेल मंगाने वाले देशों को दुनिया में सबसे निम्न मूल्य पर तेल उपलब्ध हो रहा है। तेल आयात एवं निर्यात आधारित यह पूरा चक्र एक बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसमें पहला बड़ा लाभार्थी भारत तो दूसरा रूस है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में रूस इसी अर्थव्यवस्था के बल पर संपूर्ण यूरोप में पश्चिमी यूरोप का एकमात्र देश था, जिसकी अर्थव्यवस्था यूक्रेन युद्ध के बाद भी सबसे समृद्ध थी।

भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत ने इस आधार पर पहले फ्रांस, फिर इंग्लैंड और अब जापान को पीछे करके विश्व की चतुर्थ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। अब प्रथम स्थान पर 30.50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ अमेरिका, 19.23 ट्रिलियन डॉलर के साथ द्वितीय स्थान पर चीन,

4.74 ट्रिलियन डॉलर के साथ तृतीय स्थान पर जर्मनी तथा 4.19 ट्रिलियन डॉलर के साथ भारत चतुर्थ स्थान पर है। भारत की आर्थिक स्थिति को अकस्मात, कोरोना महामारी के कारण अर्थजगत में मंदी के बाद भी, आगे बढ़ने का अवसर तब ही प्राप्त हुआ जब रूस से तेल आयात और फिर आशोधन के बाद उस तेल के निर्यात से भारत के लाभ व आरक्षितियों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। गत चार वर्ष में भारत इस उद्योग एवं व्यापार का एक अनुभवी देश बन चुका है। इस लाभार्जनकारी अनुभव के आधार पर भारत के उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की नींव अत्यधिक शक्तिशाली हो चुकी है। रूस के साथ भारत का व्यापारिक एवं सामरिक संबंध हमेशा विश्वास व निष्ठा आधारित रहा है। दोनों देशों ने, विशेषकर रूस ने आसन्न संकटों के समय सदैव भारत का साथ दिया। दोनों देश पारस्परिक सहभागिता, सहकारिता एवं सहयोगपरक दृष्टिकोण के कारण ही कोरोना काल में भी अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं को तेल के कारोबार के कारण संतुलित रख पाए। कारोबार के सफल क्रियान्वयन को तीन-चार वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, तो अमेरिका को टीस उभरी है। पहले पहल अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोचा कि भारत-अमेरिका के मध्य होने वाले व्यापार अनुबंध में वे व्यापक व लाभकारी अमेरिकी हितों के अनुरूप भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को मनाकर उन्हें इसके लिए सहमत कर लेंगे और ऐसा होने पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था भारतीय उपभोक्ताओं एवं बाजारों के आधार पर अभूतपूर्व लाभ अर्जित करेगी। तब उन्हें भारत व रूस के तेल कारोबार से उभरती नई वैश्विक अर्थव्यवस्था से अधिक समस्या नहीं थी। किंतु पाकिस्तान आधारित अपने सामरिक हितों को भारत के सैन्याक्रमण से हुई हानि के बाद तो अमेरिका के लिए भारत केवल रूस के साथ तेल का कारोबार करके लाभार्जित करने वाले देश के रूप में ही नहीं, अपितु रूस की सहायता से अस्त्रों-शस्त्रों की नवोन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करने वाले ऐसे देश के रूप में भी उभरा है, जिसके हथियार अमेरिकी हथियारों से भी श्रेष्ठ सिद्ध हुए हैं। इन्हीं वास्तविक घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में जब ट्रंप ने अनुभव किया कि मोदी उनके अनुरूप कुछ नहीं कर रहे हैं, तो वे कुंठित हो गये, और परिणामस्वरूप भारत पर अमेरिका की ओर से व्यापारिक शुल्क घोषित कर दिया। अमेरिका द्वारा उत्पन्न इस संकट की स्थिति में चीन ने भारत के आह्वान के बिना ही, स्वप्रेरित होकर भारत का पक्ष लेना आरंभ कर दिया है। उसके देशी-विदेशी मंत्रियों एवं भारत स्थित राजदूत की ओर से अमेरिका पर तरह-तरह के लांछन लगाये जाने लगे हैं। उसने रूस के साथ मिलकर अमेरिकी प्रतिरोध के लिए भारत का संबल बनने के हर संभव संकेत दे दिए हैं। इस वातावरण में भारत की रूस के साथ अनेक स्तरीय शिखर वार्ताएं हो रही हैं। संभावना है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की संक्षिप्त यात्रा पर आएं। संभावना ये भी है कि चीन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाएं व शी से मिलें। इन दोनों संभावनाओं को दिनोंदिन बल मिल रहा है।

गुटसापेक्षता से सहमे ट्रंप

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत विरोधी अपने शुल्क आरोपण अत्याचार की प्रतिक्रिया में आकार ले रही रूस, भारत व चीन (आरआईसी) की गुटसापेक्षता से सहम गये हैं। ब्रिक्स के प्रतिरोध में पहले उन्हें भारत के साथ स्वस्थ मैत्री के आधार पर कुछ यूएस हितैषी कार्य किये जाने की आशा थी भी, किंतु भारत पर शुल्कात्याचार के बाद तो अब अमेरिका तथा अमेरिकी डॉलर के समक्ष रूस, भारत व चीन के गठबंधन के बाद एक नवीन निरुपाय चुनौती खड़ी हो गई है। जिस दिन ये घोषणा हुई कि मोदी दुनिया के सबसे अधिक प्रिय नेता हैं और पहले पांच प्रिय नेताओं में ट्रंप अंतिम हैं, उसी दिन से अमेरिकी राष्ट्रपति किंकर्त्तव्यविमूढ़ होकर भारत विरोधी रणनीतियों को धरातल पर उतारने लगे थे।

देशभर में दिखा रक्षाबंधन का उल्लास

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। बदले में भाई अपनी बहनों के प्रति प्रेम और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार देते हैं। राखी सुरक्षा की भावना का प्रतीक है। रक्षाबंधन पर भाई अपनी बहनों की रक्षा करने का वचन देते हैं। इस दौरान राजनीतिक गलियारे में भी रक्षाबंधन का प्रेमभरा संदेश दिखाई दिया। हमारा सांस्कृतिक देश हर भाई- बहनों को अपने परिवार के सदृश्य मानता है। इसी की झलक राखी के त्योहार पर भी दिखाई दी।

राजनीतिक गलियारे से भी.... अटूट रिश्ते का प्रेमभरा संदेश

प्रदेश के कई मुख्यमंत्रियों के निवास व राजभवन में भी हुए रक्षाबंधन पर्व के आयोजन

खटीमा में महिलाओं ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को उनके आवास पर राखी बांधी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सांखली में अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया।

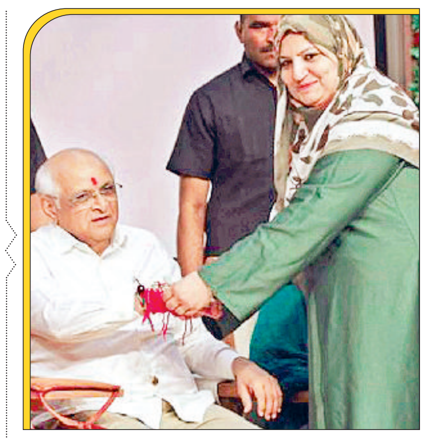

गांधीनगर के राजभवन में महिलाओं ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांधी।

पूर्व राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में स्कूली छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में पेड़ों को राखी बांधी। कार्यक्रम के दौरान नीतीश ने एक पौधा भी लगाया।

खबर संक्षेप

मंदिर मामले में गिरफ्तारी देने पहुंचे दुबे, इनकार

देवघर। झारखंड की राजनीति में एक बार फिर देवघर केंद्र में आ गया है। भाजपा सांसद और देवघर मंदिर ट्रस्टी निशिकांत दुबे ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि बाबा मंदिर से जुड़े विवाद में गिरफ्तारी देने के लिए खुद थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने गिरफ्तारी लेने से इनकार कर दिया।

मनसे ने अब फूड स्टॉल चलाने वाले को पीटा

मुंबई। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के कल्याण में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना कार्यकर्ताओं ने एक फूड स्टॉल वाले पर हमला किया। आरोप है कि उसने मराठी लोगों और राज ठाकरे के खिलाफ गलत बातें कही थीं। यह घटना दुर्गामाता मंदिर चौक इलाके में हुई। वीडियो वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है।

आज से दौड़ेगी बंगाल की पहली एसी लोकल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए खुशखबर है। रविवार से बंगाल को पहली वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेन मिलने वाली है। लोकल एसी ट्रेन चलने से आम लोगों को जो लोकल ट्रेन से यात्रा करते हैं उन्हें गर्मी से राहत मिलेगी। चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फ़ैक्टरी द्वारा विकसित, यह नेटवर्क में क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।

गहलोत के पीएसओ राजकुमार गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में एसआई भर्ती पेपर 2021 लीक प्रकरण से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है। इसमें दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। ये गिरफ्तारी पूर्व सीएम अशोक गहलोत के करीबी की हुई है। राजस्थान एसओजी ने देर रात पेपर लीक से जुड़े एक मामले में गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर राजकुमार यादव और बेटे भरत को गिरफ्तार किया है।

4 दिन में दूसरा बड़ा एनकाउंटर, 5 गिरफ्तार

छपरा। सारण जिले में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 4 दिन में दूसरी बार गोलियों की गूंज सुनाई दी। इस बार पुलिस की गोली कुख्यात अपराधी एवं एक लाख के इनामी मुन्ना मियां और उसके साथी रंजीत सिंह के पैर में लगी। दोनों पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेजे गए। पुलिस ने 5 बदमाशों को धर दबोचा।

बंगाल सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च के दौरान हंगामा, हालात बिगड़े

बैरिकेड्स को तोड़कर बढ़ी भीड़ तो पुलिस ने चलाईं लाठियां, 100 प्रदर्शनकारी जख्मी हुए

सुवेंदु, पॉल धरने पर बैठे, पीड़िता के माता-पिता भी घायल

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पुलिस ने पश्चिम बंगाल सचिवालय नबान्न तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता में पार्क स्ट्रीट क्रॉसिंग पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजीं है। यह मार्च सरकारी आरजी कर अस्पताल के अंदर एक ऑन ड्यूटी डॉक्टर के साथ क्रूर दुष्कर्म और हत्या के एक साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को निकाली गई। रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए प्रदर्शनकारियों ने विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने के लिए बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया। इस दौरान विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और अन्य भाजपा विधायकों के साथ पार्क स्ट्रीट-जेएल नेहरू रोड क्रॉसिंग पर धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में भाजपा नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए। सुवेंदु ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कार पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए। सुवेंदु ने चेतावनी दी कि ममता बेनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध प्रदर्शन आगे और भी बड़ा होने वाला है।

आरजी कर कांड को लेकर प्रदर्शन किया

सुवेंदु की चेतावनी, और बड़ा प्रदर्शन करेंगे

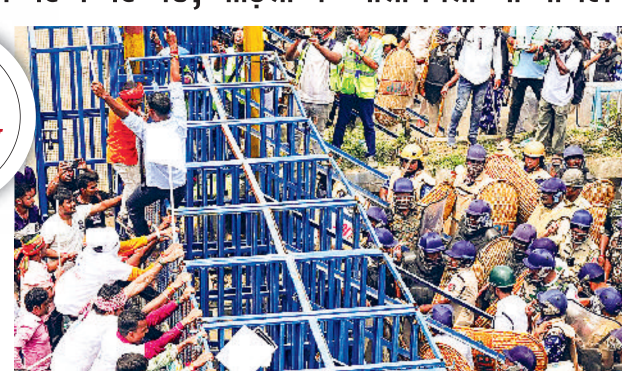

भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज करवाया गया

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने दावा किया है कि बंगाल सचिवालय तक मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई में भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज कर गई। इस बवाल के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता भी घायल हो गए हैं। खबर है कि भाजपा नेता अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल पुलिस कार्रवाई के विरोध में वहीं धरने पर बैठ गए हैं।

पुलिस सभास्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश कर रही: पीड़िता के पिता

पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय की ओर से हमें शांतिपूर्ण विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति दिए जाने के बावजूद पुलिस हमारे साथ सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने रास्ते में विभिन्न स्थानों पर लोगों के वाहनों को रोककर उन्हें सभा स्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। पीड़िता की मां ने कहा कि वे हमें क्यों रोक रहे हैं? हम बस सचिवालय पहुंचना चाहते हैं।

पीड़िता के लिए न्याय ममता इस्तीफा दें

प्रदर्शनकारियों को 10 फीट ऊंचे बैरिकेडों को लांघने की कोशिश करते देखा गया। आंदोलनकारियों को लोहे की दीवारों को तोड़ने और उनमें छेद करने के लिए कुंद औजारों का इस्तेमाल करते हुए भी देखा गया, ताकि वे आगे बढ़ सकें। प्रदर्शनकारियों को तिरंगे के अलावा पोस्टर और बैनर लिए देखा गया। इन पर पीड़िता के लिए न्याय और मुख्यमंत्री ममता के इस्तीफे की मांग की गई थी।

सुवेंदु ने ममता सरकार पर धमकाने का लगाया आरोप

सुवेंदु ने घटना के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'नबन्ना' तक शांतिपूर्ण मार्च निकालने का संकल्प लिया। अधिकारी ने ममता बेनर्जी सरकार पर धमकाने और अत्यधिक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को गंतव्य तक पहुंचने से रोकने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं।

लाठीचार्ज से भड़के भाजपा विधायक डिंडा

इतना मारेंगे कि पुलिस को ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा

'नबन्ना अभियान' के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शन में उनके साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुवेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य विधायक भी शामिल हुए। ये पीड़िता के लिए न्याय की मांग लगातार कर रहे हैं।

अब दिन दूर नहीं जब पुलिस को पीटेंगे

प्रदर्शन के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस प्रदर्शन में भाजपा विधायक अशोक डिंडा भी शामिल थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री ममता और बंगाल पुलिस पर निशाना साधा। अशोक डिंडा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब हम पुलिस को भी पीटेंगे। पुलिस की खूब पिटाई होगी।

चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं तो राहुल-प्रियंका इस्तीफा दें

कांग्रेस चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर रही: भाटिया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने एक बार फिर शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी ने चुनाव आयोग पर लगाये गए आरोपों को लेकर राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो उन्हें लोकसभा से इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपने 'वोट चोरी' वाले आरोप पर कोई लिखित बयान नहीं दिया। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता में यह कहते हुए सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी इस्तीफे की मांग की कि कांग्रेस चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर रही है।

भाटिया ने कहा कि अगर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और सांसद प्रियंका गांधी को भी चुनाव प्रक्रिया में भरोसा नहीं है, तो उन्हें भी राज्यसभा और लोकसभा से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी मीडिया के सामने बेबुनिया आरोप लगाते हैं और जब संवैधानिक संस्था आपसे सबूत और लिखित बयान मांगती है, तो देने से इनकार कर देते हैं।

गौरव भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत ने स्पष्ट कहा था कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कोई शक नहीं है और यह एक सच्चाई है कि आयोग ने वर्षों में एक ईमानदार संस्था के रूप में पहचान बनाई है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी, अगर आपको चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर भरोसा नहीं है, तो एक काम कीजिए, पहले लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दीजिए। प्रियंका गांधी, आप भी इस्तीफा दीजिए। सोनिया गांधी, आप भी कम से कम नैतिक आधार पर इस्तीफा दीजिए क्योंकि आप उसी चुनाव आयोग पर सवाल उठा रही हैं। इसके बाद आप सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जनता के पास जाइए।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता भाटिया ने यह भी मांग की कि कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को भी इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके शीर्ष नेता चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जो आपके हिसाब से ठीक है, उसे आप मान लेते हैं और जो आपके लिए असुविधाजनक होता है, उसे नकार कर चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाते हैं। यह तरीका नहीं चलेगा।

हरियाणा में डीएपी खाद का स्टॉक आवश्यकता से अधिक, फिर भी किसान परेशानः कुमारी सैलजा

सरकार कागजी आंकड़ों से आगे बढ़कर जमीनी हकीकत पर ध्यान दे

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि अगर हरियाणा को आवश्यकता से अधिक खाद उपलब्ध कराई गई है तो किसान मारा मारा क्यों फिर रहा है। उन्होंने लोकसभा में पूछे गए अपने प्रश्न के जवाब का हवाला देते हुए कहा है कि केंद्र सरकार ने स्पष्ट रूप से स्वीकार किया है कि हरियाणा में खरीफ 2025 सीजन के लिए डीएपी खाद की कोई कमी नहीं है और राज्य को आवश्यकता से अधिक खाद उपलब्ध कराई गई है। अगर ऐसा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार किसानों को क्यों परेशान करने में लगी हुई है या उसे अन्नदाता किसानों की कोई परवाह नहीं है।

सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को मीडिया को जारी बयान में कहा कि प्रदेश में डीएपी खाद को लेकर किसान मारा मारा फिर रहा है, कई कई घंटें लाइन में लगने पर पता चला कि खाद नहीं है। प्रदेश के कृषि मंत्री भी दावा करते है कि खाद की कोई कमी नहीं है। प्रदेश में अधिकतर जिलों में डीएपी खाद ब्लैक में बेची जा रही है पर सरकार उन पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। सरकार बार बार झूठ बोलकर किसानों को गुमराह करने में लगी हुई है। उन्होंने कहा है कि खाद की कमी को लेकर उन्होंनें लोकसभा में प्रश्न उठाया तो उसके जवाब में निमुबेन जयंतीभाई बांभनिया केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि कृषि और किसान कल्याण विभाग (डीए एंड एफडब्ल्यू) की आवश्यकता के अनुसार, उर्वरक विभाग राज्यों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक आवंटित करता है, जिसे मासिक आपूर्ति योजना और उपलब्धता की निरंतर निगरानी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाता है। हालांकि, राज्य के अंदर जिला स्तर पर उर्वरकों का वितरण राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। खरीफ 2025 सीजन के लिए हरियाणा की आवश्यकता 2.83 लाख मीट्रिक टन आंकी गई, जबकि प्रोराटा आवश्यकता 1.57 लाख मीट्रिक टन थी। इसके मुकाबले उपलब्धता 1.59 लाख मीट्रिक टन बताई गई है, और 30 जुलाई 2025 तक 0.33 लाख मीट्रिक टन का स्टॉक भी शेष है।

प्रधानमंत्री मोदी का विश्व संस्कृत दिवस पर संदेश

सरकार भाषा को बढ़ाने लगातार कर रही प्रयास

संस्कृत के महत्व को किया उजागर उसे ज्ञान का प्राचीन स्त्रोत बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस पर कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में संस्कृत भाषा को आगे बढ़ाने कई काम किए हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृत ज्ञान का एक बहुत पुराना स्त्रोत है और इसका असर हमारे जीवन के हर हिस्से में देखा जा सकता है। मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर मनाया जाता है।

सरकार के कदमों की जानकारी दी

उन्होंने अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करने के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण अभियान की शुरुआत जैसे उपायों का हवाला दिया।

प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गईं

उन्होंने कहा कि इससे अनगिनत छात्रों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों सहित कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं, एक ऐसी भाषा जो अब मुख्यतः धार्मिक कार्यों में ही सीमित रह गई है।

राज्यसभा सांसद ने धनखड़ के नजर न आने पर सवाल उठाए

कपिल सिब्बल ने पूछा, कहां हैं पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़?

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सिब्बल ने कहा कि मैंने 'लापता लेडीज' फिल्म के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में कभी नहीं सुना। उन्होंने कहा कि धनखड़ हमेशा सरकार का समर्थन करते रहे, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को ही उनकी खोज करनी पड़ेगी।

कहा, क्या हमें 'हैबियस कॉर्पस' याचिका दाखिल करनी पड़ेगी? शाह बयान दें

राज्यसभा सांसद और पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने शनिवार को कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लापता हैं। सिब्बल ने कहा कि मैंने 'लापता लेडीज' फिल्म के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में कभी नहीं सुना। उन्होंने कहा कि धनखड़ हमेशा सरकार का समर्थन करते रहे, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को ही उनकी खोज करनी पड़ेगी। सिब्बल ने यहां तक कहा कि क्या हमें 'हैबियस कॉर्पस' याचिका दाखिल करनी पड़ेगी?

सांसद सिब्बल ने उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद जगदीप धनखड़ के सार्वजनिक रूप से नजर न आने पर सवाल उठाए। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह से उनके स्वास्थ्य और मौजूदगी पर आधिकारिक बयान देने की मांग भी की। गौरतलब है कि गत 21 जुलाई को संसद के मानसून सत्र के पहले दिन जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। लेकिन तब से लेकर 9 अगस्त तक वे सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दिए। सिब्बल ने कहा कि उन्होंने पहले दिन धनखड़ से संपर्क करने की कोशिश की थी, लेकिन उनके निजी सचिव ने बताया कि वे आराम कर रहे हैं। इसके बाद से उनका कोई अता-पता नहीं है।

सिब्बल ने गृहमंत्री अमित शाह से पूछा कि धनखड़ कहां हैं और क्या वे सुरक्षित हैं। उन्होंने याद दिलाया कि हाल ही में धनखड़ की एम्स में एंजियोप्लास्टी हुई थी। उन्होंने कहा कि परिवार और करीबी लोगों ने भी उनके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। ऐसे हालात भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में असामान्य हैं और पारदर्शिता जरूरी है। सिब्बल ने एक्स पर भी पोस्ट कर लिखा कि क्या हमें बताया जा सकता है कि वे कहां हैं? क्या वे सुरक्षित हैं? क्यों वे संपर्क में नहीं हैं? अमित शाह को पता होना चाहिए, वे हमारे उपराष्ट्रपति थे। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव में अभी समय है, लेकिन इससे पहले हमें मिलकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेनी चाहिए।

राहुल के रात्रिभोज पर छिड़ी जंग

उद्धव को अंतिम पंक्ति में बैठाया तो भाजपा ने सही जगह बताया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने राहुल गांधी की डिनर पार्टी में उद्धव के पीछे बैठने को लेकर तंज कसा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि डिनर पार्टी में उद्धव ठाकरे को सबसे पीछे बैठाकर उनका अपमान किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना एनडीए का हिस्सा थी तो उद्धव हमेशा पहली पंक्ति में बैठते थे। लेकिन अब हमें पता चल गया है कि उन्हें गठबंधन में किस तरह का सम्मान मिलता है? उनको गठबंधन ने सही जगह बता दी है।

कांग्रेस ने उनको सही जगह दिखा दीः शिंदे

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी उद्धव का मजाक उड़ाया और कहा कि कांग्रेस ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है। शिंदे ने कहा कि जो लोग आत्म-सम्मान को गिरवी रख देते हैं और बाल ठाकरे के आदर्शों को त्याग देते हैं, कांग्रेस ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है।

तय कर सही स्कीम में निवेश करने से मिलेगा फायदा | म्यूचुअल फंड और गोल्ड निवेश करके बड़ा फंड तैयार करें | अपनी पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें, विविधता रखें

प्लानिंग बनाकर करें निवेश, 10 साल में बन सकते हैं करोड़पति

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

जब भी बात करोड़पति बनने की आती है तो ऐसा लगता है कि यह बहुत मुश्किल है। काफी लोग एक लाख रुपये महीने की सैलरी होने के बावजूद एक करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा नहीं कर पाते हैं। हालांकि यह प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो यह कुछ मुमकिन है। आप सही प्लानिंग के जरिए निवेश करके मात्र 10 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं। अगर आपकी उम्र 35 साल है और आप अगले 10-12 सालों में 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं, तो ये जानकारी आपके लिए काफी अहम हो सकती है।

जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड और गोल्ड आदि जगह निवेश करके बड़ा फंड तैयारी किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड का रिटर्न शेयर मार्केट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। जानकारों के मुताबिक पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें। पोर्टफोलियो में विविधता होनी चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार करोड़पति बनने के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू कर देना चाहिए। अगर कोई शख्स 35 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है तो वह 10 से 12 साल में करोड़पति बन सकता है। हालांकि इस दौरान निवेश में रिस्क लेना भी जरूरी होगा। इसके लिए कुछ रिश्क लें और लंबी अवधि के निवेश का प्लान तैयार कर आगे बढ़ें। इससे आप आसानी से करोड़पति बना पाएंगे और अपने धन से भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे। एक्सपर्ट कहते हैं कि कम जोखिम वाले निवेश से बहुत ज्यादा रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, लार्जकैप स्कीम्स ने पिछले पांच सालों में 14.02% का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आप कम जोखिम लेंगे, तो आपको रिटर्न भी थोड़ा कम मिलेगा।

कहां करें निवेश

आप अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर निवेश कर सकते हैं। जैसे कि 20% ग्रोथ वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% वैल्यू वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% कॉन्ट्रा फंड में, 20% ग्रोथ वाले मिडकैप फंड में और 20% ग्रोथ वाले स्मॉल कैप फंड में निवेश कर सकते हैं। इस तरह से निवेश करने से आप अलग-अलग मार्केट कैप और स्टाइल में निवेश कर पाएंगे। इससे आपके पैसे के डूबने का खतरा कम होगा और आपको अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

करोड़पति बनने के लिए कितना निवेश करें

अगर आप 10 साल में 12% सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) के साथ 1 करोड़ रुपये का फंड तैयार करना चाहते हैं, तो आपको हर महीने 45,000 रुपये एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करनी होगी। वहीं, 12 साल में करोड़पति बनना चाहते हैं तो यह निवेश 35,000 रुपये महीने का होगा। हालांकि 10 से 12 साल बाद एक करोड़ रुपये की वैल्यू कम हो जाएगी। इसलिए एक्सपर्ट कहते हैं कि हर साल एसआईपी की रकम 5 से 10 फीसदी बढ़ाते जाएं।

गोल्ड कितना जरूरी

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

ऐसे करें निवेश की प्लानिंग

चरण 1 : वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण

1. **लक्ष्यों की पहचान:** अपने वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करें, जैसे कि रिटायरमेंट के लिए बचत, बच्चों की शिक्षा, या घर खरीदना।
2. **लक्ष्यों की प्राथमिकता:** अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता दें और उनकी समय सीमा निर्धारित करें।

चरण 2 : जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन

1. **जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन:** अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें और यह निर्धारित करें कि आप कितना जोखिम उठाने को तैयार हैं।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 3 : निवेश विकल्पों का चयन

1. **निवेश विकल्पों की जानकारी:** विभिन्न निवेश विकल्पों की जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि स्टॉक, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, और बॉन्ड।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** वित्तीय लक्ष्यों व जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 4 : निवेश योजना का निर्माण

1. **निवेश योजना का निर्माण:** अपने वित्तीय लक्ष्यों और निवेश विकल्पों के अनुसार योजना बनाएं।
2. **निवेश की राशि:** निवेश की राशि निर्धारित करें और नियमित निवेश करने का निर्णय लें।

चरण 5 : निवेश की निगरानी और समीक्षा

1. **निवेश की निगरानी:** अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें।
2. **निवेश की समीक्षा:** यह सुनिश्चित करें कि लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं।

अतिरिक्त सुझाव

1. **विविधीकरण :** अपने निवेश को विविध बनाएं और एक ही निवेश विकल्प में अधिक जोखिम न उठाएं।
2. **नियमित निवेश :** नियमित निवेश करने से आपके निवेश की राशि बढ़ सकती है।

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड

चढ़ते और गिरते दोनों शेयरों पर दांव लगाने का मौका

काम की बात
बिजनेस डेस्क

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) गिरते बाजार में भी पैसे कमाने का मौका देता है। लेकिन, यह फंड कमजोर दिल वाले इनवेस्टर्स के लिए नहीं है। हाल में सेबी ने एसआईएफ की नई कैटेगरी शुरू की थी। क्वांट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड (क्यूएसआईएफ) इस कैटेगरी का इंडिया का पहला फंड है। यह इनवेस्टमेंट के लिए हेज-फंड स्टाइल की स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। इसका मतलब है कि यह एक ही समय में लॉन्ग पोजीशन और शॉर्ट पोजीशन या इसके ऑपोजिट पोजीशन लेने की इजाजत देता है। यह म्यूचुअल फंड के फ्रेमवर्क के तहत आता है। इसका मतलब है कि इस पर रेगुलेटर की नजर रहती है। यह इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा का भी ध्यान रखता है। उतारचढ़ाव वाले बाजार में शॉर्टिंग से मुनाफा कमाने की गुंजाइश होती है। क्वांट म्यूचुअल फंड के फाउंडर और सीआईओ संदीप टंडन ने कहा, ₹अगर आपके पास स्ट्रॉन्ग रिसर्च है, अच्छा एनालिटिक्स है और सॉलिड माइक्रो व्यू है तो शॉर्टिंग से आप मार्केट में दोनों तरह की स्थितियों में पैसे कमा सकते हैं। आपको स्टॉक के चढ़ने का इंतजार नहीं करना पड़ता। गिरते स्टॉक्स से मुनाफा कमाना सेबी के फ्रेमवर्क के तहत लीगल है। यह उन इनवेस्टर्स के लिए अहम टूल है जो इसके इस्तेमाल का तरीका जानते हैं।

यह किस स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है

यह फंड लॉन्ग-शॉर्ट स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। यह ऐसे स्टॉक्स को खरीदता है, जिनकी कीमतें चढ़ने की उम्मीद होती है और साथ ही उन स्टॉक्स को शॉर्ट करता है जिनकी कीमतें गिरने के आसार होते हैं। इस स्ट्रेटेजी की वजह से मार्केट किसी भी दिशा में जाए इनवेस्टर्स को मुनाफा होता है। गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों की पहचान फंड मैनेजर करता है। इसके लिए फंडामेंटल और टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल होता है।

टैक्स के कौन से नियम लागू होते हैं

टैक्स के मामले में एसआईएफ पर म्यूचुअल फंड्स के नियम लागू होते हैं। इस वजह से यह एआईएफ या पीएमएस के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। सहजमनी के फाउंडर और चीफ इनवेस्टमेंट एडवाइजर अभिषेक कुमार ने कहा, क्यूएसआईएफ जैसे इक्विटी ओरिएंटेड एसआईएफ के शॉर्ट टर्म गेंस पर 20 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि लॉन्ग टर्म गेंस पर 12.5 फीसदी टैक्स लगता है। एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपये का गेंस टैक्स-फ्री है।

न्यूनतम इनवेस्टमेंट कितना है

एसआईएफ में कम से कम 10 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह पीएमएस में न्यूनतम 50 लाख रुपये और एआईएफ में न्यूनतम 1 करोड़ रुपये के निवश के मुकाबले कम है। सैंक्टम वेल्थ में इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट्स के हेड अलख यादव ने कहा कि न्यूनतम निवेश कम होने से यह ज्यादा इनवेस्टर्स के दायरे में आ जाता है। इसके अलावा चूंकि यह सेबी के नियम और कानून के तहत ऑपरेट होता है, जिससे इस पर रेगुलेटर की नजर बनी रहती है। इससे इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा होती है।

क्या आपको इनवेस्ट करना चाहिए?

एसआईएफ का इस्तेमाल इनवेस्टर को अपने सैटेलाइट पोर्टफोलियो की तरह करना चाहिए न कि कोर पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में। अगर कोई स्मार्ट इवेस्टर रिस्क और रिटर्न को बैलेंस करना चाहता है तो वह कुछ पैसा एसआईएफ में लगा सकता है। अगर वह 50 रुपये म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह इसमें से 15 रुपये एसआईएफ में लगा सकता है। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में कुल निवेश का 30 फीसदी वह एसआईएफ में इनवेस्ट कर सकता है।

क्या है एसआईएफ

स्पेशलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) एक नया निवेश विकल्प है जो म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) के बीच का ऑप्शन है। यह निवेशकों को अधिक जोखिम लेने और विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग करने की अनुमति देता है, जैसे कि लॉन्ग-शॉर्ट फंड। एसआईएफ में निवेश करने के लिए कम से कम 10 लाख की आवश्यकता होती है।

एसआईएफ की विशेषताएं

- लॉन्ग-शॉर्ट फंड : एसआईएफ में निवेशक दोनों तरह के स्टॉक खरीद और बेच सकते हैं, जिससे जोखिम कम करने और बेहतर लाभ पाने का मौका मिलता है।
- अधिक जोखिम : एसआईएफ में निवेश करने वाले निवेशकों को अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है, लेकिन इससे अधिक रिटर्न भी मिल सकता है।
- टैक्स लाभ : एसआईएफ में टैक्स की व्यवस्था म्यूचुअल फंड जैसी ही है, जो निवेशकों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एसआईएफ में निवेश करने के लाभ

- अधिक फ्लेक्सिबिलिटी : एसआईएफ में निवेशक विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और अपने निवेश को अधिक फ्लेक्सिबल बना सकते हैं।
- अधिक रिटर्न : एसआईएफ में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल सकता है, लेकिन इसके लिए अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है।

कौन से फंड कर रहे हैं हाउस एसआईएफ लॉन्च

- क्वांट म्यूचुअल फंड : क्वांट म्यूचुअल फंड ने भारत का पहला लॉन्ग-शॉर्ट एसआईएफ फंड लॉन्च करने की मंजूरी प्राप्त की है।
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल भी अपना एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।
- एसबीआई म्यूचुअल फंड : एसबीआई म्यूचुअल फंड भी एसआईएफ फंड लॉन्च करने की तैयारी कर रही है।

- **फाइनेंशियल सफलता की पहली सीढ़ी है खर्चों पर रोक लगाना और भविष्य के लिए आय का 20 फीसदी बचाना**
- **अपने मंथली बिलों व खर्चों को कम कर बचा सकते हैं पैसे**
- **अपने बचे हुए पैसे को सही जगह निवेश करें, बढ़ेगा पैसा**

पैसों का करें बेहतर मैनेजमेंट, नहीं होंगे परेशान

सैलरी को 'दीमक' की तरह खा जाते हैं बिल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अक्सर लोगों को लगता है कि फाइनेंशियल रूप से मजबूत या फिर सफलता का मतलब बहुत ज्यादा पैसा कमाना है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं होता है। असल में फाइनेंशियल सफलता की पहली और सबसे अहम सीढ़ी है अपने खर्चों पर रोक लगाना। जब आप अपने मंथली बिलों और खर्चों को कम करते हैं, तो फिर आपके पास बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए अधिक पैसा बचता है। तभी आप अपने पैसे को बढ़ा पाते हैं। असल में यह कोई मुश्किल काम नहीं है, जी हां कुछ आसान और सुनियोजित कदम उठाकर आप अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं और एक मजबूत वित्तीय फ्यूचर की नींव रख सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ टिप्स जो अपको आर्थिक सफलता की ओर ले जाएंगे।

पहला कदम : अपने खर्चों को पहचानें

सबसे पहले, आपको यह जानना होगा कि आपकी मेहनत की कमाई का पैसा कहां जा रहा है। इसके लिए, आप कम से कम एक महीने तक अपने हर छोटे-बड़े खर्च का हिसाब रखें। अपने सभी खर्चों को एक कॉपी में या मोबाइल ऐप में लिखें। इसमें किराए, किराने का सामान, ईएमआई, बिजली बिल से लेकर एक कप चाय का खर्च भी शामिल करें। यह कदम आपको यह समझने में हेल्प कर सकता है कि आप कहां-कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं।

दूसरा कदम बजट बनाएं

एक बात साफ है कि जब आप अपने खर्चों को पहचान लेंगे, तो अगला कदम होगा एक मासिक बजट बनाना है। अपनी इनकम के हिसाब से हर चीज के लिए एक लिमिट तय करें. बजट बनाने से आपको अपने खर्चों को कंट्रोल करने में मदद मिल सकेगी। अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें।

अहम खर्च : किराया, ईएमआई, राशन, दवाई आदि।

गैर-जरूरी खर्च : बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग, मनोरंजन आदि।

तीसरा कदम : गैर-जरूरी खर्चों में कटौती

अधिक पैसा बचाने के लिए अपने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। इससे आपको हर महीने पैसे बचने लगेंगे। इस पैसे को आप अच्छी जगह पर निवेश करें। धीरे धीरे इस निवेश औश्र अचत को बढ़ाते जाएंगा। इससे आपके हाथों में अधिक पैसा आएगा और आपकी बचत बढ़ती जाएगी। आप इन खर्चों में कर सकते हैं कटौती।

मनोरंजन : कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के सब्सक्रिप्शन लेने के बजाय, केवल एक या दो का ही यूज करें।

खान-पान : बाहर से खाना ऑर्डर करने की जगह, घर पर खाना बनाने की आदत डालें। इससे आपके पैसे और हेल्थ दोनों बचेंगे।

शॉपिंग : अनावश्यक और आवेगपूर्ण खरीदारी से बचें। जब कोई चीज जरूरी हो तभी खरीदें।

चौथा कदम : बड़े बिलों को कम करें

आपको अपनी बचत बढ़ाने के लिए अपने सबसे बड़े मासिक बिलों को कम करने के तरीके खोजने होंगे या कमाई को बढ़ाना होगा। कोई भी पार्टटाइम काम करें। फीलॉन्सिंग भी कर सकते हैं। इससे आपको पैसे बचेंगे। बिजली का बिल ज्यादा है। गैर जरूरी उपकरणों को बंद कर दें। घर लाइट उतनी ही जलाएं, जितनी जरूरत हो। कुछ बिलों में ऐसे कर सकते हैं कटौती।

बिजली बिल : घर में एलईडी लाइट का यूज करें, पुराने और ज्यादा बिजली खाने वाले उपकरणों को बदलें और जरूरत न होने पर पंखे, एसी और लाइट बंद करें।

फोन और इंटरनेट : अपने फोन और इंटरनेट प्लान की तुलना करें। कई बार, कंपनियां बेहतर ऑफर दे रही होती हैं, जिनसे आपका बिल कम हो सकता है।

लोन की ईएमआई : अगर आपके पास पुराना लोन है, तो उसकी ब्याज दर को कम करने के लिए बैंकों से बात करें।

पांचवां कदम : बचत को प्राथमिकता दें

अपने मंथली खर्चों को कम करने के बाद, जो भी पैसा बचे उसे तुरंत बचत और इन्वेस्टमेंट में लगाएं। 'खुद को पहले भुगतान करें' के रूल को अपनाएं। इसका मतलब है कि सैलरी आने पर सबसे पहले बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए पैसा निकालें, फिर बाकी बचे पैसों से खर्च करें। इससे साफ है कि मंथली बिलों को कम करना एक आदत है, जिसे लगातार कोशिश से अपनाया जा सकता है। यह कोई बड़ा काम नहीं होता है, बल्कि छोटे-छोटे कदमों का एक बड़ा रूप होता है। इन कुछ कदमों को उठाकर आप ना केवल अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्यों को भी हासिल कर सकते हैं और एक सेफ फ्यूचर की नींव रख सकते हैं।

स्टूडेंट लाइफ में फाइनेंशियल मैनेजमेंट घटा सकता है परेशानी, बजट बनाकर फ्यूचर प्लानिंग भी छात्रों के लिए बेहतर

इन्हें अपनाने से कम पैसों में भी जी सकते हैं बॉस वाली जिंदगी

स्टूडेंट लाइफ में करें मनी मैनेजमेंट, भविष्य में धन की नहीं रहेगी कमी, अमीर बनने के लिए हर छात्र कुछ अहम टिप्स को अपनाएं

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग्स की आदत डालना फ्यूचर के लिए सबसे मजबूत नींव हो सकती है। सेविंग्स को कभी भी जो बचेगा, वही बचाऊंगा की सोच से ना देखें, बल्कि इसे अपनी प्रायोरिटी बनाएं। छोटे-बड़े बचत लक्ष्य तय करें। जब कोई टारगेट तय होता है तो बचत करना आसान और प्रेरणादायक लगता है। हमेशा ट्राई करें कि आपकी आय का 10% या 20% हिस्सा सीधे बचत खाते में डालें।

प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

विद्यार्थी लाइफ अक्सर उत्साह, सीखने और नए अनुभवों से भरा होती है, लेकिन इसी दौरान पैसों का मैनेजमेंट बहुत बड़ी चुनौती भी साबित हो सकता है। कॉलेज की फीस, किताबों का खर्च, हॉस्टल का किराया, खाना-पीना, और मनोरंजन के खर्चे इन सभी को मैनेज करना कभी बार मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर स्टूडेंट टाइम में ही बजट बनाना और पैसों का सही मैनेजमेंट सीख लिया जाए तो फ्यूचर आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि छात्रों को शुरू से ही मनी मैनेजमेंट पर ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य की दिक्कतों से दूर रहा जा सके और छात्र आसानी से धनवान बन सकें। अच्छी फाइनेंशियल आदतें न केवल आपको कर्ज के जाल में फंसने से बचाती हैं, बल्कि आपको अपने टारगेट को प्राप्त करने में भी मदद करती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको धनवान बना सकते हैं।

अपनी इनकम को ट्रैक करें

हर छात्र को अपने फाइनेंशियल लाइफ की शुरुआत सबसे पहले अपनी इनकम और खर्चों को ट्रैक करना चाहिए। चाहे पॉकेट मनी हो, स्कॉलरशिप या पार्ट-टाइम जॉब की आमदनी हो, सबका हिसाब रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप एक छोटी डायरी, कोई बजटिंग ऐप या एक्सेल शीट का सहारा ले सकते हैं। स्टूडेंट रोजमर्रा के छोटे-छोटे खर्च जैसे स्नैक्स, ऑटो किराया या ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन को भी मेंशन करें। यह आदत आपको अपनी फिजूलखर्ची समझने और उसे नियंत्रित करने में मदद करेगी, जिससे पैसों की बचत हो सकेगी।

आवश्यकताओं और इच्छाओं में अंतर समझें

अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें-स्टूडेंट लाइफ में आर्थिक समझ को समझना बेहद जरूरी है, और इसकी शुरुआत होती है 'आवश्यकताओं' और 'इच्छाओं' के फर्क को समझने से। आवश्यकताएं वो खर्चे होते हैं जो लाइफ के लिए जरूरी हैं-जैसे ट्यूशन फीस, किताबें, रूम रेंट, खाना और आना-जाना, जबकि, इच्छाएं वो चीजें हैं जो केवल सुख-सुविधा के लिए होती हैं, जैसे बाहर खाना, फिल्म देखना या नया गैजेट खरीदना, तो जब आप इन दोनों के बीच फर्क पहचान लेंगे, तो आप अपनी जरूरत पर फोकस करके जरूरी खर्चों पर लगाम लगाकर बेहतर फाइनेंशियल कंट्रोल बना सकते हैं।

50/30/20 का बजट बनाएं

अपनी इनकम और खर्चों को समझने के बाद अगला जरूरी कदम है एक सही मंथली बजट बनाया जाए। आप अपनी मासिक आय के अनुसार भोजन, कन्वेंशन, पढ़ाई की चीजें और मनोरंजन जैसी लिस्ट के लिए अलग-अलग पैसे तय करें। यह ध्यान रखें कि आपके कुल खर्च आपकी कुल आमदनी से अधिक ना हों। बजट बनाने के लिए आप 50/30/20 रूल का पालन कर सकते हैं, जैसे 50% राशि आवश्यकताओं पर, 30% इच्छाओं पर और 20% सेविंग्स या किसी भी लोन की चुकौती के लिए रखें।

स्मार्ट खरीदारी करें और रियायतों का लाभ उठाएं

पैसों की बचत के लिए रियायतों और डील्स का समझदारी से यूज करना बेहद फायदेमंद हो सकता है। जहां तक हो हमेशा अपने स्टूडेंट आईडी कार्ड को साथ रखें और **wherever possible** उसे दिखाकर छूट पाने की कोशिश कर सकते हैं। आप किराने का सामान थोक में खरीदें और ऑफर्स या सेल पर नजर रखना चाहिए, इतना ही नहीं महंगे ब्रांड्स की बजाय सामान्य ब्रांड चुनना अधिक बजट-फ्रेंडली होता है।

एक्स्ट्रा इनकम के ऑप्शन खोजें

अगर आपका बजट लिमिटेड है तो खर्चों पर नियंत्रण के साथ-साथ इनकम बढ़ाने के ऑप्शन ढूंढें। आप पार्ट-टाइम जॉब जैसे ट्यूटरिंग, कैंपस असिस्टेंटशिप या फ्रीलांसिंग का ऑप्शन चुन सकते हैं। साथ ही आपकी हॉबी भी कमाई का जरिया बन सकती है—जैसे ऑनलाइन कंटेंट बनाना, हैंडमेड क्राफ्ट्स बेचना या ब्लॉगिंग करना।

इमरजेंसी फंड बनाएं

अचानक आने वाले खर्चों के लिए हमेशा तैयार रहना बहुत जरूरी है, क्योंकि मेडिकल इमरजेंसी, लैपटॉप खराब होना या कोई भी अचानक से कोई भी खर्चे सामने आ सकते हैं। इसके लिए आप एक अलग बचत खाता खोलकर उसमें धीरे-धीरे थोड़ी-थोड़ी राशि जमा करें। ऐसा करने से आपको महंगे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का सहारा लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छात्र बजट बनाना, खर्चों की प्राथमिकता तय करना और हर महीने की सेविंग्स तय करना सीखकर फाइनेंशियल मैनेजमेंट की शुरुआत कर सकते हैं।

शुभमन की लॉर्ड्स वाली जर्सी पर लगी लाखों की बोली, 5.41 लाख में बिकी

पंत की टोपी का 1.76 लाख रुपए लगा मोल

नई दिल्ली। सीरीज खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के इस्तेमाल किए गए कई सामान की चैरिटी ऑक्शन में नीलामी की गई। इस नीलामी में शुभमन गिल की टीशर्ट ने सबसे ज्यादा दाम में बिकी है। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल का पहला इंग्लैंड दौरा काफी शानदार रहा। इस मैच में भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अपनी बैटिंग और कप्तानी से सबका दिल जीत लिया। पांच मैचों की सीरीज में शुभमन गिल ने 10 पारियों में 754 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक और चार शानदार शतक शामिल है। भारतीय टीम ने इस सीरीज को 2-2 की बराबरी के साथ खत्म किया। सीरीज खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के इस्तेमाल किए गए कई सामान की चैरिटी ऑक्शन में नीलामी की गई। इस नीलामी में गिल की टी-शर्ट ने सबसे ज्यादा दाम में बिकी। ये नीलामी 'रेड फॉर रूथ' नामक चैरिटी फाउंडेशन ने आयोजित की थी, जिसमें खिलाड़ियों की टी-शर्ट के साथ-साथ कैप, बैट और मैच टिकट जैसे कई अन्य क्रिकेट स्मृति चिन्ह भी शामिल थे।

बुमराह और जडेजा की जर्सी करीब 4.94 लाख में बिकीं

लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान शुभमन गिल की पहनी और साइन की गई टीशर्ट को नीलामी में लगभग 5.41 लाख रुपए में खरीदा गया। इस नीलामी में गिल की जर्सी सबसे मंहगी बिकी थी। गिल के अलावा जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा की साइन की हुई जर्सी करीब 4.94 लाख रुपए में बिकीं और संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केएल राहुल की जर्सी करीब 4.70 लाख रुपए में तीसरे स्थान पर रही।

जो रूट के जर्सी भी रही महंगी : इंग्लैंड की ओर से जो रूट की जर्सी सबसे महंगी रही, जो करीब 4.47 लाख रुपए में बिकी, जबकि बेन स्टोक्स की जर्सी करीब 4 लाख रुपए में नीलाम हुई।

क्या है 'रेड फॉर रूथ' अभियान

लॉर्ड्स टेस्ट में हर साल एक दिन "रेड फॉर रूथ" अभियान के लिए रखा जाता है, जिसे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी पत्नी रूथ स्ट्रॉस की याद में शुरू किया था, जिनका निधन कैंसर से हुआ था। इस दिन क्रिकेटर, कमेंटेटर और दर्शक सभी लाल कपड़े पहनते हैं। अब यह पहल क्रिकेट के सालाना कैलेंडर का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत-इंग्लैंड मैच से पहले फाउंडेशन ने बताया कि पिछले छह सालों में फैंस के सहयोग और उदारता से उसने 3,500 से ज्यादा परिवारों को अपने प्रियजनों के खोने के दुख से उबरने में मदद की है और 1,000 से ज्यादा कैंसर देखभाल एक्सपर्ट को शोक से निपटने की ट्रेनिंग दी है।

खबर संक्षेप

अहलावत 25वें स्थान पर, शुभंकर कट से चूके

एबेरडीन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने डीपी वर्ल्ड टूर पर नेक्सो चैंपियनशिप के दूसरे दौर में इवन पार के कार्ड के साथ कट हासिल किया। अहलावत ने अपने पहले दौर के 73 के कार्ड में 72 के कार्ड का इजाफा किया, जिससे दो दिन में उनका स्कोर एक ओवर हो गया। इससे वह संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। अहलावत ने दूसरे दौर में तीन बर्डी लगाईं और तीन बोगी कर बैठे।

अमेरिकी ओपनः पाउला बडोसा ने नाम लिया वापस

न्यूयॉर्क। पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं।

लंदन चैंपियनशिपः दीक्षा संयुक्त 10वें स्थान पर

लंदन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने डबल बोगी से उबरते हुए आखिरी चार होल में दो बर्डी लगाकर पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेला। लेडीज यूरोपियन टूर टूर्नामेंट के पार-73 कोर्स में इस कार्ड से वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थीं। वहीं अन्य भारतीयों में अदिति अशोक (73) संयुक्त 37वें, प्रणवी उर्स (75) संयुक्त 67वें और अवनि प्रशांत (76) संयुक्त रूप 75वें स्थान पर रहीं।

मेरा किया जो काटे उसे ईनाम
गुरूजी सम्राट

ज्योतिष द्वारा सभी समस्याओं का तुरंत समाधान। घर बैठे फोन पर समस्याओं का समाधान जानें। वशीकरण, पति - पत्नी, सास - बहु में अनबन, मुकदमा, गृह क्लेश, सौतन, दुश्मनी से छुटकारा, शादी, कारोबार, विदेश यात्रा आदि।
7534997731

सूचना
सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टेस्ट सीरीज 2-0 से जीता, जिम्बाब्वे को एक पारी और 359 रन से रौंदा

न्यूजीलैंड ने दर्ज की इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी जीत, जिम्बाब्वे को हराया

एजेंसी ▸▸ बुलावायो

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में जिम्बाब्वे टीम 117 रन पर सिमट गई। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ये पारी और रनों के अंतर के मामले में अब तक की तीसरी सबसे बड़ी जीत भी है।

जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में दिखाया गेंद से कमाल

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी 3 विकेट के नुकसान पर 601 रन बनाकर घोषित कर दी थी, जिसके बाद तीसरे दिन के खेल में कीवी टीम की तरफ से अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलकेस ने शानदार बॉलिंग करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला 5 विकेट हॉल लिया और जिम्बाब्वे टीम की दूसरी पारी को 117 रनों के स्कोर पर समेटने में अहम भूमिका अदा की। जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में 9 ओवर्स की गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 37 रन देने के साथ 5 विकेट हासिल किए। इसके अलावा मैट हेनरी और जैकब डफी ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए। कीवी टीम की ये जहां उनके टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी अब तक की जीत है तो वहीं जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी हार है।

जिम्बाब्वे के सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचे

तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी, जिसमें रचिन रविंद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की।

डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। न्यूजीलैंड की टेस्ट मैचों में पिछली सर्वश्रेष्ठ जीत भी 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही थी जब नेपियर में उसने पारी और 301 रन से जीत दर्ज की थी। यह इस साल जिम्बाब्वे की टेस्ट मैचों में लगातार छठी हार भी थी। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है। लेकिन न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का अपना दौरा जीत के साथ समाप्त किया क्योंकि उसने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के साथ टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला भी जीती थी।

अब तक की सबसे बड़ी जीत

- इंग्लैंड- पारी और 579 रन (बनाम ऑस्ट्रेलिया, साल 1938)
- ऑस्ट्रेलिया - पारी और 360 रन (बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2002)
- न्यूजीलैंड - पारी और 359 रन (बनाम जिम्बाब्वे, साल 2025)
- वेस्टइंडीज - पारी और 336 रन (बनाम भारत, साल 1958)

न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों ने खेली शतकीय पारी

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की तरफ से बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें तीन बल्लेबाज शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। डीवोन कॉन्वे ने जहां 153 रनों की पारी खेली तो वहीं रचिन रवींद्र के बल्ले से 165 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली इसके अलावा हेनरी निकल्स ने भी 150 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर कीवी टीम अपनी पहली पारी में 601 रनों के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही।

आईपीएल

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कोहली लौटे पिच पर, लंदन में शुरू की ट्रेनिंग

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।" उन्होंने सेशन के दौरान अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर स्टोरी दोबारा शेयर करते हुए कहा, भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं।

302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए

कोहली का ध्यान अब पूरी तरह से भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रतिबद्धताओं पर है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर आखिरकार अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से भी दूर हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर से पर्थ स्टेडियम में यह टूर्नामेंट शुरू होगा। इसके बाद 23 और 25 अक्टूबर टूर्नामेंट के अन्य मैच खेले जाएंगे।

टी20 विश्व कप

ऑस्ट्रेलिया का ऐलान, हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता

डेविड वॉर्नर ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले लिया था। उसके बाद से ऑस्ट्रेलिया टी20 इंटरनेशनल में कई ओपनर आजमाए हैं। इसमें कप्तान मिचेल मार्श के साथ मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल और जेक फ्रेजर-मैकगर्क शामिल हैं। लेकिन इनमें से कोई भी उस भूमिका में फिट नहीं बैठ पाया है।

इस बीच आगामी टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर मिचेल मार्श ने कहा कि आने वाले समय में मैं और ट्रैविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। जाहिर है, हमने साथ में काफी खेला है, हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है तो शुरुआत वहीं से करेंगे।

इस दौरान मिचेल मार्श ने फिनिशर टिम डेविड की भूमिका के बारे में भी बात की, जिन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 37 गेंदों में रिकॉर्ड तोड़ शतक बनाया था। मार्श ने कहा, हमने इस बारे में बात की है। हमने वेस्टइंडीज में देखा कि वह नियमित रूप से पहले ही बल्लेबाजी के लिए आ गए थे। वह इसी के लिए बना है। वह जितनी ज्यादा गेंदों का सामना करेगा, उम्मीद है उतने ही ज्यादा मैच वह हमें जिताएगा।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज खेलेगी ऑस्ट्रेलिया

साउथ अफ्रीका की टीम 10 अगस्त से साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी। 7 साल के बाद साउथ अफ्रीकी टीम ऑस्ट्रेलिया का दौरा कर रही है। टी-20 सीरीज के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। सीरीज का पहला टी-20 मैच मरारा क्रिकेट ग्राउंड डार्विन में खेला जाएगा।

महिला टी20 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 114 रन से हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया)। तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही। उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी। इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई।

हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

महिला हॉकी : सेमीफाइनल में पहुंचे छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और यूपी

एजेंसी ▸▸ काकीनाडा

छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की, जबकि चार क्वार्टरों के निर्धारित समय में उनका मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

- छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से हराया

आयरलैंड ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

जेन ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बेलफास्ट। पाकिस्तान की महिला टीम इन दिनों आयरलैंड दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का दूसरा मैच सिविल सर्विस क्लब बेलफ़ास्ट में खेला गया, जहां आयरलैंड की टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में आयरलैंड महिला टीम की बल्लेबाज जेन मैग्वायर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। जेन महिला टी-20 इंटरनेशनल में आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस मैच को जीतकर आयरलैंड ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

पाकिस्तान महिला टीम के बल्लेबाज नहीं खेल पाए बड़ी पारी : मैच की बात करें तो दूसरे टी20I में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की महिला टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाने में कामयाब रही। मेहमान टीम की ओर से ओपनर शवाल जुल्फिकार सबसे ज्यादा रन बनाए। वह 27 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 33 रन बनाने में कामयाब रही। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मुनीबा अली (27) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 48 गेंदों में 62 रनों की साझेदारी की।

ओरला प्रेंडरगैस्ट ने बनाए आयरलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम ने आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत दर्ज की। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और एमी हंटर केवल 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद कप्तान गेबी लुइस (21) और ओरला प्रेंडरगैस्ट ने पारी को आगे बढ़ाया। प्रेंडरगैस्ट ने आयरलैंड के लिए 34 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। लौरा डेलानी ने 34 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली।

मैच में किया रोमांच पैदा

अंत में रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों में 34 रन बनाकर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। वहीं आखिरी गेंद पर जेन मैग्वायर ने छक्का लगाकर टीम को शानदार जीत दिला दी। आयरलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाकर 4 विकेट से दूसरे टी20I मैच को भी अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान की तरफ से रमीन शमीम ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जेन महिला टी20I इतिहास की पहली खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच जिताया हो। उन्होंने सादिया इकबाल की गेंद पर छक्का लगाया था।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी को दुलारती नन्ही बच्ची

भाई की कलाई पर सजा बहन का प्यार

राष्ट्र की रक्षा के लिए राखी, सैनिकों को स्नेह विश्वास और कृतज्ञता का शाश्वत धागा बांधा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देशभर में रक्षाबंधन का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया। इस पवित्र त्योहार पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं, तो वहीं भाई अपनी बहन को उसकी रक्षा का वचन देते हैं। यह दिन भाई-बहनों के प्रेम, रिश्ते, विश्वास और उनकी ताकत को समर्पित है। रक्षाबंधन के मौके पर दिल्ली में थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस त्योहार को मनाया। यह एक भावुक और खास पल था, जो सेना और देश की जनता के बीच मजबूत रिश्ते का प्रतीक बना। इस दौरान छात्राओं ने सेना प्रमुख के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर राखी बांधकर अपने रक्षकों के प्रति प्यार, भरोसे और सम्मान का इजहार किया।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आशा स्कूल की छात्राओं से राखी बंधवाई

वायु सेनाध्यक्ष एपी सिंह ने छात्राओं से राखी बंधवाई और उन्हें मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया

सीडीएस अनिल चौहान को स्कूल की छात्राओं ने तिलक लगाकर उनकी कलाई पर बांधी राखी

लद्दाख में भारतीय सैनिकों को स्थानीय बहनों ने बांधी राखी और हाथ में तिरंगा लेकर खुशी इजहार की

सेना के प्रति प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना हमेशा देशवासियों की सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक के लिए ये राखियां एक याद दिलाने वाली होती हैं कि वो अकेले नहीं हैं बल्कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। वहीं, सेना ने कहा कि रक्षाबंधन पवित्र और हार्दिक भाव राष्ट्र की प्रार्थनाओं को दर्शाता है, जो प्रत्येक नागरिक के भारतीय सेना के प्रति अटूट विश्वास और स्नेह के बंधन को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

अमेरिकी सेना को देश में घुसने नहीं देंगे: शिनबाम

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि वे अपने देश में अमेरिकी सेना का घुसना स्वीकार नहीं करेंगी। अमेरिकी सेना मैक्सिको नहीं आएगी। यह किसी समझौते का हिस्सा नहीं है और पहले भी जब यह मुद्दा उठा, उन्होंने हमेशा 'नहीं' कहा है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने पेंटागन को मैक्सिको के उन ड्रग कार्टेल्स पर कार्रवाई का आदेश दिया है जिन्हें अमेरिका आतंकवादी संगठन मानता है। शिनबाम ने कहा कि अगर पेंटागन मैक्सिको या आसपास के देशों में सेना भेजने की योजना बनाता है, तो यह दोनों देशों के रिश्तों को और बिगाड़ सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर में गोलीबारी, 3 घायल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में शनिवार रात गोलीबारी हुई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक, यह घटना रात करीब 1:20 बजे वेस्ट 44वीं स्ट्रीट और सेवेंथ एवेन्यू पर हुई। यह इलाका दुनिया के सबसे मशहूर पर्यटन स्थलों में से एक है। घायल लोगों में एक 19 वर्षीय और एक 65 वर्षीय पुरुष शामिल हैं, दोनों को पैरों में गोली लगी है। एक 18 वर्षीय महिला की गर्दन पर खरोंच का घाव है। तीनों को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया और उनकी जान को खतरा नहीं है।

50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ के बीच राहत की बड़ी खबर!

यूक्रेन विवाद पर ट्रंप-पुतिन के बीच अलास्का में होगी शांति की बात, भारत ने किया स्वागत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टुथ सोशल पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अगले सप्ताह शुक्रवार, 15 अगस्त 2025 को अलास्का में बहुप्रतीक्षित शिखर बैठक करने की घोषणा की है। 2022 में विवाद की शुरुआत के करीब चार साल बाद यह पहला मौका होगा। जब अमेरिका और रूस के राष्ट्राध्यक्षों के बीच यह मुलाकात होगी

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

यूक्रेन विवाद के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टुथ सोशल पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अगले सप्ताह शुक्रवार, 15 अगस्त 2025 को अलास्का में बहुप्रतीक्षित शिखर बैठक करने की घोषणा की है। 2022 में विवाद की शुरुआत के करीब चार साल बाद यह पहला मौका होगा। जब अमेरिका और रूस के राष्ट्राध्यक्षों के बीच यह मुलाकात होगी। जिसके केंद्र में शांति स्थापना से जुड़ा समझौता रहेगा। दोनों पक्ष अपने-अपने विचारों और शर्तों के साथ आमने-सामने बैठेंगे और चर्चा करेंगे। भारत ने दोनों देशों के बीच होने वाली इस शिखर बैठक का स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत, अमेरिका और रूस के बीच 15 अगस्त को अलास्का में होने वाली शिखर बैठक के लिए बनी सहमति का स्वागत करता है। साथ ही हम बैठक के लिए अपना समर्थन प्रदान करते हुए ऐसे तमाम प्रयासों में सहयोग करने के लिए

यह जानकारी विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान

पीएम कह चुके हैं, ये युद्ध का युग नहीं

मंत्रालय ने बताया कि अमेरिका और रूस के राष्ट्रप्रमुखों के बीच होने वाली यह बैठक अपने साथ यूक्रेन में जारी मौजूदा संघर्ष की समाप्ति, शांति स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करने के वादे को साथ लेकर की जाएगी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर शांति की बात करते हुए कह चुके हैं कि यह युग युद्ध का नहीं है। समस्या का समाधान युद्धक्षेत्र में नहीं बल्कि बातचीत और कूटनीति के माध्यम से ही निकाला जाना चाहिए।

टैरिफ को लेकर जगी राहत की उम्मीद?

वहीं, इस घटनाक्रम के बीच जानकारों का मानना है कि अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति के बीच होने वाली यह बैठक भारत के लिए भी राहत की खबर लेकर आ सकती है। क्योंकि अगर दोनों देशों के बीच यूक्रेन में शांति को लेकर कोई समझौता हो जाता है तो उसके बाद बहुत संभव है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मौजूदा उग्र तेवरों में भी कमी देखने को मिले और वह भारत पर लगाए गए अत्यधिक टैरिफ को कुछ कम कर दें। ट्रंप ने भारत पर यूक्रेन युद्ध के बीच उसके द्वारा रूस से लगातार जारी कच्चे तेल की खरीद से नाराज होकर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। इसका आधा भाग यानी 25 फीसदी 7 अगस्त से लागू हो गया है। जबकि बाकी बचा हुआ 25 फीसदी 27 अगस्त से लागू होने की संभावना है। लेकिन दोनों देशों के बीच अगर ये वार्ता फेल हो जाती है तो भारत पर टैरिफ का भार जस का तस बना रहेगा।

आतंकी विरोध अभियान जारी

कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान पंजाब के 2 जवान 'बलिदान'

हरमिंदर सिंह प्रीतपाल सिंह

एजेंसी ▸▸ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के अखल इलाके में आतंकियों और जवानों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ के नौवें दिन रक्षाबंधन के पर्व पर सेना के दो जवान शहीद हो गए, जबकि पिछली रात की गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हुए हैं। दोनों जवान पंजाब के अलग-अलग जिलों के हैं।

- 1 अगस्त से चल रहा अभियान
- अब तक 10 जवान घायल

इनमें एक फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ का हरमिंदर सिंह और दूसरा खन्ना के समराला का लांस नायक प्रीतपाल सिंह है। फतेहगढ़ जिले के औद्योगिक शहर मंडी गोबिंदगढ़ से सटे गांव बदीनपुर का हरमिंदर सिंह पुत्र जसवंत सिंह सिख फोर्स ट्रेनिंग रेजिमेंट में तैनात था। इसके अलावा एक खन्ना जिले के समराला हलके के गांव मानुपुर का लांस नायक प्रीतपाल सिंह पुत्र हरबंस सिंह भी देश के लिए शहीद हुए हैं।

2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका

भारतीय सुरक्षाबलों ने 1 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों की तलाश में 'ऑपरेशन अखल' शुरू किया था। यह कार्रवाई इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू हुई थी। माना जा रहा है कि यहां 2 से 3 आतंकी छिपे हो सकते हैं। भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स के अनुसार, सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने दक्षिण कश्मीर के जंगल क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी के इनपुट के आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। अब तक मुठभेड़ में एक आतंकी का शव बरामद हुआ है, जबकि कुल मिलाकर दो जवान शहीद और दस जवान घायल हो चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, घने जंगल और प्राकृतिक गुफा जैसे ठिकानों का फायदा उठाकर कम से कम तीन या उससे ज्यादा आतंकी अब भी छिपे हुए हैं। यह मुठभेड़ पिछले कई दशकों में सबसे लंबा चला रहा आतंक विरोधी अभियान बन गया है।

सेनाध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

मुठभेड़ में शहीद जवानों को सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय थल सेना के समस्त पद, लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने कश्मीर में ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। भारतीय थल सेना शोक की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती है तथा उनके साथ दृढ़ता से खड़ी है। वहीं, चिनार कोर ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि चिनार कोर राष्ट्र के लिए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

यूएन महासचिव ने जताई चिंता, कहा

इजराइल के गाजा पर कब्जे से फिलिस्तीनियों को बड़ा खतरा

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

इजराइल के गाजा पर कब्जे के फैसले पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर इजराइल गाजा पर कब्जा कर लेता है तो फिलिस्तीनियों के लिए खतरा बढ़ जाएगा। गाजा में फिलिस्तीनी भयावह मानवीय आपदा झेल रहे हैं। अब अगर गाजा इजराइल पर कब्जा करता है तो जबरन विस्थापन, हत्याएं और व्यापक विनाश होगा। इससे गाजा में फिलिस्तीनी आबादी की अकल्पनीय पीड़ा और बढ़ जाएगी। उन्होंने स्थायी युद्धविराम, गाजा में निर्बाध मानवीय पहुंच और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की अपनी अपील दोहराई।

महासचिव ने एक बार फिर इजराइल सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए कहा। इजराइल सुरक्षा परिषद के गाजा पर कब्जा करने के फैसले की आलोचना को लेकर इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब दिया है। नेतन्याहू ने कहा कि हम गाजा पर कब्जा नहीं करेंगे। बल्कि उसे हमास से आजाद कराएंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विसैन्यीकरण और एक शांतिपूर्ण नागरिक प्रशासन की स्थापना से हमारे बंधकों को मुक्त कराने में मदद मिलेगी। साथ ही भविष्य के खतरों को रोका जा सकेगा।

यूएस के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा आरोप

ट्रंप की टैरिफ नीति 'बहुत बड़ी भूल' साबित होगी

भारत को रूस व चीन से दूर रखने की कोशिशों को खतरे में डाला

अमेरिका को 'सबसे खराब परिणाम' भुगतने पड़ेंगे

एजेंसी ▸▸ वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भारत के साथ टैरिफ प्रकरण पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका ने भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों पहले से चले आ रहे प्रयासों को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए भारी शुल्कों पर बात करते हुए यह बात कही। बोल्टन ने भारत की तुलना में चीन के प्रति ट्रंप के पूर्वाग्रह की भी आलोचना की और कहा कि यह एक 'बहुत बड़ी भूल' हो साबित सकती है।

टैरिफ प्रकरण विडंबनापूर्ण

बोल्टन ने कहा कि टैरिफ के कारण अमेरिका को 'सबसे खराब परिणाम' भुगतने पड़े। उन्होंने टैरिफ प्रकरण को विडंबनापूर्ण बताया। बोल्टन ने कहा कि रूस को नुकसान पहुंचाने के इरादे से भारत पर लगाए जाने वाले प्रस्तावित जुर्माना भारत को रूस और चीन के करीब ला सकता है, और शायद उन्हें अमेरिका के खिलाफ मिलकर बातचीत करने पर मजबूर कर सकता है। बोल्टन ने जोर देकर कहा कि चीन के प्रति ट्रंप की नरमी और भारत पर भारी शुल्क, भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों से चले आ रहे अमेरिकी प्रयासों को खतरे में डाल रहा है।

पूर्व अमेरिकी उप विदेश मंत्री की सलाह

पीएम मोदी ट्रंप की शर्तों को नहीं मानें

पूर्व अमेरिकी उप-विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने भारत पर ट्रंप के टैरिफ की निंदा की। उन्होंने कहा कि टैरिफ के कारण अब अमेरिका-भारत के संबंधों पर खतरा मंडरा रहा है। कैंपबेल ने कहा कि 21वीं सदी में अमेरिका का भारत के साथ एक महत्वपूर्ण रिश्ता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पीएम मोदी के बारे में जिस तरह की बातें की हैं, उसने भारत सरकार को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि पीएम मोदी को ट्रंप की शर्तों को नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत से कहेंगे कि उसे रूस के साथ अपने संबंधों का त्याग करना होगा, तो भारतीय रणनीतिकार ठीक इसका उल्टा करेंगे।

ब्रिक्स दे रहा डॉलर को चुनौती

ट्रंप की कार्रवाई के बाद भारत से लेकर रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका एक जुट हो रहे हैं। अगर ब्रिक्स देश अपनी मुद्रा में व्यापार शुरू करते हैं तो यह अमेरिका के लिए बड़ा झटका होगा। रूस ने सबसे पहले 2022 में एक नई अंतरराष्ट्रीय रिजर्व मुद्रा का प्रस्ताव रखा था और ब्रिक्स देश अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं (जैसे रुपए, युआन, रूबल) में व्यापार को बढ़ावा देने की ओर चल पड़े हैं। ब्रिक्स मुद्राओं में व्यापार होने से डॉलर की मांग कम हो सकती है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका होगा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109